रायपुर, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित
हमेशा सच के साथ
RNI NO. CHHHIN/2016/70655

पायनियर

www.dailypioneer.com रायपुर, मंगलवार 18 फरवरी 2025 पृष्ठ-12 वर्ष-09, अंक-178 मूल्य 3.00 ₹

विवक न्यूज

राज्य निर्वाचन आयोग ने शहरी क्षेत्र से समाप्त की आचार संहिता

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर पालिकाओं तथा नगर निगमों में संपन्न हुए चुनाव के बाद आदर्श आचार संहिता को प्रभाव शून्य घोषित कर दिया है। नगर निगमों के परिणाम आने उपरांत यह आदेश जारी किए गए है। शहरी क्षेत्र में जहां पर निर्वाचन कार्य पूर्ण हो चुके है। वहां पर यह आदेश प्रभावशील होंगे। इसके लिए चुनाव आयोग ने आदेश जारी कर दिया है।

सीमा सुरक्षा बल और बंगलादेश बॉर्डर गार्ड के बीच 55 वीं समन्वय बैठक आज

नयी दिल्ली। भारत और बंगलादेश के सीमा प्रहरियों सीमा सुरक्षा बल और बॉर्डर गार्ड बंगलादेश के बीच महानिदेशक स्तर की 55वीं समन्वय बैठक होगी। सीमा सुरक्षा बल के प्रवक्ता ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने यहां इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर बीजीबी के महानिदेशक मोहम्मद अशरफुज्जमान सिद्धकी और उनके साथ आये शिष्टमंडल का स्वागत किया। दोनों सीमा बलों के महानिदेशकों के बीच समन्वय बैठक में सीमा से संबंधित मुद्दों जैसे सीमा पर बाड़ लगाने और बेहतर तालमेल के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होने की संभावना है।

शिवराज ने दी 13.22 लाख टन अरहर दाल खरीद को मंजूरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष 2024-25 के खरीफ सीजन के लिए मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में 13.22 लाख टन अरहर दाल खरीद को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में खरीद पहले ही शुरू हो चुकी है और 15 फरवरी तक इन राज्यों में कुल 0.15 लाख टन अरहर की खरीद की गई है, जिससे इन राज्यों के 12,006 किसानों को लाभ हुआ है। अन्य राज्यों में भी अरहर की खरीद जल्द ही शुरू होगी। चौहान ने कहा कि सरकार नाफेड और एनसीसीएफके माध्यम से किसानों से शत प्रतिशत अरहर दाल खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके

पायनियर संवाददाता ◀ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

दिल्ली-एनसीआर में सोमवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप के तीव्रता चार मापी गयी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केन्द्र (एनसीएस) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में सोमवार सुबह पांच बजकर 37 मिनट पर भूकंप के तेज झटके महसूस किये। भूकंप की तीव्रता चार मापी गयी और भूकंप का केन्द्र राष्ट्रीय राजधानी में जमीनी सतह से पांच किलोमीटर नीचे स्थित था। दिल्ली के अलावा फरीदाबाद, गुरुग्राम, रोहतक, गाजियाबाद, नोएडा और उसके आसपास के क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप के तेज झटकों के कारण घरों के छत के पंखे तेजी से हिलने लगे और घरों में रखे बर्तन खड़कने लगे। भय के मारे लोग अपने घरों से बाहर निकल आये। एनसीएस के मुताबिक भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.0 मापी गयी। भूकंप का केन्द्र 28.59 डिग्री उत्तर अक्षांश और 77.16 डिग्री पूर्वी देशांतर, जमीनी सतह से पांच किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। कई साल के बाद भूकंप का केंद्र दिल्ली रहा। इसकी वजह से यहां लोगों को झटके काफी देर तक महसूस हुए। दिल्ली पुलिस ने किसी तरह की परेशानी होने पर लोगों से आपातकालीन सेवा 112 पर डायल करने की सलाह दी है। अभी तक किसी तरह के जनहानि और नुकसान की कोई रिपोर्ट सामने नहीं आयी है। भूकंप के कारण धौला कुआं में स्थित झील पार्क में 20 से 25 साल पुराना पेड़ गिर गया। जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है गौरतलब है कि दिल्ली-एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र चतुर्थ श्रेणी में आता है। ये ऐसा इलाका होता है जहां भूकंप के तेज झटके आते रहते हैं। इससे पहले सात जनवरी को भी भारत, नेपाल और बंगलादेश में सुबह के समय भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

पीएम मोदी ने दिल्लीवासियों को 'शांत' रहने का किया आग्रह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के निवासियों से 'शांत' रहने का आग्रह किया और कहा कि अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, दिल्ली और आसपास के इलाकों में झटके महसूस किए गए। सभी से शांत रहने और सुरक्षा सावधानियों का पालन करने, संभावित झटकों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया जाता है। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। भूकंप के झटकों के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी कि भूकंप काफी डरावना था। महादेव सबको सुरक्षित रखें।

एक साथ उठी 10 लोगों की अर्थी, क्षेत्र में पसरा मातम

पायनियर संवाददाता ◀ कोरबा
www.dailypioneer.com

कुंभ स्नान के लिए निकले प्रयागराज में हुए भीषण सड़क हादसे में कोरबा जिले के 10 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। श्रद्धालुओं की बोलेरो वाहन बस से टकरा गई। दो दिन बाद सभी मृतकों के शव कोरबा लाए गए, जहां पूरे नगर में मातम छा गया। एक साथ 10 अर्थियों की अंतिम यात्रा निकाले जाने से माहौल गमगीन हो गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था, तो वहीं स्थानीय लोगों में भी शोक व्याप्त रहा। श्रम तथा उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन समेत भाजपा और कांग्रेस के कई नेताओं ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर संवेदनाएं प्रकट कीं। मंत्री लखन लाल देवांगन ने प्रत्येक मृतक के परिवार को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त सहायता दिलाने का आश्वासन भी दिया। शासन की ओर से मिलने वाली अन्य योजनाओं के तहत भी परिवारों को मदद देने की बात कही गई। नवनिर्वाचित महापौर संजू देवी राजपूत भी मृतकों के घर पहुंचीं और घटना की पूरी जानकारी ली।

डेयरी विकास से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति, किसानों की बढ़ेगी आय : सीएम साय

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कहा कि छत्तीसगढ़ में श्वेत क्रांति की तर्ज पर डेयरी उद्योग को सशक्त बनाने और किसानों व पशुपालकों की आय दोगुनी करने की दिशा में राज्य सरकार ने प्रभावी कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन को लाभकारी व्यवसाय बनाने और प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के सहयोग से एक पायलट प्रोजेक्ट तैयार किया गया है, जिसके तहत व्यापक स्तर पर कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित बैठक में पशुपालन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि दिसंबर 2024 में राज्य सरकार और एनडीडीबी के बीच हुए समझौते के बाद छत्तीसगढ़ में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की अधिकांश आबादी कृषि से जुड़ी है और अतिरिक्त आय के लिए पशुपालन का कार्य भी करती है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की विशेषज्ञता में तैयार पायलट प्रोजेक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार लगभग 5 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। इस योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के 6 जिलों को शामिल किया गया है और सफल क्रियान्वयन के बाद इसे पूरे प्रदेश में विस्तारित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डेयरी उद्योग के विकास से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इसके साथ ही, प्रदेशवासियों के पोषण स्तर में भी सुधार होगा, जिससे बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव आएगा।

त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के प्रथम चरण में जमकर दिखा उत्साह

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्य में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन प्रक्रिया के पहले चरण में जमकर उत्साह दिखा। मतदाताओं ने निर्वाचन में बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी ली। बीजापुर, दंतेवाड़ा समेत अन्य अतिसंवेदनशील इलाकों में भी शांतिपूर्ण मतदान दिए गए। पंचायत चुनाव में सुरक्षा के तगड़े इंतजाम किए गए है। खबर लिखे जाने तक कही से भी कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई है।

सीएम ने कहा-जनता ने चुना विकास का मार्ग, हिंसा को दिखाया बाहर का रास्ता

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने कहा लोकतंत्र ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। बस्तर संभाग, जो दशकों तक नक्सलवाद के साए में रहा, अब लोकतंत्र के उजाले की ओर बढ़ रहा है। सुकमा और बीजापुर जिले के अनेक मतदान केंद्रों पर पहली बार अनेक दशकों के बाद ग्रामीण पंचायत चुनाव में मतदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर में जनता ने विकास का मार्ग चुना है और हिंसा को बाहर का रास्ता दिखाया है।

भाजपा की अंदरूनी कलह के कारण दस दिन बाद भी दिल्ली को नहीं मिला मुख्यमंत्री : आतिशी

एजेंसी ◀ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

दिल्ली की कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है और कहा कि भाजपा की 'विपदा' सरकार में अंदरूनी कलह के कारण दस दिन बाद भी दिल्ली को मुख्यमंत्री नहीं मिल पाया है। आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली चुनाव के नतीजे आए दस दिन बीत गए हैं। गत 08 फरवरी को चुनाव के नतीजे आए जिसके बाद दिल्लीवालों को उम्मीद थी कि भाजपा अपने मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करेगी और 10 फरवरी तक शपथ ग्रहण समारोह होगा और उसके तुरंत बाद दिल्लीवालों का काम शुरू होगा। लेकिन दिल्ली की जनता इंतजार करती रह गई लेकिन आज 10 दिन बाद भी भाजपा मुख्यमंत्री पर निर्णय नहीं ले पाई है। उन्होंने कहा कि दिल्लीवालों के सामने यह साबित हो गया है कि भाजपा के पास मुख्यमंत्री का कोई भी चेहरा नहीं है।

स्टार्टअप को गांवों तक पहुंचना चाहिए: धनखड़

वार्ता ◀ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्टार्टअप से गांवों तक पहुंचने का आह्वान करते हुए कहा है कि इससे एक स्थायी समाज विकसित करने में मदद मिलेगी और निश्चित रूप से पोषण संबंधी खाद्य मूल्य में वृद्धि होगी। धनखड़ ने पंजाब में मोहाली में राष्ट्रीय कृषि-खाद्य और जैव विनिर्माण संस्थान (एनएबीआई) में उन्नत उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम (ए-ईएसडीपी) परिसर का उद्घाटन करते हुए कहा कि कृषि और डेयरी उत्पादों में मूल्य वर्धन करने वाले सूक्ष्म उद्योगों से ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं के पुनरुद्धार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, गांव या गांवों के समूह में एक ऐसी प्रणाली विकसित होनी चाहिए, जहां खेत में सूक्ष्म उद्योग हों, जो कृषि उपज में मूल्य वर्धन करें, जो उत्पादित पशुधन, उत्पादित दूध में मूल्य वर्धन करें। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से एक स्थायी समाज विकसित करने में मदद मिलेगी और निश्चित रूप से पोषण संबंधी खाद्य मूल्य में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि आइसक्रीम, पनीर, मिठाइयाँ और इसी तरह की अन्य चीजें बनाने के लिए उद्यमशीलता कौशल रखने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि इससे रोजगार पैदा होगा और ग्रामीण युवा संतुष्ट होंगे। उप राष्ट्रपति ने कहा कि दक्षता और उत्पादकता में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी को खेती के तरीकों में एकीकृत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि द्वितीय और तृतीय शहरों में स्टार्टअप हैं। उन्हें अब गांवों तक पहुंचना होगा क्योंकि कृषि उपज अर्थव्यवस्था को जीवन रेखा है। उद्योग के लिए कच्चा माल है। ग्रामीण परिवेश में कृषि भूमि के करीब एक समूह विकसित होगा, तो अर्थव्यवस्था में उछाल आएगा। उन्होंने किसानों से प्रौद्योगिकी में प्रगति और इसके लाभों के बारे में जानकारी रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नयी तकनीक पर्यावरण के अनुकूल, ईंधन कुशल और अत्यधिक सब्सिडी वाली है। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाना होगा। धनखड़ ने कहा कि ग्रामीण व्यवस्था राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी के रूप में काम करती है। विकसित भारत का रास्ता इसके गांवों से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि कृषि उपज तब बेची जाती है जब यह किसानों का बाजार नहीं होता, यह खरीदारों का बाजार होता है। सरकार बड़े पैमाने पर भंडारण और सहकारी आंदोलन के माध्यम से भंडार को बनाए रखने की सुविधाएं देती है। सरकार की कृषि नीतियां किसानों की बहुत मदद कर रही हैं।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भारत ने स्पेन को 2-0 से हराया

एजेंसी ◀ भुवनेश्वर
www.dailypioneer.com

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 (पुरुष) में स्पेन को 2-0 से हराकर पहले मैच में मिली 1-3 की हार का बदला ले लिया। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह की गैर मौजूदगी में खेले गये मुकाबले में भारतीय टीम के लिए मनदीप सिंह ने (32वें) मिनट और दिलप्रीत सिंह ने (39वें) मिनट में गोल कर भारत को इस सीजन की पहली जीत दिलाई। भारतीय कप्तान को इस मैच में आराम दिया था। पहले क्वार्टर में भारत ने जहां शानदार रक्षात्मक खेल का प्रदर्शन किया वहीं स्पेन की टीम आक्रामक रही। इसके बावजूद पहला क्वार्टर गोल रहित रहा। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमें गोल नहीं कर सकी। हाफ-टाइम के बाद मनदीप ने दिलप्रीत की मदद से गतिरोध को तोड़ते हुए 32वें मिनट में गोलकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद दिलप्रीत सिंह ने 39वें मिनट में गोल दागकर बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद कई पेनल्टी कॉर्नर हुए लेकिन दोनों ही टीमें गोल करने में विफल रही। अंतिम क्वार्टर में स्पेन ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए गोल करने के लिए भरसक प्रयास किया, लेकिन भारतीय हॉकी टीम की रणनीति के आगे उनकी एक न चली।

भारत के विद्यार्थी विश्व में नवाचार, उद्यमिता के ध्वजवाहक बनेंगे : धर्मेन्द्र प्रधान

पायनियर संवाददाता ◀ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि अगले दो दशक में भारत के विद्यार्थी विश्व में नवाचार, उद्यमिता, रोजगार के अवसर तथा सम्पत्ति-सृजन के ध्वजवाहक बनेंगे। प्रधान यहां दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज के 126वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, मुझे विश्वास है कि अगले दो दशकों में उससे आगे भारत के परिवर्तन में विद्यार्थी धन-सृजक, नौकरी-सृजक, डीप-टेक इनोवेटर, नीति-निर्माता और कल के वैश्विक नागरिक बनेंगे। प्रधान ने अत्याधुनिक हिंदू कॉलेज लाइब्रेरी का उद्घाटन किया, जिसे जैक्रार फ इंडेक्शन के उदार सहयोग से अब चार मंजिलों तक विस्तारित किया गया है। लाइब्रेरी में ई-लर्निंग के लिए एसएनपी पुंज मेमोरियल नॉलेज सेंटर भी है, जो आधुनिक शिक्षा में एक नया मील का पत्थर साबित होगा। प्रधान ने शिक्षा और समाज में योगदान देने के साथ ही हिंदू कॉलेज की नींव को अपनी मेहनत से सींचने वाले दिवंगत कृष्ण दास गुरवाले को श्रद्धांजलि दी। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कृष्णदास गुरवाले द्वारा स्थापित हिंदू कॉलेज ने भारत की बौद्धिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान को आकार देने में एक अद्वितीय विरासत बनाई है। उन्होंने कहा कि विरासत बनाना और उसे बनाए रखने से कहीं अधिक आसान है। प्रधान ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत सभी भारतीयों का सामूहिक लक्ष्य है। अगले 22-25 वर्ष 'अमृतकाल' के हैं और जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मना रहा होगा, तब हिंदू कॉलेज भी अपना 150वां स्थापना दिवस मनाएगा। हिंदू कॉलेज की शैक्षणिक उत्कृष्टता और उपलब्धियों की शानदार 126 साल की यात्रा पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा, शिक्षा न केवल हमारी क्षमताओं को बल्कि हमारे दृष्टिकोण को भी आकार देती है। यही दृष्टि और समर्पण के साथ, हम प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण के साथ तालमेल बिठाते हुए राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे सकते हैं।

रथ मैनी, मालदीव की उच्चायुक्त ऐशथ अज़ीमा समेत अन्य रहे मौजूद

पांच देशों के राजनयिकों ने राष्ट्रपति को अपने परिचय पत्र सौंपे

वार्ता ◀ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

पांच देशों के राजदूतों और उच्चायुक्तों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपने परिचय पत्र पेश किये। राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया है कि राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में कंबोडिया, मालदीव, सोमालिया, क्यूबा और नेपाल के राजदूतों तथा उच्चायुक्तों ने अपने परिचय पत्र राष्ट्रपति को सौंपे। परिचय पत्र प्रस्तुत करने वाले राजनयिकों में कंबोडिया की राजदूत रथ मैनी, मालदीव की उच्चायुक्त ऐशथ अज़ीमा, सोमालिया के राजदूत डॉ. अब्दुल्लाही मोहम्मद ओडोवा, क्यूबा के राजदूत जुआन कार्लोस मार्सन एगुलेरा और नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा शामिल हैं।

विदेश मंत्री ने आपसी सहयोग बढ़ाने पर ओमानी विदेश मंत्री के साथ की बातचीत

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने ओमान में 8वें हिंद महासागर सम्मेलन में भाग लिया और ओमान के विदेश मंत्री सैय्यद बद्र अल्बुसैदी के साथ भारत-ओमान संबंधों को मजबूत करने के बारे में विचार विमर्श किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार डॉ जयशंकर ने हिंद महासागर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण दिया जिसमें उन्होंने क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने और एक स्थिर और समृद्ध हिंद महासागर क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

अमित शाह ने डॉ. साहा को लंबित मामलों में सीबीआई जांच में तेजी लाने का दिया आश्वासन

पायनियर संवाददाता ◀ अगरतला
www.dailypioneer.com

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा को लंबित मामलों में सीबीआई जांच में तेजी लाने का आश्वासन दिया है। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के दौरे पर आए डॉ साहा ने कहा कि शाह के साथ उनकी मुलाकात में कुछ वर्षों में 40 से अधिक मामलों में लंबित सीबीआई जांच पर विस्तृत चर्चा हुई, जिससे पीड़ितों में भ्रम की स्थिति पैदा हुई और प्रमुख जांच एजेंसी की छवि खराब हुई। मुख्यमंत्री ने शाह से अनुरोध किया कि वे जांच एजेंसी से मामले की जांच तेज करने और मामलों को कानूनी या तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाने को कहें। साहा की ओर से विशेष रूप से उल्लेख किए गए प्रमुख मामलों में दो पत्रकारों में सुदीप दत्ता भौमिक और संतानु भौमिक की हत्याएं, बर्धमान फार्मा मामले, एनआईटी अगरतला के भ्रष्टाचार मामले, और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले शामिल हैं। डॉ साहा ने कहा सीबीआई की ओर जांच को लगभग रोक दिए जाने से न केवल परिवारों को न्याय पाने से वंचित होना पड़ा, बल्कि इससे उन्हें 'निराश' भी होना पड़ा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि उन्हें कुछ मामलों की अच्छी जानकारी है और वे अनुरोध के अनुसार मामले की जांच करेंगे और सीबीआई से जांच में तेजी लाने को कहेंगे।

चुनाव आयोग को राजीव कुमार ने कहा अलविदा

एजेंसी ◀ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

निवर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने सोमवार को कहा कि भारतीय चुनाव प्रणाली दुनिया की सबसे बड़ी और पारदर्शी चुनाव प्रणालियों में से एक है तथा देश लोकतंत्र का एक चमकता प्रकाश-स्तम्भ है। देश के 25वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार का भारतीय निर्वाचन आयोग में मंगलवार को आखिरी दिन है। उन्होंने राजधानी में आयोग के मुख्यालय पर आयोजित विदाई समारोह में कहा, भारत को लोकतांत्रिक व्यवस्था अपने गुणों के साथ दुनिया के तमाम देशों के लिए प्रेरणा का विषय है। हमें अपनी इस 'सॉफ्ट पावर' (इस प्रतिष्ठा की शक्ति) का फायदा उठाना चाहिए। कुमार ने कहा, मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मैं आयोग को अधिक समर्थ, प्रतिबद्ध और पेशेवर हाथों में छोड़कर विदा ले रहा हूं। उन्होंने आयोग को लेकर समय-समय पर उठाए जाने वाले सवालों का भी उल्लेख किया और कहा, एक सिस्टम के रूप में चुनाव आयोग पर अक्सर अनुचित आरोप लगते रहते हैं और ये आरोप लोगों की तरफ से होते हैं, जो चुनावी परिणाम को स्वीकार करने को तैयार नहीं होते हैं। उन्होंने चुनाव के बाद आयोग को निशाना बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति को एक बड़ा चिंता का विषय बताया और कहा कि मान लिया गया है कि इस संस्था को आसानी से बलि का बकरा बनाया जा सकता है। कुमार एक सितंबर 2020 को चुनाव आयुक्त बनकर चुनाव आयोग में आए थे और 15 मई को उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त का पदभार संभाला। वह आयोग में 4.5 साल रहे।

सौरभ शर्मा और उसके दोनों सहयोगी न्यायिक हिरासत में जेल भेजे गए

पायनियर संवाददाता ◄ भोपाल
www.dailypioneer.com

मध्यप्रदेश में परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके सहयोगी शरद जायसवाल तथा चेतन सिंह गौर को आज रिमांड अवधि पूर्ण होने पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विशेष अदालत के समक्ष पेश किया, जहां से तीनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। ईडी ने सख्त सुरक्षा प्रबंधों के बीच तीनों आरोपियों को यहां जिला अदालत परिसर में विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया। ईडी ने और रिमांड की मांग नहीं की। आवश्यक औपचारिकताओं के बाद सौरभ, शरद और चेतन को अदालत के आदेश पर दो सप्ताह के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेजने के आदेश दिए गए। इसके बाद तीनों को जेल भेज दिया गया। ईडी ने धन शोधन मामले में काली कमायी के आरोपी और परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा तथा उसके दो साथियों शरद तथा चेतन को गिरफ्तार करने के बाद 11 फरवरी को अदालत के आदेश पर रिमांड पर लिया था। अदालत ने ईडी के आवेदन पर तीनों को उस दिन सात दिन की रिमांड पर ईडी को सौंप दिया था और रिमांड अवधि आज समाप्त हो गयी। ईडी के भोपाल जोनल कार्यालय ने 10 फरवरी को सौरभ शर्मा, शरद जायसवाल और चेतन सिंह गौर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया था। ईडी के समक्ष सौरभ शर्मा और अन्य से जुड़ा मामला लंबित है। दिसंबर 2024 में मध्यप्रदेश की लोकायुक्त पुलिस ने सौरभ शर्मा और उसके साथियों के ठिकानों पर भोपाल में छापे की कार्रवाई कर तीन करोड़ रुपए नगदी समेत करोड़ों रुपयों की चल अचल संपत्ति का पता लगाया था। इसी दौरान आयकर विभाग ने एक कार से 10 करोड़ रुपए नगद और लगभग 50 किलो सोना जप्त किया था। यह कार चेतन सिंह गौर के नाम पर पंजीकृत थी। इसके बाद इस मामले में आयकर विभाग और ईडी ने भी अपनी कार्रवाई की। सौरभ शर्मा और उसके दोनों साथियों को हाल ही में लोकायुक्त पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पहले तीनों लोकायुक्त पुलिस की रिमांड पर रहे थे। इसके बाद अदालत ने तीनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस अवधि में ईडी और आयकर विभाग भी सक्रिय हुआ।

हथकड़ियों में जकड़कर युवाओं को देश से निकालना मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन: बलबीर सिद्धू

एजेंसी ◄ एस.ए.एस. नगर
www.dailypioneer.com

पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने अमेरिका द्वारा निवार्सित भारतीय युवाओं को हथकड़ियों और बेड़ियों में जकड़कर भेजने की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन करार देते हुये कहा कि यह घटना मोदी सरकार की विदेश नीति की असफलता को पूरी तरह उजागर करती है। सिद्धू ने सोमवार को कहा कि सिख युवाओं की पगड़ी उतरवाकर उन्हें नंगे सिर वापस भेजना न केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि धार्मिक आस्था का भी अपमान है, जिससे सिख समाज आहत हुआ है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस मुद्दे पर चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह दर्शाता है कि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सामने बेबस हो चुके हैं, जिन्हें वह कभी अपना 'निजी मित्र' कहकर गर्व महसूस करते थे। उन्होंने यह भी कहा कि कोलंबिया जैसे छोटे-छोटे देश भी अपने नागरिकों के सम्मान की रक्षा के लिये अमेरिका के खिलाफ खड़े हुये और अमेरिकी सैन्य विमानों को उतरने से मना कर दिया। इसके बजाय, उन्होंने खुद विमान भेजकर अपने युवाओं को सम्मानपूर्वक वापस लाने का कदम उठाया। लेकिन इसके विपरीत, मोदी सरकार ने भारतीय नागरिकों की वापसी के लिए अमृतसर हवाई अड्डे को चुनकर जानबूझकर पंजाब को बदनाम करने की साजिश रची है। उन्होंने पंजाब सरकार से तुरंत केंद्र सरकार के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराने की मांग की ताकि पंजाब को और अधिक बदनाम होने से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार को जबरन वापस भेजे गये युवाओं के पुनर्वास की दिशा में प्रयास करने चाहिये ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें। आप सरकार पर निशाना साधते हुये सिद्धू ने कहा कि 'आप' के सत्ता में आने के बाद से ही ट्रैवल एजेंटों द्वारा भोले-भाले युवाओं को गलत तरीकों से विदेश भेजने का धंधा बड़े स्तर पर शुरू हो गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस अवैध धंधे में आम आदमी पार्टी के कई नेता और कुछ पसंदीदा अधिकारी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह घटनायें आप के उस झूठे वादे को भी उजागर कर रही हैं, जिसमें कहा गया था कि वे पंजाब के युवाओं को नौकरियां देंगे।

मंडल कारा दरभंगा में बंदी दरबार का आयोजन

एजेंसी ◄ दरभंगा
www.dailypioneer.com

बिहार में दरभंगा के जिला पदाधिकारी राजीव रौशन की अध्यक्षता में मंडल कारा दरभंगा में बंदी दरबार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार दरभंगा के सचिव रंजन देव, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर (1) अमित कुमार, मंडल कारा दरभंगा के अधीक्षक स्नेह लता, उपाधीक्षक मंडल कारा दरभंगा,चिकित्सा पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बंदी दरबार में जिला पदाधिकारी के समक्ष बंदियों ने बारी-बारी से अपनी एवं अपने परिवार से संबंधित समस्याएँ लिखित रूप में प्रस्तुत की। जिला पदाधिकारी ने बंदियों के समस्याओं का समाधान किया। बंदी दरबार में शिक्षा एवं स्वरोजगार पर चर्चा एनआईओएस (राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान) के माध्यमी से उत्तीर्ण 10वीं एवं 12वीं परीक्षा में सफल होने वाले बंदियों को प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान किए गए। एक बंदी ने अपनी समस्या बताते हुए कहा कि 10वी और 12वी के बाद उच्च शिक्षा जारी रखने के लिए जेल में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की स्थापना की जाए। इस पर जिला पदाधिकारी ने अधीक्षक मंडल कारा, दरभंगा को निर्देश दिया कि इग्नू की स्थापना के लिए समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्यवाही करे। इस अवसर पर महिला बंदियों के लिए डॉ.भीमराव अंबेडकर योजना के तहत 30 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। नाबार्ड के सहयोग से एवं उपहार अनमोल सेवा फाउंडेशन के सौजन्य से 10 दिवसीय प्लंबिंग एवं स्वच्छता कार्य प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। स्वास्थ्य,स्वच्छता एवं बुनियादी सुविधाओं पर चर्चाकी गई, साथ ही जिला पदाधिकारी ने जेल में स्वास्थ्य,सफाई एवं शिक्षा से संबंधित मुद्दों पर विशेष चर्चा की। उन्होंने चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि जेल में बंदियों को नियमित स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।

जंजुआ ने पारदर्शिता, जवाबदेही अधिनियम के सख्त क्रियान्वयन के दिये निर्देश

एजेंसी ◄ जालंधर
www.dailypioneer.com

पंजाब राज्य पारदर्शिता एवं जवाबदेही आयोग के मुख्य आयुक्त विजय कुमार जंजुआ ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को पंजाब पारदर्शिता एवं जवाबदेही अधिनियम, 2018 का अक्षरशः उचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जिला प्रशासनिक परिसर जालंधर में एक बैठक की अध्यक्षता करते हुये जंजुआ ने जोर देकर कहा कि यह अधिनियम सार्वजनिक सेवाओं के समय पर और परेशानी मुक्त वितरण की गारंटी के लिये बनाया गया है। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा से परे किसी भी देरी पर प्रति मामले 10,000 रुपये तक का जुर्माना लगेगा। अधिनियम विभिन्न सेवाओं के लिये एक स्पष्ट समय सीमा प्रदान करता है, जिससे नागरिकों को अनुचित देरी के मामले में अपील करने की अनुमति मिलती है। उन्होंने सार्वजनिक सेवा वितरण में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में आयोग की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, पंजाब सरकार नागरिक सेवाओं को कुशल और पारदर्शी बनाने के लिये प्रतिबद्ध है, और कार्यान्वयन में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जायेगी। इस दौरान उपायुक्त डॉ अग्रवाल ने जालंधर प्रशासन द्वारा सेवा वितरण को सुचारु बनाने के प्रयासों के बारे में मुख्य आयुक्त को जानकारी दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिला अधिनियम के प्रावधानों को बनाये रखने के लिये प्रतिबद्ध है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि समय पर नागरिक सेवा वितरण के लिये जालंधर ने पंजाब में शीर्ष स्थान हासिल किया है, जो प्रशासन के सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाता है। विशेष रूप से, अधिनियम का उद्देश्य राज्य भर में सार्वजनिक सेवाओं में शासन की दक्षता को बढ़ाना और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

अवैध नियुक्तियों के सिलसिले में पूर्व आईएफएस अधिकारी बेलवाल के विरुद्ध मामला दर्ज

भोपाल। मध्यप्रदेश के आजीविका मिशन में अवैध नियुक्तियों के संबंध में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने इस संबंध में प्राप्त शिकायतों और अदालत के दिशानिर्देशों के अनुरूप राज्य रोजगार गारंटी परिषद के तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी ललित मोहन बेलवाल के खिलाफ प्रारंभिक जांच (पीई) पंजीबद्ध कर ली है। ईओडब्ल्यू के अनुसार स्थानीय निवासी राजेश कुमार मिश्रा द्वारा ईओडब्ल्यू में प्रेषित शिकायत आवेदन, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं सीजेएम भोपाल से प्राप्त आवेदन पत्रों और निर्देशों के तारतम्य में शिकायतकर्ता द्वारा आरोपों के समर्थन में प्रस्तुत विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर ईओडब्ल्यू ने पूर्व आईएफएस अधिकारी एवं तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मध्यप्रदेश राज्य आजीविका मिशन के विरुद्ध प्रारंभिक जांच पंजीबद्ध की गयी है। नेहा मारव्या, तत्कालीन अपर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद की जांच के आधार पर तैयार की गयी है। नेहा मारव्या द्वारा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव को आठ जून 2022 को प्रेषित जांच प्रतिवेदन के अवलोकन और विस्तृत परीक्षण उपरांत यह पाया गया कि तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी ललित मोहन बेलवाल द्वारा प्रतिनियुक्ति के समय वर्ष 2015 से 2023 के बीच अपने पद का दुरुपयोग करते हुये राज्य परियोजना प्रबंधक के पदों पर सलाहकारों की अवैध नियुक्तियां की गईं। बेलवाल द्वारा सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विभाग के निर्देशों को दरकिनार करते हुये एवं संबंधित नस्तियों में छेड़छाड़ करते हुये तत्कालीन विभागीय मंत्री की आपत्तियों को भी नजरअंदाज करते हुये यह नियुक्तियां की गईं। मारव्या की विस्तृत जांच रिपोर्ट में यह पाया गया कि जिस मानव संसाधन मार्गदर्शिका के नियमों के आधार पर स्वीकृत पदों के विरुद्ध बेलवाल द्वारा नियुक्तियां की गई हैं, वह मानव संसाधन मार्गदर्शिका तब अस्तित्व में नहीं थी। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि अवैधानिक नियुक्तियों के साथ-साथ अन्य संवर्गों में लागू जीवन यापन लागत सूचकांक को बेलवाल द्वारा नजरअंदाज करते हुये इन अवैध नियुक्तियों के मानदेयों में 40 प्रतिशत तक की असम्यक बढ़ोत्तरी की गई। आरोप है कि बेलवाल द्वारा अपने पद का दुरुपयोग करते हुये बिना अर्हता के सुषमारानी शुक्ला और उनके परिवार के सदस्यों देवेन्द्र मिश्रा, अंजू शुक्ला, मुकेश गौतम, ओमकार शुक्ला एवं आकांक्षा पाण्डे की नियुक्तयां मिशन के विभिन्न पदों पर की गईं। यह भी आरोप है कि बेलवाल द्वारा अवैधानिक तरीके से बिना शासन एवं वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के कम्युनिटी बेस्ड माइक्रो इंश्योरेश बीमा योजना के अंतर्गत, बीमा कराने के नाम पर 81,647 महिलाओं से प्रति महिला 300 रुपये प्राप्त कर किसी भी तरीके की बिना बीमा पॉलिसी दिये।

अपहरण और बलात्कार मामले में दोषी युवक को सजा

पटना। बिहार में पटना की एक सत्र अदालत ने अपहरण और बलात्कार के मामले में दोषी युवक को 12 वर्षों के सश्रम कारावास के साथ ही दो लाख पैंतालीस हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। पटना के जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश (प्रथम) संगम सिंह ने मामले में सुनवाई के बाद पटना जिले के जानीपुर थाना क्षेत्र स्थित गाजीचक मोहम्मदपुर मुहल्ला निवासी नीपू कुमार को भारतीय दंड विधान तथा सूचना एवं तकनीक अधिनियम की अलग-अलग धाराओं में दोषी करार देने के बाद यह सजा सुनाई है। जुर्माने की राशि अदा नहीं करने पर दोषी को तीन वर्ष छह माह के कारावास की सजा अलग से भुगतनी होगी। मामले के अपर लोक अभियोजक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि दोषी ने 08 जनवरी 2024 को जानीपुर थाना क्षेत्र में एक युवती का अपहरण कर उसके साथ बलात्कार किया था। अभियोजन ने इस मामले में आरोप साबित करने के लिए छह गवाहों का बयान अदालत में कलमबंद करवाया था।

कुंभ को फालतू बताना तुष्टिकरण की राजनीति: मंगल पांडेय

पटना। बिहार के स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मंगल पांडेय ने कुंभ पर राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बयान को घोर आपत्तिजनक बताते हुए कहा है कि करोड़ों सनातनियों की आस्था के महापर्व कुंभ को फालतू बता कर उन्होंने तुष्टिकरण की राजनीति करने की कोशिश की है। पांडेय ने कहा कि बिहार की राजनीति में अप्रासंगिक हो चुके यादव सनातन का विरोध कर एक खास वर्ग के वोटर को साधना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल श्रीराम जन्म भूमि, अयोध्या में हुए श्रीराम प्रतिमा प्रतिष्ठापन समारोह का बहिष्कार एवं उसके पहले मानस की चौपाइयों की आलोचना से राजद की सनातन विरोधी मानसिकता का पर्दाफाश हो चुका है। कांग्रेस से गलबहियां करने वाला राजद,कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तरह ही कुंभ का विरोध कर करोड़ों सनातनियों की भावना को आहत कर रहे है। ये लोग धार्मिक उन्माद की राजनीति करते रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि आगामी बिहार विधान सभा चुनाव में अपनी दाल गलती नहीं देख राजद सुप्रीमो अनाप-शनाप बयान दे कर सुर्खियां बटोरना चाहते हैं, मगर बिहार की जनता वर्षों पहले से उन्हें खारिज कर चुकी है।

पूर्व सैनिकों के लिये डिफेंस सिक्योरटी कोर भर्ती रैली तीन मार्च को झारखंड में

एजेंसी ◄ जालंधर
www.dailypioneer.com

पंजाब रेजिमेंटल सेंटर के नियमित और प्रादेशिक सेना (टीए) (102 टीए 150 टीए 156 टीए) के पूर्व सैनिकों की सिपाही (जनरल ड्यूटी) और सिपाही (क्लर्क स्टाफ ड्यूटी) के रूप में डिफेंस सिक्योरटी कोर (डीएससी) में भर्ती होने के लिए पंजाब रेजिमेंटल सेंटर द्वारा रामगढ कैंट झारखण्ड में तीन मार्च 2025 को भर्ती रैली आयोजित की जा रही है। सेना द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि भर्ती के लिये आवेदक की मेडिकल कैटेगिरी शेप-1 होने के साथ-साथ उसका चरित्र बहुत अच्छा/श्रेष्ठ होना चाहिये। आवेदक की आयु जनरल ड्यूटी के लिये 46 साल और क्लर्क के लिए 48 साल से कम होनी चाहिये और पूर्व सेवा से सेवामुक्ति और पुनः नामांकन के बीच का अंतर सामान्य ड्यूटी के लिये दो वर्ष और लिपिक के लिए पांच वर्ष होना चाहिये। आवेदक की शैक्षिक योग्यता 10वीं पास होनी चाहिये या 10वीं से कम योग्यता वाले के पास आर्मी-3 क्लास सर्टिफिकेट ऑफ एजुकेशन होना चाहिए। आवेदक की सर्विस के अंतिम तीन साल के दौरान कोई भी रैड इंक एंट्री और पूरी सर्विस के दौरान दो से ज्यादा रैड इंक एंट्री नहीं होनी चाहिये।

भाजपा ने जननायक कर्पूरी ठाकुर को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी ◄ पटना
www.dailypioneer.com

बिहार भारतीय जनता पार्टी नेताओं ने भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर को उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जननायक कर्पूरी ठाकुर की 37वीं पुण्यतिथि पर यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यालय मंत्री डॉ. प्रवीण राय पटेल ने कहा कि स्व. कर्पूरी ठाकुर सामाजिक न्याय के प्रतीक थे और उनका जीवन सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा। उन्होंने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने को उनके समाज सुधार कार्यों की ऐतिहासिक मान्यता करार दिया। मुख्यालय प्रभारी अरविंद शर्मा ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर ने सदैव समाज के वंचित तबके के उत्थान के लिए कार्य किया। उनका विचार हमें समतामूलक समाज की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस मौके पर शिवनारायण महतो, डॉ. प्रवीण राय पटेल, अरविंद शर्मा, ज्ञान प्रकाश ओझा, संतोष पाठक, राजीव रंजन, सुरेंद्र तिवारी, रूपनारायण मेहता, आनंद पाठक, मुकेश शास्त्री, पुरुषोत्तम जैन समेत भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केंद्रीय बजट की आलोचना करने वाला इंडिया ब्लॉक 'ब्लैक होल' में चला गया: भूपेंद्र

एजेंसी ◄ पटना
www.dailypioneer.com

केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के नेता भूपेंद्र यादव ने विपक्षियों पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्रीय बजट की आलोचना करने वाला इंडिया ब्लॉक 'ब्लैक होल' (अस्तित्व मिटना) में चला गया है। यादव ने बिहार भाजपा और बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (बीआईए) द्वारा केंद्रीय बजट पर आयोजित परिचर्चा के दौरान बीआईए के सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, यदि विपक्ष को बजट में कुछ भी सकारात्मक नहीं दिखता तो जनता भी उन्हें अनदेखा करेगी। उन्होंने इंडिया गठबंधन की नकारात्मक प्रतिक्रिया पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इंडिया ब्लॉक 'ब्लैक होल' में चला गया है। केंद्रीय मंत्री ने हाल ही में पेश केंद्रीय बजट 2025-26 को ऐतिहासिक करार दिया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बजट वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

उन्होंने कहा कि इस बजट में किसान अन्न धन योजना के तहत कम उपज वाले जिलों पर ध्यान दिया गया है। साथ ही एमएसएमई क्षेत्र के विशेष विकास की योजनाएं भी इसमें शामिल की गई हैं। देश में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए 200 जिलों में डे-केयर कैंसर अस्पताल खोलने की योजना बनाई गई है, जिसे अगले तीन वर्षों में देशभर में विस्तारित किया जाएगा। यादव ने कहा कि सरकार भविष्य की तकनीकों और चिकित्सा क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए देश के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में 6500 नई सीटें जोड़ रही है। चिकित्सा के यूजी और पीजी स्तर पर 10 हजार नई सीटें बढ़ाई जाएंगी जबकि अगले पांच वर्षों में 75 हजार अतिरिक्त सीटें जोड़ी जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह दर्शाता है कि मोदी सरकार दीर्घकालिक दृष्टि के साथ कार्य कर रही है।

ट्रैवलर मिनी ट्रक से टकराया, एक की मौत एक दर्जन से अधिक घायल

कटनी। मध्यप्रदेश के कटनी जिले के माधवनगर थाना क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जा रहा एक ट्रैवलर वाहन मिनी ट्रक से टकरा गया। दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गयी और एक दर्जन से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना की सूचना मिलते ही तत्काल माधव नगर पुलिस एवं यातायात पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई। घायलों को कटनी जिला अस्पताल में भिजवाया गया। कर्नाटक से प्रयागराज की ओर ट्रैवलर से जा रहे सभी श्रद्धालु एक ही परिवार के थे। परिवार के सदस्यों से भरी ट्रेवलर झिंझरी चौकी अंतर्गत पीरबाबा के आगे एक ढाबा के पास विपरीत दिशा से आ रहे भूसे से भरे 407 वाहन से टकरा गयी।

मान ने राज्य से खाद्यान्न भंडारों की निकासी, आवाजाही में तेजी लाने के दिए निर्देश

एजेंसी ◄ चंडीगढ़
www.dailypioneer.com

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को राज्य से खाद्यान्न भंडारों की निकासी, आवागमन की प्रक्रिया में और तेजी लाने के लिए कहा ताकि आने वाले सीजन में खाद्यान्नों के भंडारण की कोई समस्या न आए और अनाज की खरीद सुचारू और परेशानी मुक्त तरीके से हो सके। मुख्यमंत्री ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि पिछले सीजन के दौरान भंडारण स्थान की लगातार कमी के कारण मंडियों से अनाज की खरीद एवं उठाव पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आने वाले कुछ महीनों में राज्य में 60 लाख टन अनाज के भंडारण के लिए नए कवर्ड गोदाम बनाने की प्रक्रिया में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए अनाज का उत्पादन करता है और राज्य सरकार का कर्तव्य है कि खरीद सीजन के दौरान राज्य के किसानों को अपना अनाज बेचने में कोई समस्या न आए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि किसानों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए पर्याप्त भंडारण स्थान बनाया जाए। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार से बार-बार अनुरोध किया जा रहा है कि वह राज्य से गेहूं और चावल की अधिक से अधिक आवाजाही करे, ताकि चालू खरीफ विपणन सीजन के चावल के साथ-साथ आगामी रबी विपणन सीजन (आरएमएस) 2025-26 के दौरान गेहूं के लिए पर्याप्त भंडारण स्थान उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि खरीफविपणन सीजन 2024-25 के दौरान राज्य में 171.86 लाख टन धान का भंडारण किया गया, जिसमें से 116.30 लाख टन चावल की आपूर्ति की जानी है। अब तक 33.74 लाख टन (29.02 प्रतिशत) चावल की आपूर्ति की जा चुकी है और शेष 82.53 लाख टन चावल की डिलीवरी 31 मार्च, 2025 तक की जानी है। मान ने कहा कि फरवरी महीने के लिए राज्य ने 1635 चावल स्पेशल की मांग की थी, लेकिन एफसीआई ने फरवरी महीने के लिए केवल 197 चावल स्पेशल की योजना बनाई है और अब तक केवल 109 चावल स्पेशल प्रदान किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में इन मुद्दों को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया जाएगा ताकि देश के व्यापक हित में इनका जल्द से जल्द समाधान किया जा सके। इस दौरान उन्होंने कहा कि अमृतसर, तरनतारन, पटियाला और मोगा जिलों में ही जगह की कमी की पहचान की गई है और जिला अधिकारियों/फील्ड स्टाफ द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था/आकस्मिक योजनाओं के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

बठिंडा हत्याकांड: पुलिस ने ओवरसियर सिंह के दो साथियों को गिरफ्तार किया, दो पिस्तौल बरामद

एजेंसी ◄ चंडीगढ़
www.dailypioneer.com

पंजाब में सनसनीखेज बठिंडा हत्याकांड की जांच को आगे बढ़ाते हुये, पंजाब एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स ने बठिंडा पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में मृतक अपराधी ओवरसियर सिंह उर्फ सतिंदर सिंह उर्फ सत्ती के दो साथियों को क्रॉस-एफआईआर में गिरफ्तार किया है और दो पिस्तौल बरामद की हैं। पुलिस महानिदेशक पंजाब गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से .32 बोर की पिस्तौल और पांच कारतूस बरामद किये गये हैं। गिरफ्तार किये गये लोगों की पहचान बठिंडा के गांव बुर्ज गिल निवासी लखविंदर सिंह गिल और बठिंडा के गांव भाई रूपा निवासी अवतार सिंह उर्फ ढिल्लों के रूप में हुई है। यह घटनाक्रम पंजाब पुलिस द्वारा ओवरसियर सिंह उर्फ सतिंदर सिंह उर्फ सत्ती की सनसनीखेज हत्या में शामिल होने के आरोप में गुरप्रीत सेखों गिरोह के चार साथियों को गिरफ्तार करने और उनके कब्जे से एक .32 बोर की पिस्तौल और छह कारतूस बरामद करने के दो दिन बाद हुआ है। यादव ने बताया कि बठिंडा के भाई रूपा निवासी हिस्ट्रीशीटर ओवरसियर सिंह की उनके पैतृक गांव में उनके पड़ोसी ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस साल पांच फरवरी को सुबह करीब चार बजे निजी रंजिश के कारण गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास रहा है और उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले में आगे और पीछे के संबंधों को स्थापित करने के लिये आगे की जांच जारी है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) एजीटीएफप्रमोद बान ने बताया कि मामले में आगे की जांच के दौरान गिरफ्तार किये गये दो व्यक्तियों की भूमिका सामने आई और पुलिस टीमों ने दोनों को बठिंडा के गांव भाई रूपा से गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किये गये आरोपी लखविंदर गिल और अवतार सिंह उर्फ ढिल्लों मृतक ओवरसियर सिंह के साथी हैं और उन्होंने दूसरे पक्ष पर गोलियां चलाई थीं। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों को क्रॉस एफआईआर मामले में गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में बठिंडा के पुलिस स्टेशन फूल में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 125 और 351 (2) और आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत पांच फरवरी 2025 को मामला दर्ज किया गया था।

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ नगर पालिका की कार्रवाई

पायनियर संवाददाता ➤ कोंडागांव
www.dailypioneer.com

कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में नगर पालिका परिषद के राजस्व एवं स्वच्छता कर्मचारियों ने सिंगल यूज प्लास्टिक बैन अभियान चलाते हुए नगर के मटन मार्केट एवं साप्ताहिक बाजार क्षेत्र में प्लास्टिक प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की। अभियान के दौरान 17 लोगों से कुल 2800 रुपये का जुर्माना वसूला गया। गौरतलब है कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 1 जुलाई 2022 से कतिपय सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादों के निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, विक्रय एवं उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। समय-समय पर चलाए जा रहे इस प्रकार के अभियानों का असर दिखने लगा है और कुछ दुकानदारों ने जागरूकता दिखाते हुए कम्पोस्टेबल प्लास्टिक बैग्स का उपयोग शुरू कर दिया है।

प्रतिबंधित प्लास्टिक उत्पाद

प्लास्टिक स्टिक युक्त ईयर बड्स, गुब्बारों की डंडियां, प्लास्टिक के झंडे, कैंडी स्टिक, आइसक्रीम स्टिक, एवं थर्माकोल की सजावटी सामग्री, प्लेट, कप, गिलास, कांटे, चम्मच, चाकू, स्ट्रॉ, ट्रे जैसे कटलरी आइटम्स। सिगरेट पैकेट पर लपेटने वाली प्लास्टिक फिल्म के साथ 100 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक या पीवीसी बैनर एवं स्टीकर शामिल है। नगर पालिका ने नागरिकों से अपील की है कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दें। यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन मतदान केन्द्रों का सघन निरीक्षण किया

पायनियर संवाददाता ➤ कोंडागांव
www.dailypioneer.com

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन-2025 अंतर्गत प्रथम चरण में जिले के कोंडागांव जनपद में मतदान के साथ पंचायत चुनाव का शुभारंभ हो गया है। पहले चरण के मतदान में जिले के कोंडागांव जनपद अंतर्गत दूरस्थ अंचलों में मतदान को लेकर ग्रामीण मतदाताओं में, विशेषकर महिलाओं और युवा मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कई गांवों के मतदान केन्द्रों में ग्रामीणों की लंबी कतार देखने को मिली।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुणाल दुदावत ने पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार के साथ जिले के संवेदनशील मर्दापाल क्षेत्र के दूरस्थ गांवो का दौरा कर विभिन्न मतदान केद्रों का निरीक्षण किया और सभी आवश्यक व्यवस्थाओं सहित सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मर्दापाल, हसलनार, पदनार, पुसपाल, जोड़ेंगा तथा बनियागांव के मतदान केंद्रों में पहुंचकर मतदान की प्रगति की जानकारी ली और निर्वाचन कार्य में संलग्न कर्मचारियों को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने युवा मतदाताओं से चर्चा कर उनके पहले मतदान के अनुभवों को जाना और ग्रामीणों से शत-प्रतिशत मतदान की अपील की। उल्लेखनीय है कि त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के द्वितीय चरण में जिले के जनपद पंचायत फरसगांव और माकड़ी में मतदान 20 फरवरी को निधारित है।

किरन्दुल वार्ड क्रमांक 05 में पार्षद चुनी गई यशोदा, लोगों से मिलकर जताया आभार

पायनियर संवाददाता ➤ किरन्दुल
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव 2025 के परिणाम 15 फरवरी को घोषित की गई। जिसमें भाजपा की अध्यक्ष प्रत्याशी रूबी शैलेंद्र सिंह ने पालिकाध्यक्ष की कुर्सी अपने नाम किया। वहीं वार्डों में भाजपा को 05 व कांग्रेस को 05 पार्षद विजयी रहें वहीं सीपीआई के 04 पार्षद चुने गए। इस चुनाव में 04 निर्दलीय पार्षद प्रत्याशियों ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। किरन्दुल नगरपालिका वार्ड क्रमांक 05 एससी महिला के लिए आरक्षित थीं जिसमें भाजपा की प्रत्याशी यशोदा चुन्नम ने जीत हासिल की हैं। यशोदा ने अपने सीपीआई के निकटतम प्रतिद्वंद्वी से 82 मतों के अंतर से विजयी होकर पार्षद चुनी गई। जीत के पश्चात यशोदा ने घर-घर जाकर वार्डवासियों का धन्यवाद ज्ञापित कर आभार व्यक्त किया एवं वार्ड के विकास में कार्य करने की बात कहीं। इस अवसर पर विभिन्न जगहों में नव निर्वाचित पार्षद यशोदा का पुष्पमाला से स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय सह साधन प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में जिले के 5185 छात्र हुए शामिल

पायनियर संवाददाता ➤ कांकेर
www.dailypioneer.com

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सह-साधन प्रवीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में जिले से रिकार्ड 5185 छात्रो ने परीक्षा में शामिल हुए। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देश पर जिले में अध्ययनरत कक्षा 8वीं के छात्रों से परीक्षा फार्म भरवाया गया था। इन छात्रों को माह अगस्त 2024 से ही परीक्षा की तैयारी कराई जा रही थी , इसके लिए जिला प्रशासन ने प्रारंभ से ही प्रधानाध्यापकों की बैठक सह प्रशिक्षण का आयोजन किया था। प्रशिक्षण में एनएमएमएसई परीक्षा के गाईडलाईन की जानकारी दी गई जिसके अनुसार जिले में अध्ययनरत एवं अर्हताधारी कुल 5225 छात्र पंजीकृत हुए जिनमें से 5185 बच्चों ने परीक्षा दी, इनमें से केवल 40 छात्र अनुपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि छात्रवृत्ति परीक्षा हेतु छात्रों की संख्या को ध्यान में रखते हुए जिले में कुल 15 परीक्षा केन्द्र बनाया गया था। उन्होंने बताया बताया कि विकासखंड अंतागढ़ में पंजीकृत 502 एवं उपस्थित 496, भानुप्रतापपुर 690 पंजीकृत उपस्थित 681, चारामा में पंजीकृत 919 एवं उपस्थित 913, दुर्गुकोंदल में पंजीकृत 676 एवं उपस्थित 674, कांकेर 745 पंजीकृत एवं 732, कोयलीबेडा पंजीकृत 793 उपस्थित 793, नरहरपुर पंजीकृत 900 उपस्थित 896 विद्यार्थी रहे। एनएमएमएसई परीक्षा हेतु केवल वही छात्र भाग ले सकता है जो शासकीय विद्यालय में पढाई कर रहा हो तथा जिसके पालक की आय 2.50 लाख से अधिक ना हो। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक अगामी 4 वर्षों तक प्रति माह एक हजार रूपये छात्रवृत्ति प्राप्त होता है अर्थात एक वर्ष में 12 हजार तथा 4 वर्ष में 48 हजार का लाभ प्राप्त होता है। विगत 2023 में जिले से 135 छात्र व 2024 में 526 छात्र उत्तीर्ण हुए है। छात्रवृत्ति प्राप्त होने से यह बच्चे आगामी वर्षों में हायर सेकंडरी तक अपने पढ़ाई का खर्च भी वहन हो जाता है साथ ही उन्हें प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु सहयोग भी प्राप्त हो जाता है। यह परीक्षा भारत सरकार द्वारा आयोजित किया जाता है जिसे पूर्व में एससीईआरटी परीक्षा आयोजित करती थी किन्तु इस सत्र से माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित किया जा रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग ने सत्र प्रारंभ होने के साथ ही प्रधानाध्यापकों की बैठक आयोजित कर बच्चों को ओएमआर शीट के माध्यम से परीक्षा की जानकारी देने तथा सम्पूर्ण साल भर प्रैक्टिस करने के निर्देश दिये थे।

78 वर्षीय ज्यमति नाईक ने गंगालूर मतदान केन्द्र में किया मतदान

लोकतंत्र में अपनी सहभागिता देकर खुशी जाहिर की

पायनियर संवाददाता ➤ बीजापुर
www.dailypioneer.com

स्थानीय चुनाव में ग्रामीणों में काफी उत्साह देखने को मिला जिले के सुदूर क्षेत्र गंगालूर में 78 वर्षीय ज्यमति नाईक ने अपना वोट देकर सशक्त और मजबूत लोकतंत्र के स्थापना ने अपनी सहभागिता देते हुऐ खुशी जाहिर की। मंगली हेमला ने अपने दुधमुहे बच्चे को गोदी में लेकर पहुंची मतदान केन्द्र- गंगालूर के मतदान केन्द्र में गंगालूर निवासी मंगली ने अपने दुधमुहे बच्चे को गोदी में उठाकर वोट डालने पहुंची। मतदान कर लोकतंत्र के महापर्व में सहभागिता की। इसी तरह बुधरी पुनेम सहित अन्य मातृशक्तियों ने भी अपने बच्चों के साथ मतदान केन्द्र पहुंचकर अपनी जिम्मेदारी निभाई।

बीजापुर के सुदूर अंचलों में मतदान को लेकर उत्साह, नवीन मतदाता पहली बार मतदान कर खुशी जाहिर किए

बीजापुर। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के प्रथम चरण में बीजापुर जनपद पंचायत में मतदान सम्पन्न हुआ। मतदाताओं में मतदान को लेकर गजब का उत्साह देखने को मिला गंगालूर, रेड्डी, पुसनार, चेरपाल पालनार जैसे सुदूर क्षेत्रों में पहुंचकर लंबी कतार में खड़ा होकर लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान किया। पुसनार केन्द्र में मतदान करने पहुंचे नवीन मतदाता श्वेता झाड़ी एवं मंजू गायता ने बताया कि पहली बार मतदान किए मतदान करके स्वयं पर गर्व महसूस करते हुए कहा कि अब हम भी लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होकर अपना प्रतिनिधि चुन रहे इसी सभी मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान कर अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

जनसहयोग समाजसेवी संस्था के अजय पप्पू मोटवानी द्वारा 150 वीं लावारिस लाश का किया अंतिम क्रियाकर्म

काँकेर। शहर तथा जि़ले की सुप्रसिद्ध समाजसेवी संस्था जन सहयोग द्वारा 15 फरवरी को एक और लावारिस शव का अंतिम संस्कार पुलिस विभाग की अपील पर किया गया। इस प्रकार जनसहयोग समाजसेवी संस्था द्वारा अब तक 150 लावारिस लाशों का क्रियाकर्म विगत कुछ वर्षो में किया गया है। पुलिस विभाग के पत्र अनुसार घटना इस प्रकार है कि 13 फरवरी को काँकेर थाना में सूचना प्राप्त हुई कि सिंगार भाट के पास से बहने वाली हटकुल नदी में किसी अज्ञात व्यक्ति का शव दिखाई दे रहा है। पुलिस ने लाश को अस्पताल लाकर बाक़ायदा पोस्टमार्टम करवाया । उसका कोई वारिस न होने के कारण लाश क्लेम करने भी कोई नहीं आया। ऐसी स्थिति में थाना प्रभारी द्वारा पत्र लिखकर जन सहयोग समाजसेवी संगठन के अध्यक्ष व पूर्व पार्षद राजापारा अजय मोटवानी उर्फ पप्पू मोटवानी से शव के कफ़न दफ़न की अपील की गई।

बीजेपी की प्रचण्ड विजय के पश्चात किरन्दुल में विजय रैली निकालकर जनता का आभार व्यक्त किया

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

लौहनगरी किरन्दुल नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की भव्य एवं ऐतिहासिक जीत के बाद नवनिर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिँह, पार्षद राजकुमार सोनी, लक्ष्मी, देवकी, यशोदा, थॉमस बाबू एवं समस्त भाजपा परिवार द्वारा रविवार शाम 05:30 बजे नगर की जनता का आभार व्यक्त करने हेतु भव्य विजय जुलूस निकाला गया। लौहनगरी की जनता द्वारा जगह जगह पुष्पवर्षा, आरती, गुलाल एवं मिष्ठान द्वारा स्वागत किया गया एवं जमकर आतिशबाजी की गई। बीजेपी के नेता सत्यजीत सिंह चौहान एवं मंडल अध्यक्ष किरंदुल विजय सोढ़ी के मार्गदर्शन में संजू दास, दीनानाथ, जयदीप माकन,आर सी नाहक, शैलेन्द्र सिँह, खदान मजदूर संघ शाखा किरंदुल के अध्यक्ष बी दिल्ली राव, सचिव महेंद्र कुमार, राजेंद्र यादव सहित भारतीय जनता पार्टी, भाजयुमो, महिला मोर्चा के पदाधिकारी, सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में मातृशक्तियाँ उपस्थित थे।

प्रदेश की सबसे बड़ी नगर पालिका में भाजपा की ऐतिहासिक जीत

उपाध्यक्ष भाजपा छत्तीसगढ़ शिवरतन शर्मा एवं नवनिर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा का फल व लड्डू से तोलकर किया सम्मान

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

नगरीय निकाय चुनाव 2025 में भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक जीत मिली है। चुनावी नतीजे आने के बाद प्रदेश की सबसे बड़ी नगर पालिका भाटापारा में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने शानदार आभार रैली निकाली। रैली के दौरान पूरे शहर में उत्साह और जश्न का माहौल देखने को मिला। प्रचंड जीत की इस रैली में उपाध्यक्ष भाजपा छत्तीसगढ़ शिवरतन शर्मा, नवनिर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, जिलाध्यक्ष आनंद यादव, भाजपा के नवनिर्वाचित 24 पार्षद एवं 1 निर्दलीय पार्षद सहित भाजपा के कई पदाधिकारी और मंडल, मोर्चा, प्रकोष्ठ, पदाधिकारी शामिल हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया। आभार रैली के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों, व्यापारी, सामाजिक संगठनों ने शिवरतन शर्मा, नवनिर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा का फल, लडडू से तौलकर सम्मान किया गया। इस स्वागत समारोह ने जनता और कार्यकर्ताओं में उत्साह भर दिया। लोगों ने इसे भाजपा सरकार की नीतियों और विकास कार्यों का सम्मान बताया। शिवरतन शर्मा ने भाजपा की अभूतपूर्व सफलता पर खुशी जाहिर की। भाजपा उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने छत्तीसगढ़ नगर निकाय चुनाव 2025 के परिणामों पर कहा, पूरे छत्तीसगढ़ सहित भाटापारा की जीत के लिए सभी कार्यकर्ताओं और जनता को हम बधाई देते हैं। इसके लिए हम विष्णु देव साय की सरकार को श्रेय देते हैं। जनता ने जो विश्वास किया है उस पर भाजपा की स्थानीय सरकार खरी उतरेगी। शिवरतन शर्मा ने कहा भाजपा सरकार पर जनता का विश्वास और समर्थन निरंतर बढ़ रहा है। अब हम विकास को और तेज गति देंगे।

नवनिर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष ने जनता को दिया धन्यवाद

नवनिर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने भी जनता के अपार समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह जीत जनता की जीत है. यह जनादेश भाजपा की नीतियों और योजनाओं में लोगों के भरोसे का प्रमाण है। भाटापारा का सर्वांगीण विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और हम शहर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए पूरी ईमानदारी से कार्य करेंगे।

भाजपा की जीत का संदेश

भाटापारा में भाजपा की यह ऐतिहासिक जीत दर्शाती है कि जनता ने विकास और स्थिरता के लिए भाजपा को चुना है। सरकार की योजनाएं और नीतियां जमीनी स्तर पर असर दिखा रही हैं। जनता भाजपा सरकार की कार्यशैली से पूर्ण रूप से संतुष्ट नजर आ रही है।

ईश्वर तिवारी की तीर्थ यात्रा दृढ़ संकल्प का पायदान सरयू साहित्य ने किया आस्था की जीवटता का सम्मान

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

144वर्ष बाद आये दुर्लभ महाकुंभ मे आस्था की भव्यता के विविध आयामों के दर्शन हो रहें है,तथा देश ही नहीं समूची दुनियां इस दिव्य बेला मे भागीदार बनने को उत्सुक और उत्साही नजर आ रहा है,विलक्षण माहौल मे विविध तरह के विलक्षण एवं प्रेरणादायी घटनाओं की बानगी भी उपस्थित होती हुई प्रतीत हो रही है,महाकुंभ मय हुए समूचे वातावरण मे आस्था की दिव्यता भरपूर उभार पर नजर आ रही है,तथा जनमानस द्वारा महाकुंभ को समर्पित विभिन्न घटनाक्रम कहीं दृढ़ संकल्प की बानगी प्रस्तुत कर रहें है तो कहीं जीवटता का दिव्य संदेश भी प्रदान कर रहें है।

आस्था की जीवटता एवं दृढ़ संकल्प की बानगी

भाटापारा मे दृढ़ संकल्प की अभिव्यक्ति का ऐसा मंजर उभर कर सामने आया जिसने सहज ही आम जनमानस के मन को अभिनंदन के भाव से भर दिया, तथा युवा द्वारा एक दृढ़ संकल्प तथा जीवटता की प्रस्तुत की गयी अभिव्यक्ति आस्था की जीवटता के दिव्य संदेश के रुप मे अभिव्यक्त हो गयी, तथा प्रबल आस्थावान भाव के रुप मे उपरोक्त घटनाक्रम स्थापित हो गयी, एवं महाकुंभ मे परिलक्षित हो रहे विविध आयामों की कड़ी मे यह भी एक भव्य आयाम के रुप मे परिभाषित हो गयी।

बाईक से महाकुंभ सहित विविध तीर्थ यात्रा

भाटापारा हथनीपारा निवासी दिलीप तिवारी के सुपुत्र ईश्वर तिवारी द्वारा तीर्थ यात्रा के लिए प्रस्थान का जो माध्यम चुना गया वह सहज ही जीवटता एवं आस्था की भव्यता का संदेश दे गयी, ईश्वर तिवारी द्वारा अपने तीन अन्य साथियों के साथ बाईक द्वारा ही तीर्थ यात्रा का संकल्प लिया गया,एवं अयोध्या काशी प्रयागराज महाकुंभ सहित विभिन्न तीर्थों के दर्शन एवं यात्रा की गयी।

सरयू साहित्य परिषद ने किया सम्मान

दृढ़ संकल्प लेकर सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा संघर्षशील परिस्थिति मे संपादित करने पर नगर की रचनात्मक गतिविधियों मे निरंतर सक्रिय सरयू साहित्य परिषद द्वारा युवा ईश्वर तिवारी का यज्ञ स्थल मे सम्मान एवं अभिनंदन प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर किया गया, तथा परिषद द्वारा युवा की जीवट आस्था की सराहना करते हुए निरंतर धर्म संस्कृति की ओर उन्मुख रहने की शुभकामनाएं दी गयी, इस अवसर पर यज्ञाचार्य कन्हैयाधर दीवान,परिषद के अध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा, पं दुर्गा प्रसाद तिवारी,मुकेश शर्मा,हरिहर शर्मा दिलीप तिवारी दिनेश शर्मा आदि की प्रमुख रुप से उपस्थिति रही।

व्यापारियों की मांग, घड़ी चौक तोड़ा जाये

विचार-विमर्श के पश्चात होगा घड़ी चौक का डिस्मेंटल : रामू रोहरा

पायनियर संवाददाता ➤ धमतरी
www.dailypioneer.com

शहर में घड़ी चौक को हटाये जाने की मांग को लेकर व्यापारियों ने रोहरा से चर्चा की है। इनका कहना है कि वास्तुशास्त्र के हिसाब से घड़ी चौक विकास में बाधक बना हुआ है। इसे लेकर वे महापौर जगदीश रामू रोहरा से चर्चा भी की गई है जिन्होंने व्यापारियों की मांग को गंभीरता से लेते हुए इस पर पार्षदों से राय मशविरा कर इस कार्य को अमलीजामा पहनाये जाने की बात कही है। घड़ी चौक का निर्माण अब व्यर्थ माना जा रहा है। इसलिये यह बात व्यापारियों ने प्रमुखता से उठाई है। घड़ी चौक का निर्माण पूर्व वर्षों में आनन-फानन में कर दिया गया था। यहां जो घड़ी लगाई गई है वह अक्सर बंद रहती है। व्यापारियों का कहना है कि बंद घड़ी वास्तुशास्त्र के अनुसार काफी अशुभ मानी जाती है, इसीलिये शहर का विकास नहीं हो रहा है। इस संबंध में महापौर जगदीश रामू रोहरा से उनका पक्ष लिया गया तो उन्होंने इस संबंध में पार्षदों, वरिष्ठजनों से विचार-विमर्श के पश्चात इस पर निर्णय लिये जाने की बात कही है। यहां यह बताना जरूरी है कि घड़ी चौक से जगदलपुर, रायपुर, के यात्री इसी क्षेत्र से होकर गुजरते हैं। भारी यातायात के चलते यह घड़ी चौक जो कि वास्तव में तिराहा है, यातायात के दबाव को लेकर भी यह मांग उठ रही है। पिछले वर्ष इसी क्षेत्र में स्थित एक दुकान में भारी भरकम ट्रक सीधे दुकान में घुस गई थी। वह तो गनीमत रही कि उस वक्त दुकान बंद थी, नहीं तो बहुत बड़ा हादसा हो सकता था।

राजिम कुंभ कल्प मेला की भव्यता और व्यवस्थाओं की हो रही सराहना

पायनियर संवाददाता ➤ राजिम
www.dailypioneer.com

तीर्थ नगरी राजिम में 54 एकड़ में फैले कुंभ कल्प मेला की भव्यता और वहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं को लोग सराह रहे हैं। नए मेला मैदान में मुख्य मंच, सांस्कृतिक मंच, फूड जोन, मीना बाजार, पंचकोशी धाम की झांकी सहित विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। राजिम कुंभ कल्प में इस बार भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नया मेला मैदान चुना गया, जिससे ट्रैफिक जाम और अव्यवस्था की समस्या दूर हो गई। दर्शकों के लिए 5000 से अधिक कुर्सियां लगाई गई हैं, वहीं व्यापारियों को सस्ती दरों पर दुकानें आवंटित की गई हैं, जिससे छोटे व्यवसायियों में उत्साह है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा पूरे मेला क्षेत्र में पेयजल के लिए पाइपलाइन बिछाई गई, जिससे लोगों को पानी की कोई कमी नहीं हो रही है। वहीं 10 रुपए में भरपेट भोजन की सुविधा उपलब्ध है। महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित 53 दाल-भात सेंटर में गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। श्रद्धालु और व्यापारी राजिम कुंभ कल्प मेला में की गई व्यवस्थाओं को सराह रहे हैं।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव: पहले मतदान फिर किया बारात प्रस्थान

दूल्हे राजा ने मताधिकार का प्रयोग करने लोगों से की अपील

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

शादी एक सामाजिक दायित्व है और हर व्यक्ति के लिए अपने शादी क़ा दिन बहुत ही खास होता है। इस खास दिन में लोकतंत्र की मजबूती के लिए मताधिकार के प्रयोग को तरजीह देकर पहले मतदान करना और उसके बाद बारात के लिए निकलना उस दिन को और भी ख़ास बना देता है। जनपद पंचायत सिमगा अंतर्गत ग्राम करही निवासी विकासखंड सिमगा अंतर्गत ग्राम करही के गुलशन दास मानिकपुरी की मतदान के दिन 17 फ़रवरी 2025 को शादी थी। गुलशन ने मतदान के महत्व को समझते हुए लोकतंत्र में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने पहले मतदान कर अपना कर्तव्य निभाया उसके बाद बारात के लिए प्रस्थान किया। उन्होंने शासकीय प्राथमिक शाला करही पहुंचकर मतदान केंद्र क्रमांक 253 में मतदान किया। जनपद पंचायत भाटापारा के ग्राम देवरी में भी विवाह कार्यक्रम में व्यस्त रहते हुए भी दो वर हेम राम निषाद एवं हेमू राम निषाद ने मतदान किया। ग्राम देवरी निवासी हेम राम और हेमू राम दोनों सगे भाई हैं। मतदान के लिए नये वोटरों में भी उत्साह देखने को मिला सिमगा ब्लॉक के ग्राम लावर निवासी मोनिका ध्रुव ने बताया कि पहली बार मतदान करने आई है। मतदान करने पर बहुत ख़ुशी मिली। लोकतंत्र में मताधिकार सबसे बड़ा अधिकार है। आज इसका उपयोग कर गर्व महसूस हो रही है।

त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावः पुलिस ने धमतरी, कुरुद अनुभाग के थाना क्षेत्रों में निकाला गया पैदल फ्लेग मार्च

पायनियर संवाददाता ➤ धमतरी
www.dailypioneer.com

आगामी त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव 2025 में आदर्श आचार संहिता को मद्देनजर रखते हुए पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी कुरूद रागिनी मिश्रा एवं डीएसपी मीना साहू के नेतृत्व में धमतरी पुलिस की टीम द्वारा पेट्रोलिंग एवं पैदल फ्लेग मार्च निकाला गया। पैदल फ्लेग मार्च मगरलोड के कुछ चिन्हित ग्रामों में एवं धमतरी अनुभाग के दोनर तेलीनसत्ती ग्राम में पुलिस बल एवं क्यूआरटी टीम के साथ पैदल पेट्रोलिंग किया गया। आगामी त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव 2025 में आदर्श आचार संहिता के पालन करने सुरक्षा प्रबंध कर दिए गए है और जनता में विश्वास कायम करने और चुनावों को शांतिपूर्ण ढंग से कराने के उद्देश्य से फ्लैग मार्च निकाला गया है। पुलिस के इस फ्लैग मार्च से असामाजिक तत्वों में भय पैदा हो और आम जनता के मन में पुलिस के प्रति विश्वास की भावना जागृत होगा। पैदल फ्लेग मार्च में एसडीओपी कुरूद रागिनी मिश्रा, डीएसपी मीना साहू, थाना प्रभारी मगरलोड निरी राजेश जगत, उप निरी के आर साहू सहित क्यूआरटी टीम एवं पुलिस बलों की संयुक्त टीम बनाकर पेट्रोलिंग एवं फ्लैग मार्च किया गया।

महापौर एवं पार्षद लेंगे 22 को ऐतिहासिक गांधी चौक मैदान में शपथ

पायनियर संवाददाता ➤ धमतरी
www.dailypioneer.com

नगरीय निकाय चुनाव के तहत 15 फरवरी को निगम का चुनाव संपन्न हुआ जिसमें जगदीश रामू रोहरा को ऐतिहासिक जीत मिली। साथ ही 27 वार्डों में भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी पार्षदों ने भी जीत का परचम लहराया। संभवतः 22 फरवरी को महापौर का पदभार ग्रहण करने की जानकारी प्राप्त हुई है। शहर की समस्याओं से अच्छी तरह से वाकिफ रोहरा को लेकर कहा जा रहा है कि वे कांटों भरा ताज इस दिन पहनेंगे क्योंकि शहर में सिवाय समस्याओं के और कुछ नहीं है। उनके समक्ष गोकुलनगर, जीर्णशीर्ण सड़कों का जीर्णोद्धार, आम नागरिकों के मूलभूत समस्याओं के निराकरण का जिम्मा रहेगा और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जो रूद्री से निकलने वाला गंदा पानी नहरों में निकासी किया जाता है और वही पानी शहर धमतरी के लोग आज तक पीते आ रहे हैं, उसे दूर करने की सबसे बड़ी चुनौति होगी। निगम चुनाव के पूर्व शहर में व्याप्त समस्याओं से नवनिर्वाचित महापौर पूरी तरह से वाकिफ हैं, उन्हें बताने की जरूरत भी नहीं है। लेकिन शहरी सरकार से शहर की जनता को काफी आशाएं रहती है। आने वाले समय में पानी की किल्लत से भी शहर के नागरिकों को मुक्ति दिलाना है। ऐसे अनेक समस्याएं शहर में विद्यमान हैं। शहर की सड़कें भी जर्जर हो चुकी हैं। लावारिस मवेशी यातायात को बाधित करते हैं। उसकी भी उन्हें व्यवस्था करनी पड़ेगी और इसमें शहर विकास के लिये निर्वाचित पार्षदों को महापौर के साथ कदम से कदम मिलाकर साथ देना होगा। पिछले कुछ वर्षों से नगर निगम की खस्ता हालत, भ्रष्टाचार काफी सुर्खियों में रहा। यहां तक नगर निगम में कार्यरत कर्मचारियों को दो-दो माह की तनख्वाह भी नहीं मिली जिसके कारण उनमें खासी नाराजगी देखी गई। ऐसे अनेक खामियां हैं जिसे दूर करते हुए शहर को मॉडल शहर बनाने के लिये काफी मशक्कत करनी पड़ेगी। 22 फरवरी को जब वे पदभार संभालेंगे तो उनके समक्ष उपरोक्त समस्याओं के अलावा अन्य समस्याओं को दूर करने की जिम्मेदारी रहेगी। जैसा कि रोहरा ने चुनाव जीतने के बाद ही शहर के कुछ वार्डों में भ्रमण किया, वहां के कुछ नागरिकों से बात की जिससे ऐसा माना जा रहा है कि शहर की समस्याओं को दूर करने वे अहम रोल अदा करेंगे। शहरवासियों ने अपने प्रिय नेता को महापौर पद के चुनाव में अपना पूर्ण समर्थन दिया है। चूंकि रोहरा प्रदेश के मुख्यमंत्री के काफी करीब माने जाते हैं, उन्होंने पिछले दिनों अनेक ऐसे जनहित के कार्य किये हैं जिसमें कुरूद की चार वर्षीय बालिका से हुए हैवानियत के बाद बच्ची का उच्च स्तरीय ईलाज के लिये स्वास्थ्य मंत्री से चर्चा कर उसे ईलाज करवाया। चुनाव के दरम्यान जब वे प्रचार करने निकले थे तो उनके समक्ष दुर्घटना में घायल खून से लथपथ व्यक्ति को चुनाव प्रचार छोड़कर तत्काल अस्पताल भिजवाने सहित अनेक ऐसे कार्य किये हैं। उनके द्वारा निगम में भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देने का दावा भी किया जा रहा है। फंड की कमी को लेकर उनके द्वारा पिछले माह करोड़ों रूपये की राशि भी स्वीकृत कराई गई है जिसकी जानकारी शहरवासियों को है। अब उनके कार्यकाल में निगम में न तो फंड की कमी होगी, न भ्रष्टाचार होगा, सभी काम नियमानुसार संपादित होंगे। इसलिये शहरवासियों को उम्मीद है कि रोहरा ही शहर को उत्तरोत्तर प्रगति की ओर ले जा सकते हैं। इसके लिये वे पदभार संभालने के बाद कार्य करना प्रारंभ कर देंगे। शहरवासियों ने उन्हें नवनिर्वाचित महापौर की बधाई देते हुए उनसे काफी उम्मीदें जाहिर की है।

अंजू जैन का निधन

बलौदाबाजार। अशोक जैन अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार की धर्मपत्नी एवं अक्षय जैन की

माता अंजू जैन पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार का दुखद निधन 16/02/2025 रविवार को रात्रि 10.30 बजे हो गया है। जिनकी अंतिम यात्रा सोमवार को दोपहर 1 बजे निज निवास भाटापारा रोड बलौदाबाजार से मोक्ष धाम रायपुर रोड बलौदाबाजार मैं अंतिम संस्कार किया गया। बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित व्यापारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सरायपाली में खिला कमल, अध्यक्ष सहित 8 पार्षद हुए निर्वाचित, फटाके फुटे निकली विजयी जुलूस

पायनियर संवाददाता ➤ सरायपाली
www.dailypioneer.com

नगरीय निकाय चुनाव में सुशासन का कमल खिला है इस बार भाजपा को बंपर जीत के लिए वोटिंग की गई जिसके चलते भाजपा पत्याशी सरस्वती चंद्र कुमार पटेल को रिकॉर्ड मतों से चुनाव जीतने में सफल हुई है। भाजपा ने इस बार नगर पालिका चुनाव में कांग्रेस को मात देकर पालिका अध्यक्ष की कुर्सी पर कब्जा किया है। इस बार के चुनाव में अध्यक्ष पद पर भाजपा की सरस्वती पटेल दोबारा चुनी गई तो वही भाजपा को 8, कांग्रेस को 1, निर्दलीय 7 व भाजपा समर्थित 1 पार्षद चुने गये। विजयी निर्दलीय पार्षदों में ज्यादातर भाजपा समर्थक पार्षद हैं तो वही नगरपालिका के इतिहास में पहली बार एक ही परिवार से दो सदस्य मां चारुलता सिंह व पुत्र विकास सिंह निर्वाचित होकर पार्षद के लिए चुने गये। ज्ञातव्य हो कि विकास सिंह के चाचा स्व.वीरेंद्र कुमार सिंह नगरपालिका के प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष थे । इनका परिवार पूर्व में भी पार्षद पद पर निर्वाचित होता रहा है। वार्ड क्रमांक 3 व 12 से भारी मतों से विजयी होने के बाद पैदल ही अपने समर्थकों के साथ दोनों वार्डो में घूम घूम कर मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुवे आशीर्वाद लिया। अध्यक्ष पद पर सरस्वती पटेल ने अपने निकटतम कांग्रेस प्रत्याशी वृंदा सुरेश भोई को 4888 मतों से पराजित किया वही । 17175 कुल मतदाताओं में 12225 मतदाताओं ने मतदान में भाग लिया। कुल 72 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस चुनाव में पार्षद पद हेतु सर्वाधिक वोट वार्ड क्रमांक 14 के भाजपा के चंद्रमणि भोई को 573 व सबसे कम वोट वार्ड क्रमांक 6 से शेख इलियास को 4 वोट प्राप्त हुए। वहीं नोटा ने 157 वोट पड़े। नगरपालिका सरायपाली में अध्यक्ष व 13 पार्षदों हेतु 11 फरवरी को मतदान हुआ था। अध्यक्ष पद हेतु सरस्वती पटेल (भाजपा) को 7926, वृंदा सुरेश भोई को (3038) व सुखविंदर रैना (निर्दलीय) को 1007 वोट मिले। वार्ड क्रमांक 5 व 13 में पूर्व में ही निर्विरोध निर्वाचन हो चुका था। शेष 13 वार्डो की स्थिति निम्नानुसार है। वार्ड 01. डॉ भीमराव अम्बेडकर कुल मतदाता -1579 कुल मतदान- 1175 नगर पालिका पार्षद प्रत्याशी भरत मेश्राम (कांग्रेस) 169, युगान्त मिरि (भाजपा निर्वाचित) 471, बिहारी चौहान (निर्दलीय) 20 व खीरचंद बारीक़ (निर्दलीय) 490 व नोटा 17 । वार्ड 02. स्व राजा वीरेंद्र बहादुर सिँह कुल मतदाता 913 कुल मतदान 695। नगर पालिका पार्षद प्रत्याशि जय प्रकाश यादव (भाजपा)188, माधव दास (कांग्रेस) 36 व नितेश प्रधान (निर्दलीय निर्वाचित) 462, नोटा 09 । वार्ड 03.स्व चमरा नंद में कुल मतदाता1150 कुल मतदान 808, नगर पालिका पार्षद प्रत्याशी देवीदत्त अग्रवाल (भाजपा) 212, रेखा यादव (कांग्रेस) 73, राजकुमार जलंधर नेताम (निर्दलीय) 56, विकास कुमार सिंह (निर्दलीय निर्वाचित) 448, नोटा 14 वार्ड 04 महात्मा गाँधी कुल मतदाता 1486 कुल मतदान 1089 नगर पालिका पार्षद प्रत्याशी शिवा जायसवाल (भाजपा) 393, वीरेंद्र यादव (कांग्रेस) 227, बंसी गोपाल चंद्रा (निर्दलीय निर्वाचित) 440, नोटा 14 वार्ड 05 प.जवाहर लाल नेहरू वार्ड कुल मतदाता 1065 कुल मतदान 692 नगर पालिका पार्षद प्रत्याशी रोहित प्रधान (निर्दलीय) जीत हुयी है। वार्ड 06 चंद्रशेखर आज़ाद वार्ड कुल मतदाता 1271 कुल मतदान 843, नगर पालिका पार्षद प्रत्याशी रमीज रजा खान (कांग्रेस निर्वाचित) 423, ऋषभ गुप्ता (भाजपा) 252, जमील हुसैन (निर्दलीय) 147 व शेख इलियास (निर्दलीय)- 04, नोटा 11 वार्ड 07. सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड कुल मतदाता 1271 कुल मतदान 882 नगर पालिका पार्षद प्रत्याशी नीला नायक (कांग्रेस) 228, सविता जायसवाल (भाजपा निर्वाचित) 474 व केकती चंद्रु जायसवाल (निर्दलीय)162, नोटा 08, वार्ड 08 लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, कुल मतदाता 1293 कुल मतदान 1001, नगर पालिका पार्षद प्रत्याशी युवराज गोस्वामी (भाजपा निर्वाचित) 481, आशीष गोस्वामी (निर्दलीय) 373 व राज कुमार प्रजापति (निर्दलीय) 131 नोटा 13, वार्ड 09 स्वमी विवेकानंद वार्ड, कुल मतदाता 1050 कुल मतदान 803, नगर पालिका पार्षद प्रत्याशी हेमंत प्रधान (भाजपा निर्वाचित) 460, कृष्णाचंद सेट (कांग्रेस) 116 व रश्मि साहू (निर्दलीय) 217, नोटा 09, वार्ड 10 महारानी लक्ष्मी बाई वार्ड कुल मतदाता 817 कुल मतदान 513 नगर पालिका पार्षद प्रत्याशी दिव्या आशीष सेन (भाजपा निर्वाचित) 387, शाहजहां बेगम (कांग्रेस) 109, नोटा -15 वार्ड 11 सुभाष चंद्र बोस वार्ड कुल मतदाता 1267 कुल मतदान 885 नगर पालिका पार्षद प्रत्याशी बलजीत बिट्टू सलूजा (भाजपा निर्वाचित) 426, तबस्सुम नसीब खान (कांग्रेस) 267, डोली डब्बू सेन (निर्दलीय) 13, राजकुमारी सिदार (निर्दलीय) 134 व सरोजनी पाड़ीग्राही (निर्दलीय) 32, नोटा 08 वार्ड 12-उत्कल पारा वार्ड कुल मतदाता 1150 कुल मतदान 812 नगर पालिका पार्षद प्रत्याशी धारित्रि दास (भाजपा) 226, कोमल अग्रवाल (कांग्रेस) 112 व चारुलता अजय सिँह (निर्दलीय निर्वाचित) 456, नोटा 13, वार्ड 13- सरदार भगत सिंह वार्ड कुल मतदाता 979 कुल मतदान 499 नगर पालिका पार्षद प्रत्याशी गंगाराम पटेल (भाजपा) निर्विरोध जीत, वार्ड 14 रानी दुर्गावती वार्ड कुल मतदाता 1201 कुल मतदान 909, नगर पालिका पार्षद प्रत्याशी चंद्रमणि भोई (भाजपा निर्वाचित) 573 व पंकज हीरालाल मरकाम (कांग्रेस) 306, नोटा 21 तथा वार्ड 15 गुरुघासी दास वार्ड में कुल मतदाता 765 कुल मतदान 619 नगर पालिका पार्षद प्रत्याशी मेहतरीन बाई चौहान (कांग्रेस) 159, मेमबाई देवराज चौहान (भाजपा निर्वाचित) 292 व राखी चौहान (निर्दलीय)162 नोटा में 05 मत पड़े।

हॉस्टल में शिक्षिका के साथ रंगरेलियां मनाते पकड़ा गया अधीक्षक

बलरामपुर जिला शिक्षा अधिकारी से नहीं संभल रहा जिले का कमान

पायनियर संवाददाता < बलरामपुर
www.dailypioneer.com

जिले के शंकरगढ़ विकासखंड में संचालित पहाड़ी कोरवा बालक आश्रम का अधीक्षक 13 फरवरी की रात एक शिक्षिका के साथ रंगरेलियां मनाते पकड़ा गया। इसकी जानकारी हॉस्टल में रहने वाले छात्रों ने ग्रामीणों को दी। सूचना मिलते ही बीईओ व एसडीएम मौके पर पहुंचे। वहीं जांच प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर ने शिक्षिका को जहां निलंबित कर दिया है, वहीं आश्रम अधीक्षक को पद से हटा दिया गया है। 13 फरवरी 2025 की रात पहाड़ी कोरवा बालक आश्रम के कमरे में एक अधीक्षक व शिक्षिका के होने की जानकारी जब ग्रामीणों को मिली तो उन्होंने आश्रम को चारों तरफसे घेर लिया। इसके बाद मामले की सूचना प्रशासन को दी गई। सूचना मिलने के बाद शंकरगढ़ एसडीएम आनंद राम नेताम और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जब अधिकारियों ने जांच की तो पाया गया कि छात्रावास अधीक्षक महिला शिक्षिका के साथ एक कमरे में मौजूद था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि छात्रावास अधीक्षक लंबे समय से महिला शिक्षिका को आश्रम में बुलाता था और पूरी रात उसके साथ बिताता था। जब एसडीएम ने छात्रावास अधीक्षक से पूछ ताछ की तो उसने दावा किया कि शिक्षिका से कोर्ट मैरिज किया है। लेकिन जब इस मामले की विवेचना की गई तो पता चला कि अधीक्षक पहले से शादीशुदा है और उसके 2 बच्चे भी हैं। वहीं शिक्षिका अविवाहित भी हैं।

रामचंद्रपुर बीईओ के जांच रिपोर्ट पर डीईओ ने एक प्रधान पाठक को जेडी से कराया निलंबित
छात्राओं ने पानी पीने बाहर जाने की इजाजत क्या मांगी बेशर्म प्रधान पाठक ने कहा पेशाब पी लो
बच्चियों ने शिक्षक पर लगाया छेड़छाड़ का आरोप, रामचंद्रपुर विकासखंड के पूर्व माध्यमिक शाला सनवाल का मामला
बलरामपुर के एक निजी हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही 12 वर्षीय छात्रा हुई गर्भवती
बलरामपुर जिले में हॉस्टल अधीक्षक की लापरवाही उजागर
पायनियर
छत्तीसगढ़
शिक्षक ने किया नाबालिग का दैहिक शोषण, गिरफ्तार
रामचंद्रपुर विकासखंड का मामला, किशोरी 6 माह की प्रेगनेंट हुई तो हुआ खुलासा

जांच के दौरान मिले साक्ष्य के आधार पर बिना सूचना बालक छात्रावास में शिक्षिका का रहना तथा अधीक्षक द्वारा मामले की झूठी जानकारी देने की बात को अधिकारियों ने गंभीर व अनुशासनहीनता माना। इसकी रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी गई। इस मामले में कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने शिक्षिका को जहां निलंबित कर दिया है,वहीं छात्रावास अधीक्षक को हटाया गया है। उक्त मामले में हॉस्टल में रहने वाले छात्रों ने ग्रामीणों को सूचित करते हुए बताया कि पहले भी अधीक्षक शिक्षिका को लाता रहा है। जब कि अधीक्षक दो बच्चों के पिता है लेकिन शिक्षिका अविवाहित है। अब सवाल यह उठता है कि प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.डी.एन.मिश्रा जिनके कंधों पर बेहतर व्यवस्था रखने की जिम्मेदारी है तो आखिर वो क्या कर रहे थे ऐसा तो नहीं है कि इन्हीं की लापरवाही का नतीजा है कि जिले में आए दिन शिक्षा विभाग से जुड़े हुए कई काले कारनामे सामने आ रहे हैं। उक्त घटना के बाद जानकारों का यह कहना है कि जिले के लापरवाह अधिकारियों के द्वारा टी.एल.के बैठक में कहीं गलत जानकारी प्रस्तुत कर शासन प्रशासन को गुमराह करने का कार्य तो नहीं किया जा रहा है? जिले में संचालित होने वाले आश्रम एवं छात्रावासों में जो नियुक्ति की जा रही है उस व्यक्तियों का कोई चरित्र वर्णन का जांच पड़ताल नहीं किया जा रहा है की वह व्यक्ति उस जगह के लिए योग्य है या अयोग्य केवल इतना देखा जा रहा है कि सामने वाला चढ़ावा कितना चढ़ता है और उसकी राजनीतिक पहुंच कितनी है इन्हीं दो बिंदुओं को लेकर लोगों की धड़ले से पोस्टिंग की जा रही है। और इसके लिए जो जिम्मेवार है उस पर कोई कार्रवाई भी नहीं की जा रही है। जिस अधिकारी के लापरवाही के कारण यह घटना घटित हुआ उस पर आखिर क्यों करवाई नहीं की जा रही यह जनता के सामने बड़ा सवाल बनकर उभर रहा है।

वैसे देखा जाए तो रामचंद्रपुर विकासखंड के आवासीय विद्यालय में पति-पत्नी एक साथ निवास कर रहे और ऐसा करके छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशों कि खुली अवहेलना कि जा रही है। ऐसा नहीं है कि इसकी जानकारी प्रभारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी सदानंद कुशवाहा को नहीं है लेकिन इसके बावजूद भी इनके द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। जिस स्थान पर आवास संचालित है वहां पर निवास करने वाले लोगों सहित और भी कई शिक्षा विभाग के लोग भली भांति जानते हैं कि कितने सालों से एक साथ निवास करते चले आ रहे हैं लेकिन वही बेहतर चढ़ावा और राजनीति पहुंच के कारण कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। वही छत्तीसगढ़ शासन में बैठे हुए प्रतिनिधियों के द्वारा शिक्षा की स्तर सुधारने की बातों को बड़ी गंभीरता से लेते हुए प्रेस वार्ता एवं आमसभा में कहीं जाती है लेकिन कोई पहल नहीं किया जाता? यहां तक की संल्गनी करण पर भी कोई कार्रवाई नहीं की जाती ईसी का खामियाजा है कि रामचंद्रपुर विकासखंड के प्रभारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी सदानंद कुशवाहा के द्वारा अपने ही कार्यालय में कई लोगों को संलग्न करके रखा गया है। वही विकासखंड के कई विद्यालयों में संल्गनी करण का खुला खेल खुलेआम चल रहा है। संल्गनी कारण कराने वाले बाकायदा चढ़ावा भी चढ़ाते हैं तभी उनका काम संभव हो पता है इसके लिए इस कार्यालय में लगभग 21 वर्षों से एक ही दलाल बैठा हुआ है जिसके माध्यम से यह सारे कार्य कराए जाते हैं वह दलाल कौन है इस पूरे जिले के जनप्रतिनिधि एवं लोग भी भली भांति जानते हैं। कैसा भी आर्डर हो छुटकियों में पास कर कर दे देता है। लोग तो इतना भी कहते हैं कि छत्तीसगढ़ के मुख्य दो राजनीति पार्टियों में कांग्रेस और भाजपा सम्मिलित है लेकिन शासन किसी का भी हो यह हर शासन में फिट बैठता है। बलरामपुर जिले में ढाई से 3 साल के अंदर जिले के कलेक्टर एवं एसपी की तबादला तो निश्चित है लेकिन रसूखदारों का तबादला ना होना यह भी हमेशा चर्चा का विषय बना रहता है।

भिलाई नगर निगम में बनाया जा रहा है पेवर ब्लॉक

पायनियर संवाददाता < भिलाई
www.dailypioneer.com

नगर निगम भिलाई क्षेत्र का सीएनडी वेस्ट का उपयोग करने के लिए पेवर ब्लैक बनाया जा रहा है। वार्ड क्रमांक 6 प्रियदर्शनी परिसर में विध्वंस कचरा जिसमें निर्माण कचरे में सीमेंट का चूरा, ईटा, गिट्टी राहत है। उसमें कुछ सीमेंट और बालू मिला करके पेवर ब्लॉक बनाने का कार्य किया जा रहा है। जिस प्लांट की क्षमता 6 टन है। प्रतिदिन, 400 से 500 पेवर ब्लॉक बनेंगे। स्वसहायता समूह की महिलाओं को प्रेरित करके, उन्हें मशीन उपलब्ध कराया गया है। जिसके माध्यम से वे पेवर ब्लॉक बना रही हैं। यह पेवर ब्लॉक नगर निगम भिलाई के विभिन्न क्षेत्रों में लगाए जाएंगे। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय का कहना है, कि हमारे निगम में सभी क्षेत्रों में पेवर ब्लॉक की आवश्यकता पड़ती है। अब हम सब लोग जितना भी उत्पादन होगा उसको नियमानुसार समूह से खरीद करके उसका उपयोग निगम के विभिन्न क्षेत्रों में करेंगे। इससे स्वासहायता समूह की महिलाओं को रोजगार भी मिलेगा। निगम भिलाई को सस्ते दर पर जाएगा मिल जाएगा। शासन की भी योजना है कि पुराने मकान के टूटे हुए जो मालवे आते हैं उसके डिस्पोजल एक बड़ी समस्या बनते जा रही है। इसीलिए स्व सहायता समूह के माध्यम से इसको बनवाया जा रहा है। पेवर ब्लॉक गुणवत्ता युक्त है। उसमें किस प्रकार की कमी नहीं है। स्वसहायता समूह की महिलाओं को ट्रेनिंग दिया गया था। इसी अनुभव से सब लोग बना रही हैं।

बीएलसी घटक अंतर्गत हितग्राही गुरबारीन उइके की सफलता की कहानी

कहा-जब हम जैसो को मिल सकता है तो औरो को क्यूँ नहीं

पायनियर संवाददाता < दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क. 34 शिवपारा दुर्ग में निवासरत गुरबारीन उइके पति स्व. राजकुमार उइके अनुसूचित जाति समूह से ताल्लुक रखती हूँ। मैं अपने परिवार सहित सराफा बाजार व आस पास के क्षेत्र में नाली साफ कर सोना तथा चाँदी इत्यादि धातु बिनने का कार्य करती हूँ।विगत 40-50 साल से इस स्थान पर कच्चे मकान में मैं निवासरत थी। टूटे-फूटे पानी चूहते हुए बिना शौचालय के जैसे-तैसे इतने वर्ष हमने गुजार दिए! इस प्रकार मेरा मकान बनकर तैयार हो गया। मैं सपने में भी नही सोची थी कि मेरा भी मकान पक्का, चमकदार और शानदार होगा। जिसमें मैं निवास करूँगा। मैं अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी अपने मकान में निवासरत हूँ। मैं राज्य और केन्द्र सरकार की बहुत आभारी हूँ जिन्होने मुझे मकान बनवाने हेतु योगदान दिया।आज मुझे रोटी, कपडा और मकान तीनो मिल गए है और मैं बहुत ही संतुष्ट हुँ। मेरे पति के द्वारा आवेदन करने के कुछ समय पश्चात उनकी मृत्यु हो जाने पर मेरे द्वारा पुनः आवेदन किया गया। इस तरह प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मकान बनाने हेतु शासन से योगदान प्रदान किया गया। तब कही जाकर मैने अपने कच्चे मकान को पक्का मकान बनाने हेतु प्रयास सफल रहा। कुछ समय पश्चात् अधिकारी व कर्मचारी के निरीक्षण इत्यादि के बाद मुझे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् चार किश्तो में मकान के निर्माण अनुसार राशि प्रदान की गई।

लीनेस क्लब भिलाई ने बेसहारा लोगों के साथ बांटी खुशियां

पायनियर संवाददाता < भिलाई
www.dailypioneer.com

लीनेस क्लब भिलाई ने अपनी गतिविधियों के अंतर्गत सेक्टर-3 पुराना बीएसपी स्कूल स्थित फील परमार्थ फाउंडेशन में रह रहे बेसहारा लोगों के साथ वक्त बिताया। इन बुजुर्गों के साथ मातृ-पितृ दिवस के मौके पर सभी का आशीर्वाद लिया और सभी के बीच नाश्ता, फल व मिठाई का वितरण किया। इनमें ज्यादातर बुजुर्ग अशक्त हो चुके हैं। लीनेस क्लब की सदस्यों को अपने बीच पाकर इन बुजुर्गों आभार जताया। लीनेस डॉ. मंजु तिवारी ने वहां पर नाश्ता, फल और मिठाई के शौकीनों के चेहरे पर एक मुस्कान ला दी। आयोजन को सफल बनाने में मंजू तिवारी, राजश्री जैन, माला पोपली, लता गायकवाड़, नीता गुप्ता, सुषमा गुप्ता, देवयानी चंद्राकर, नीता उज्वला और मनमोहन कौर सहित अन्य लोगों सहयोग रहा।

नवनिर्वाचित महापौर को बधाई देने पहुँचे कमिश्नर, शहर के मूलभूत व्यवस्थाओं पर हुई चर्चा

पायनियर संवाददाता < दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम नवनिर्वाचित महापौर अल्का बाघमार को बधाई व शुभकामनाएं देने उनके निवास में पहुँचे कमिश्नर सुमित अग्रवाल,इस अवसर पर शहर के मूलभूत व्यवस्थाओं पर हुई चर्चा की गई।चर्चा के दौरान नवनिर्वाचित महापौर अल्का बाघमार ने आम नागरिकों की मूलभूत सुविधा को लेकर कहा कि शहर में बंद पड़े स्ट्रीट और सभी वार्डो अंदुरुनी क्षेत्र व चौक चौराहों पर बेहतर साफ सफाई व्यवस्था दुरुस्त सहित शहर स्वीकृति हुए निर्माण कार्यो को जल्द पूरा करने के अलावा उन्होंने ध्यान में रखते हुए नागरिको को पानी की समस्यों से परेशानियों का सामना न हो इसके लिए शहर क्षेत्र में बचे हुए पाइप लाइन जोड़ने खराब लाइन को संधारण करने की बात कही।उन्होंने ये भी कहा कि बचे हुए प्रधानमंत्री आवासों को जल्द पूरा कर पात्र हितग्राहियों को सौंपे।नव निर्वाचित महापौर अल्का बाघमार ने कहा कि जल्द आम जनता के बीच जाकर उनसे उनकी समस्याओं से रूबरू होकर निराकरण करेंगी।चर्चा के दौरान कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने जानकारी में नवनिर्वाचित महापौर को बताया कि आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण जिससे शहर की साफ सफाई और सुंदर बना कर अच्छी रैंकिंग लाकर शहर का गौरव बढ़ा सके इसके लिए पूरी टीम मेहनत कर रही है।

पहले मतदान फिर किया बारात प्रस्थान, दूल्हे राजा ने मताधिकार का प्रयोग करने लोगों से की अपील

पायनियर संवाददाता < लवन
www.dailypioneer.com

शादी एक सामाजिक दायित्व है और हर व्यक्ति के लिए अपने शादी क़ा दिन बहुत ही खास होता है। इस खास दिन में लोकतंत्र की मजबूती के लिए मताधिकार के प्रयोग को तरजीह देकर पहले मतदान करना और उसके बाद बारात के लिए निकलना उस दिन को और भी ख़ास बना देता है। जनपद पंचायत सिमगा अंतर्गत ग्राम करही निवासी विकासखंड सिमगा अंतर्गत ग्राम करही के गुलशन दास मानिकपुरी की मतदान के दिन 17 फरवरी 2025 को शादी थी। गुलशन ने मतदान के महत्व को समझते हुए लोकतंत्र में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने पहले मतदान कर अपना कर्तव्य निभाया उसके बाद बारात के लिए प्रस्थान किया। उन्होंने शासकीय प्राथमिक शाला करही पहुंचकर मतदान केंद्र क्रमांक 253 में मतदान किया। जनपद पंचायत भाटापारा के ग्राम देवरी में भी विवाह कार्यक्रम में व्यस्त रहते हुए भी दो वर हेम राम निषाद एवं हेमू राम निषाद ने आज मतदान किया। ग्राम देवरी निवासी हेम राम और हेमू राम दोनों सगे भाई हैं। मतदान के लिए नये वोटरों में भी उत्साह देखने को मिला सिमगा ब्लॉक के ग्राम लावर निवासी मोनिका ध्रुव ने बताया कि पहली बार मतदान करने आई है। मतदान करने पर बहुत खुशी मिली। लोकतंत्र में मताधिकार सबसे बड़ा अधिकार है। आज इसका उपयोग कर गर्व महसूस हो रही है।

सेल कांट्रेक्टर एसोसिएशन में सर्वसम्मति से चुनी गई नई कार्यकारिणी, प्रेसीडेंट बने कादर

पायनियर संवाददाता < भिलाई
www.dailypioneer.com

सेल स्टील प्लांट कांट्रेक्टर एसोसिएशन की आमसभा सोमवार की सुबह भिलाई निवास कॉफी हाउस में हुई। इस दौरान एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी सर्वसम्मति से चुन ली गई। जिसमें नए प्रेसीडेंट के तौर के. ए. अब्दुल कादर को फिर से जवाबदारी दी गई। आमसभा में सेल-भिलाई स्टील प्लांट से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इस दौरान ठेका पद्धति से जुड़ी मैनेजमेंट की नीतियों पर कांट्रेक्टर ने रोष जताया और आरोप लगाया कि छोटे-छोटे कांट्रेक्ट खत्म कर बड़े कांट्रेक्ट दिए जा रहे हैं, इससे भविष्य में छोटे कांट्रेक्टर के सामने काम का संकट आ जाएगा। सुबह शुरू हुई आमसभा में कोरम पूरा होने के बाद नई कार्यकारिणी के लिए चुनाव की कार्यवाही शुरू की गई। जिसमें सर्वसम्मति से उपस्थित सदस्यों ने विभिन्न पदों के लिए जवाबदारी दी। नए प्रेसिडेंट के . ए. अब्दुल कादर बनाए गए। वहीं कार्यकारी प्रेसीडेंट जगन्नाथ मुखर्जी, महासचिव सीके मोहन, कोषाध्यक्ष के. तुलसीधरन पिल्लई, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट वी.एस. त्रिपाठी, वाइस प्रेसीडेंट के. ए. अंसार, आरएस कुरुप, उपमहासचिव संजय गुप्ता, एनपी मिश्रा एजाज खान और मनीष शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य ऋषभ पाल, अजय श्रीवास्तव, आर. यादव, किशोर, के. विजय कुमार, संतोष किरोडकर, मोहन, बीएमएस जयेश, आसिफ खान, सरफराज, सिग्मा, जुल्फिकार अली और के. थंगराज शामिल किए गए हैं। सर्वसम्मति से निर्वाचित पदाधिकारियों ने एसोसिएशन के सदस्यों के प्रति आभार जताया और कांट्रेक्टर के हित में सक्रिय रहने का भरोसा दिलाया। बैठक में सेल-भिलाई स्टील प्लांट से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। सदस्यों का कहना था कि जिस तरह छोटे-छोटे ठेके खत्म कर बड़े पैकेज बनाए जा रहे हैं, इससे छोटे ठेकेदारों के सामने रोजी-रोजी का संकट आ जाएगा। पदाधिकारियों ने कहा कि बीएसपी मैनेजमेंट इस तरफ ध्यान नहीं दे रहा है। इससे सभी कांट्रेक्टर का काम प्रभावित हो रहा है। पदाधिकारियों ने बताया कि ईडी (वर्क्स) और मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) विभाग से तमाम मुद्दों पर चर्चा के लिए एसोसिएशन ने समय मांगा है।

गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करना ज़रूरी है क्योंकि इससे पर्यावरण की सुरक्षा होती है : कमिश्नर

गीला व सूखा कचरा अलग रखने जागरूक कर रही निगम की टीम

पायनियर संवाददाता < दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत कमिश्नर सुमित अग्रवाल द्वारा स्टेशन रोड सुबह निरीक्षण के दौरान कचरा गाड़ी को रोककर देखा कि कचरा अलग किया जा रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करना ज़रूरी है क्योंकि इससे पर्यावरण की सुरक्षा होती है।कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने कहा कि डोर-टू-डोर संपर्क कर स्वच्छता अपनाने के लिए हर घर, व्यापारिक प्रतिष्ठान व संस्थानों को प्रेरित किया जा रहा है।छोटी गुमटियों से लेकर बड़े होटल, मोहल्ले के घरों और कॉलोनियों को भी कचरे के पृथक्करण के लिए निरंतर समझाईश दी जा रही हैं। जोन स्तर पर स्वच्छता दीदीयों को यह जिम्मेदारी दी गई है कि निरंतर लोगों को इस संबंध में अवगत कराएं, इस हेतु प्रत्येक जोन स्तर पर स्वच्छता महिलाओं को दायित्व सौंपा गया है,जो लापरवाही बरतने वालों पर जुर्माने की कार्यवाही भी सुनिश्चित करेंगी। शहर के गली मोहल्ले सहित अन्य सार्वजनिक व व्यापारिक उपक्रम भी नगर निगम को साथ दें रहे है। कचरा पृथक्करण और सूखे एवं गीले कचरे के तौर पर शामिल अपशिष्टों के संबंध में अवगत कराया जा रहा है कि हरा डस्टबिन में गीला कचरा, जिसमें रसोई का कचरा, फल के छिलके, सड़े फल एवं सब्जी, बचा भोजन, अंडे के छिलके आदि रखा जाना चाहिए एवं नीला डस्टबिन में प्लास्टिक, बोतलें, कागज कप, प्लेट, पैकेट अखबार, डिब्बे, बॉक्स, पुराने कपड़े आदि रखें। स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा द्वारा बताया गया कि निगम द्वारा घर-घर से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग दिए जाने हेतु नगर निगम की स्पेशल टीम द्वारा नागरिकों के घर-घर पहुंच कर निरीक्षण किया जा रहा है कि घर से कचरा लेते समय लोगों के द्वारा गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग डिब्बे में दिया जाता है या नहीं। नागरिकों के द्वारा अलग-अलग नहीं दिए जाने पर उन्हें कर्मचारियों के माध्यम से परीक्षण और समझाया जा रहा है यह भी बताया जा रहा कि गीले कचरे कौन-कौन से होते है और सूखे कचरे कौन-कौन से प्रतिदिन 500 घरों में जाकर सोर्स सेग्रीगेशन पर बढ़ावा और होम कंपोस्टिंग में बढ़ावा देने के लिए लोगों को प्रेरित किया जा रहा है जन जागरूकता लाई जा रही है फीडबैक लिया जा रहा है घरों का कचरा घर में ही निपटने के होम कम्पोस्टिंग किस प्रकार किया जाता है यह भी समझाया जा रहा है।गीला व सूखा कचरा अलग रखने जागरूक कर रही निगम की टीम, स्वच्छता में दुर्ग को शीर्ष पर लाने नगर निगम ने शुरू की मुहिम। प्रतिदिन 500 घरों में जाकर सोर्स सेग्रीगेशन पर बढ़ावा और होम कंपोस्टिंग में बढ़ावा देने लोगों को प्रेरित किया गया। मोर स्वच्छ दुर्ग शहर के तौर पर दुर्ग की रैंकिंग को शीर्ष पर लाने नगर निगम द्वारा घर, प्रतिष्ठान व संस्थानों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग रखने पर जोर देते हुए जन जागरूकता के माध्यम से सूखे एवं गीले कचरे को पृथक कर ही कचरा संग्रहण वाहनों में देने की समझाइश देकर इसकी शुरुआत की गई है।

नगर निगम भिलाई एवं रिसाली के फिल्टर प्लांट में शटडाउन के कारण जलआपूर्ति रहेगी बाधित

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के 66 एम.एल.डी. जलशोधन संयंत्र के नगर निगम भिलाई क्षेत्र में स्थित उच्च स्तरीय जलागार को भरने वाली राईजिंग पाईप लाईन यातायात पुलिस थाना नेहरू नगर के पीछे लिकेज हो गया है। जिसके संधारण हेतु 66 एम.एल.डी. जलशोधन संयंत्र में शट्डाउन की आवश्यकता है। पाईप लाईन लिकेज का संधारण कार्य 19.02.2025 को सुबह 9:30 बजे से किया जाएगा। जिससे दिनांक 19.02.2025 को शाम की पाली में फरीद नगर एवं स्मृति नगर तथा दिनांक 20.02.2025 एवं 21.02.2025 को नगर निगम भिलाई के नेहरू नगर, स्मृति नगर, फरीद नगर, स्लाटर हाउस, खम्हरिया एवं नगर निगम रिसाली के रूआबांधा, नेवई, मरोदा, रिसाली उच्च स्तरीय जलागारों में जलप्रदाय पूर्णतः बाधित रहेगी। लीकेज संधारण का कार्य पूर्ण होने पर पूर्व की भांति पेयजल आपूर्ति चालू कर दी जायेगी।

संपादकीय

यूक्रेन युद्ध वार्ता पर सहमति

यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए ट्रंप और पुतिन वार्ता पर सहमत हो गए हैं जिसका विश्व शांति और व्यापार पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन से अच्छे संबंध हैं और अब यह अमेरिकी नीति में परिवर्तन के रूप में दिख रहा है। यूक्रेन युद्ध पर अमेरिका के दृष्टिकोण में यूटर्न की संभावना है और अब वह यूक्रेन को अंधेरे में छोड़ कर रूस के प्रति नरमी बरत सकता है। एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक घटनाक्रम के रूप में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन ने यूक्रेन में जारी युद्ध समाप्त करने के लिए वार्ता शुरू करने पर सहमति प्रकट की है। यह कदम अमेरिकन विदेश नीति में उल्लेखनीय परिवर्तन है और इसके दुनिया भर में अनेक परिणाम होंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर 90 मिनट वार्ता कर अनेक विषयों पर विचार-विमर्श किया जिसमें मुख्य रूप से यूक्रेन पर ध्यान केन्द्रित किया गया था। इस फोन वार्ता के बाद ट्रंप ने घोषणा कर दी कि पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की ने शांति की दिशा में बढ़ने की इच्छा प्रकट की जिसका परिणाम युद्ध समाप्त करने के लिए वार्ता शुरू करना है। ट्रंप ने संकेत किया कि ये वार्तायें फौरन शुरू होंगी और निकट भविष्य में सऊदी अरब में उनकी पुतिन से मुलाकात हो सकती है। यूक्रेन और यूरोपीय नेताओं ने इन वार्ताओं में हाशिए पर धकेलने पर चिन्ता प्रकट की है जिसका परिणाम संभावित हानिकारक रियायतें हो सकती हैं।

अमेरिका द्वारा सीधे रूस से इस मामले में संपर्क करने से अनेक सवाल

उठते हैं जिनका संबंध यूक्रेन को समर्थन में संभावित परिवर्तन से है। यूक्रेन की नाटो सदस्यता को 'अव्यावहारिक' तथा रूस द्वारा कब्जे वाले क्षेत्रों की वापसी को 'भ्रामक' बता कर अमेरिका संभवत: रूस को अलग-थलग करने की अपनी नीति से दूर हट रहा है। इस परिवर्तन से चिन्ता पैदा हो गई है कि यूक्रेन एक संकटग्रस्त स्थिति में फंस जाएगा, खासकर यदि यूरोपीय सहयोगी अमेरिका की संभावित वापसी से पैदा खाली स्थान न भर सकें। शांति वार्ताओं की घोषणा का तात्कालिक प्रभाव विश्व बाजारों पर पड़ा। यूरोपीय शेयर बाजारों ने उम्मीद जगाई तथा स्पेन का आईबेक्स 35 नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया। इसके साथ ही तेल मूल्यों में भी गिरावट आई है और ब्रेंट क्रूड 75 डालर प्रति बैरल तक गिर गया। व्यापारियों को उम्मीद है कि रूसी उत्पादकों पर लगे प्रतिबंधों में रियायतें दी जाएंगी। लेकिन अनिश्चिततायें बनी हुई हैं। विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि जहां तनाव घटने से ऊर्जा और खाद्य बाजारों में स्थिरता आ सकती है, वहीं किसी समझौते से दीर्घकालीन प्रभाव भी पड़ेंगे। खासकर कृषि क्षेत्र इस स्थिति पर गहरी नजर रख रहा है क्योंकि रूस और यूक्रेन का विश्व गेंहू निर्यात में बड़ा हिस्सा है। रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त होने से सप्लाई श्रृंखला की बाधायें दूर हो सकती हैं, पर यूक्रेन में हुए ढांचागत संरचनाओं और लाजिस्टिक्स के नुकसान से बाधायें बनी रहने की आशंका है। भारत सूरजमुखी के तेल जैसी चीजों का प्रमुख आयातक है जिस पर इन घटनाओं का प्रभाव पड़ेगा। युद्ध समाप्त होने से व्यापार प्रवाह ज्यादा सहज हो जाएगा तथा संभवत: प्रमुख आयातों की कीमतों में कमी आएगी। हालांकि, ट्रंप-पुतिन वार्ता से शांति की उम्मीद बढ़ गई है, पर गठबंधनों में संभावित परिवर्तनों का प्रभाव विश्व बाजारों पर पड़ेगा जिस पर सभी पक्षों को सावधानी से नजर रखनी होगी। अमेरिका की यात्रा पर गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप से वार्ता के समय रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने में ट्रंप के प्रयासों का समर्थन किया। उन्होंने आशा प्रकट की कि राष्ट्रपति ट्रंप अपने प्रयासों में शीघ्रातिशीघ्र सफल होंगे। रूस-यूक्रेन युद्ध की समाप्ति विश्व शांति के लिए महत्वपूर्ण होगी।

परीक्षा प्रबंधन: एक अदृश्य चुनौती

हम भी अपने जीवनकाल में किसी न किसी प्रकार की परीक्षा से गुजरे हैं। इसलिये अपने जीवन के परीक्षा अनुभवों से अपने पाल्यों को अवगत कराकर, उनको प्रोत्साहित करें कि परीक्षा से घबराना नहीं चाहिये।

मुकेश कुमार सिंह
(लेखक, उप शिक्षा निदेशक हैं)

परीक्षा का मूल अर्थ एक चुनौती के रूप में परिभाषित होता है। इसका नाम सुनकर लगभग प्रत्येक आयु वर्ग के मस्तिष्क में एक अज्ञात तनाव व भय का बोध होने लगता है जो चिन्ता में परिवर्तित होकर स्वयं के विश्वास को कमजोर करता है। इसका सबसे अधिक असर उन बच्चों के मन-मस्तिष्क पर पड़ता है जो कक्षा 10 तक की कक्षाओं में शिक्षारत हैं और विशेषकर तब, जब परीक्षा की तिथियां घोषित हो गयी हों। बोर्ड परीक्षा में अपने पाल्य विद्यार्थियों से अन्य बच्चों की तुलना में अधिक अंक प्राप्त करने की माता-पिता की अपेक्षाएं बलवती होती हैं। इन अपेक्षाओं के मानसिक दबाव के कारण विद्यार्थियों में अपने अभिभावकों की अपेक्षाओं को पूरा करने का तनाव व भय के फलत: चिन्ताग्रस्त होना स्वाभाविक है। यही उनमें पर-इच्छा, एक अदृश्य चुनौती को प्रकट करता है। इससे उनके आत्मविश्वास में कमी और असुरक्षा तथा अवसाद की स्थिति उत्पन्न होती है।

प्रत्येक विद्यार्थी की मन:स्थिति व कुशलता भिन्न-भिन्न होती हैं। कुछ विद्यार्थी परीक्षा में सर्वोच्च सफलता के लिये मानसिक स्वस्थता की परवाह किये बिना लगातार काफी देर तक केवल पढ़ाई में लगे रहते हैं। इस प्रकार की दिनचर्या से उनमें शारीरिक एवं मानसिक कमजोरी उत्पन्न हो जाती है तथा उनके तनावग्रस्त होने की सम्भावना बढ़ जाती है, जो उनके भविष्य के परिणामों के लिये ठीक नहीं है। अब हमारे मन में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से आता है कि ऐसा कुछ किया जाए जिससे हमारे एवं बच्चों के मन में परीक्षा को लेकर भय, चिन्ता, तनाव और अवसाद न आये।

हम भी अपने जीवनकाल में किसी न किसी प्रकार की परीक्षा से गुजरे हैं। इसलिये अपने जीवन के परीक्षा अनुभवों से अपने पाल्यों को अवगत कराकर, उनको प्रोत्साहित करें कि परीक्षा से घबराना नहीं चाहिये। छात्र जीवन में कोई भी परीक्षा मात्र उनके अर्जित ज्ञान को परखने का माध्यम है। अधिक समय तक विद्यार्थियों में तनाव, चिन्ता की स्थिति में रहने एवं आत्मविश्वास की कमी होने के कारण ही उनका प्रदर्शन व परिणाम प्रभावित होता हैं। यहां हम कुछ ऐसे बिन्दुओं पर विचार करेंगें, जिससे अभिभावकों और हमारे छात्रों में परीक्षा के प्रति अपना आत्मविश्वास कमजोर न हो और वे अपने अर्जित ज्ञान के परखने की विधा को आनन्दपूर्वक पूर्ण कर सकें।

परीक्षा के लिये अभिभावक, शिक्षक और सहपाठी द्वारा दिया गया प्रोत्साहन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास को बढ़ाता है। अभिभावक व शिक्षक द्वारा परीक्षा के पूर्व अथवा परीक्षा अवधि में ताड़ना देना उनमें नकारात्मक उर्जा उत्पन्न करेगा। विद्यालय एवं घर पर विद्यार्थी को ताड़ना के बजाय समर्थन, प्रोत्साहन, शान्त वातावरण व सकारात्मक सहयोग दिया जाये, जिससे वे दक्ष-चित्त व उत्साहित रहें। हमें अपने पाल्य व विद्यार्थी से यथार्थवादी अपेक्षायें रख कर लक्ष्य निर्धारित करना चाहिये, जो उसके आत्मविश्वास को बढ़ायेगा। यह स्मरण रखना चाहिये कि कभी हम भी इसी अवस्था और स्थिति से गुजरे हैं।

स्वामी विवेकानन्द जी के कठोपनिषद का यह सूत्रवाक्य उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत अर्थात उठो, जागो, और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए, हमें उत्साहित होकर निरन्तर कर्म करने की प्रेरणा देता है। इसलिये हमें किसी भी परीक्षा को जीवन-मृत्यु का प्रश्न बनाने के बजाय लक्ष्य प्राप्ति के रूप में स्वीकार करना चाहिए। बिना किसी अन्यथा भावना यह कहना गलत नहीं है कि वर्तमान में अभिभावक के पास अपने पाल्य के लिये समय नहीं हैं एवं अभिभावक तथा पाल्य के मध्य संवादशून्यता बढ़ती जा रही है। विद्यार्थी को विद्यालय में शिक्षक से तथा घर में अभिभावक से सबसे अधिक संवादशीलता की अपेक्षा रहती है, किन्तु संकोचवश वह इसकी पहल नहीं कर पाता, यह पहल हमें करनी होगी। उसकी पूर्व उपलब्धियों को उसे स्मरण कराना होगा, समस्यायें सुननी होंगी, उनकी समस्याओं के कारणों की जानकारी कर उसका निवारण करना होगा, तभी उनकी संकोचवश अनकही समस्याओं का समाधान हो पायेगा और वह आत्मविश्वासी बनेंगे।

विद्यार्थी जीवन में शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य और स्वाध्याय के लिये समय प्रबन्धन उसके वर्तमान की सफलता और भविष्य के लक्ष्य की नींव है। यदि शरीर, मन और नींव मजबूत और स्वस्थ नहीं होंगें तो भविष्य की लक्ष्य प्राप्ति सुगम नहीं होगी। इसलिए दैनिक समय-सारणी बनाकर शयन, अध्ययन, खेल, व्यायाम, मनोरंजन, संगीत सुनना आदि प्रत्येक क्रिया-कलाप में उसकी मदद करनी होगी, जिससे आराम, उत्साह तथा सकारात्मक सोच बनी रहे। प्रतिदिन के लिये चार्ट बनाकर नियमित रूप से 8 से 10 घण्टे स्वाध्याय करें, जिसमें अध्ययन के समय लिखकर अभ्यास एवं तैयारी करें। अध्ययन के दौरान प्रत्येक 2-2 घण्टे के अन्तराल पर कुछ देर विश्राम अवश्य करें। विषय की पूर्ण तैयारी करने के बाद परीक्षा की भाँति, स्वयं वातावरण तैयार करें, गत वर्षों के पेपर्स/अनसॉल्व्ड पेपर्स को निर्धारित समयावधि में हल करने का अभ्यास करें। कठिन विषय-वस्तु पर अधिक समय एवं ध्यान दें। कठिन विषय-वस्तु को बेहतर ढंग से समझने की तकनीकों पर अपने शिक्षक, साथियों तथा अभिभावक से यथा आवश्यक चर्चा भी करें।

बोर्ड परीक्षा के लिये अभी से संकल्प लेकर, उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत का स्वयं पर अनुशासित होकर विश्वास, प्रयास, कठिन परिश्रम से पालन किया जाये तो सब सम्भव किया जा सकता है। इसके लिये श्रीहनुमान जी के वाक्य राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहां विश्राम का पालन करना होगा। हम सपने अक्सर देखते हैं, लेकिन वह सोते समय अर्द्धचेतन अवस्था में देखते हैं। हमारे देश के गौरव और पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम जिनको बच्चे मिसाईलमैन के नाम से जानते हैं, उनके इस कथन कि-''सपने वो नहीं जो आप सोते वक्त देखते हैं, सपने वो हैं जो आपको सोने नहीं देते'' आपको साकार करना होगा और लक्ष्य प्राप्ति का सपना जागते हुये ही देख कर लक्ष्य प्राप्त करना होगा।

मानस की चौपाई का बरसा जब कृषि सुखाने समय चूक पुनि का पछताने हमारे लक्ष्य प्राप्त करने में आलस्य करने के लिये एक चेतावनी है, जिसको हमें याद रखना है। जीवन में बीत चुके धन वैभव को पुन: प्राप्त किया जा सकता है, किन्तु व्यतीत हो चुके समय को किसी भी मूल्य पर पुन: प्राप्त नहीं किया जा सकता है। शरीर और मन-मस्तिष्क की स्वस्थता के लिये पौष्टिक भोजन में ताजे फल, जूस, नारियल पानी, पौष्टिक भोजन, दूध, दही, ताजा सब्जियाँ, ड्राईफ्रूट्स, पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन जरुरी है। बाजार में बिकने वाली खाद्य सामग्री, चाय-कॉफी जैसे कैफीन युक्त पेय पदार्थ एवं फास्ट फूड स्वास्थ्य के लिये अत्यधिक नुकसानदायक है। रात का भोजन हल्का हो एवं सोने से दो घण्टे पूर्व लिया जाये। तथा रात्रि भोजन के पश्चात् 10 मिनट टहलने जरूर जायें।

परीक्षा की तैयारी किसी तनाव या भय को मन से निकालकर सकारात्मक दृष्टिकोण से करें। रात्रि में 7 से 8 घण्टे की गहरी नींद अवश्य लें। स्वयं को तरोताजा रखने के लिये मधुर संगीत सुनें, कुछ समय पेड़ पौधों एवं प्रकृति के बीच भी रहें। नियमित व्यायाम, योग, प्राणायाम यथास्थिति करें। किसी से भी अपनी तुलना न करते हुये सिर्फ अपने लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित करें। नियमित व्यायाम, योग, प्राणायाम व संगीत आपके दिमाग को तरोताजा एवं तनाव मुक्त बनाकर आपके कार्य निष्पादन को बढ़ायेंगे। परीक्षा के समय पूर्णत: फिट एवं स्वस्थ रहना जरुरी है जैसे कि क्रिकेट खेल की टीम में बने रहने के लिए फिटनेस एवं अच्छा खेल प्रदर्शन करके अधिक रन बनाना एवं विकेट लेना आवश्यक है।

यदि खिलाड़ी का खेल प्रदर्शन बहुत अच्छा रहता है, परन्तु चोट लगने या अस्वस्थ होने पर उसे मैच के समय टीम में स्थान नहीं दिया जाता है। ठीक उसी तरह परीक्षा से पूर्व या परीक्षा के समय किसी भी प्रकार की शारीरिक-मानसिक अस्वस्थता किसी भी विद्यार्थी को परीक्षा से वंचित करा सकती है या उसके परीक्षा परिणामों को कुप्रभावित कर सकती है। यहॉ पर योग कर्मसु कौशलम अर्थात योग का अर्थ है कर्मों में कुशलता, जो फिट है, वो हिट है, पूरी तरह चरितार्थ होता है। पढ़ाई और परीक्षा के दौरान मन को शांत और स्थिर रखें, आत्मविश्वास रखें कि परिणाम आपको श्रेष्ठ ही प्राप्त होगा।

नियमित अध्ययन हेतु न्यूनतम 8 से 10 घण्टे का स्वाध्याय समय निर्धारित करें। प्रत्येक विषय को प्रतिदिन कम से कम 2 घण्टे देकर सतत अभ्यास करें। पाठ्यक्रम को हिस्सों में बाँटकर अध्ययन करें। पहले आसान उसके बाद कठिन विषय-वस्तु तैयार करें। पाठ्यवस्तु को पढ़ने के पश्चात् उसका पुनराभ्यास अवश्य करें। मस्तिष्क की स्मरण शक्ति बढ़ाने के लिए मैपिंग, की वर्ड्स, संक्षिप्तीकरण करके हैडिंग्स, महत्त्वपूर्ण तथ्य, चित्र, फार्मूला, सूत्र आदि नोट्स बनाने की तकनीक अपनायें। इन्हें परीक्षा देने जाने से पूर्व एक बार अवश्य पढ़ अथवा देख लें। पुनरावृत्ति अध्ययन सामग्री का नियमित अभ्यास करने से विषयों को गहराई से समझने में मदद करती है।

पाठयवस्तु को याद करने के लिये स्व-मनन तथा स्व-परीक्षण अवश्य करें। प्रश्नों को लिखकर याद करने का अभ्यास करें, जिसका प्रभाव आपकी लिपि गति पर पड़ेगा जो आपको परीक्षा भवन में निर्धारित समय में प्रश्न-पत्र को पूर्णत: हल करने में लाभकारी होगा। पूर्व वर्षों के परीक्षा प्रश्न पत्रों से उनके पैटर्न को समझें और उसके अनुसार प्रश्नपत्र हल करें। यह विधा आपके अनुभव और आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा।

परीक्षा के दौरान आपके तनाव को दूर करने में सहायक होगा। जिज्ञासा प्रबन्धन-शेयर एण्ड केयर सिस्टम आपको परीक्षा की तैयारी में बहुत लाभकारी रहेगा। परीक्षा तैयारी के दौरान समस्या/कठिनाई आने पर शिक्षकों, सहपाठी मित्रों, अभिभावकों एवं विद्यालय के पुरातन मेधावी विद्यार्थियों से सम्पर्क कर विषय-वस्तु अथवा तनाव से सम्बन्धित समस्याओं का जिज्ञासाओं के माध्यम से समाधान एक कारगर तरीका है। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ऐसी गतिविधियों का चयन करें, जो लक्ष्य प्राप्ति में सहायक हों और कैटेलिस्ट (उत्प्रेरक) का कार्य करें। कैटेलिस्ट का यह गुण होता है कि वह किसी भी रासायनिक क्रिया को बढ़ा देता है या घटा देता है, लेकिन क्रिया में प्रतिभाग नहीं करता है। इसी प्रकार आपकी सकारात्मक सोच एवं लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रबल इच्छा शक्ति आपको सफल बना देती है, वहीं आपकी नकारात्मक सोच लक्ष्य प्राप्ति में अवरोध उत्पन्न कर तनाव का कारण बन जाती है।

सफलता या असफलता हमारे प्रयासों, आत्मविश्वास और इच्छा शक्ति पर निर्भर करती है। पूरी इच्छा शक्ति के साथ लक्ष्य निर्धारित करके प्रयास किया जाता है, तो सफलता की प्राप्ति भी निश्चित होती है। असफलता यह प्रदर्शित करती है कि प्रयास पूर्ण मनोयोग से नहीं किया गया।

नीतिज्ञ आचार्य चाणक्य ने कहा है प्रभूतं कार्यमल्पं वा तन्नर: कर्तुमिच्छति। सर्वारम्भेण तत्कार्य सिंहादेकं प्रचक्षते अर्थात् कार्य छोटा हो या बड़ा, यदि मनुष्य में उसको करने की इच्छा शक्ति जागृत हो जाती है, तो वह उसको आरम्भ करके पूरा कर ही लेता है। यहॉ पर यह उदाहरण बहुत ही प्रेरणादायक है कि जैसे पूरी एकाग्रता के साथ शेर अपने शिकार को पकड़ने में कामयाब रहता है, उसी प्रकार लक्ष्य निर्धारित करके, उसको प्राप्त करने के लिए पूरी एकाग्रता के साथ ध्यान केन्द्रित व प्रयास करना नितान्त आवश्यक है।

विज्ञान में सदिश एवं अदिश राशियों का अध्ययन किया जाता है। सदिश का अर्थ है दिशा के साथ, जबकि अदिश का मतलब है दिशा के बिना। जब हमारे प्रयास लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा के साथ होंगे तो हम निश्चित ही लक्ष्य की ओर जायेंगे, किन्तु दिशा के बिना किये गये प्रयास हमारी ऊर्जा को केवल नष्ट करेंगें, हम लक्ष्य की प्राप्ति नहीं कर पायेंगे। दृढ़ निश्चय वाला व्यक्ति सदैव सफल होता है, जो लोग अस्थिर मन के होते हैं, उनके विचार अनेक दिशाओं में बिखर जाते हैं। अध्ययन में इधर-उधर पर ध्यान लगाने के स्थान पर एकाग्रता और स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें।

परीक्षा की तैयारी के समय विद्यार्थी स्मार्ट फोन का कम से कम प्रयोग करें। सोशल मीडिया में लिप्त न हों। इससे आंखों एवं दिमाग पर तनाव नहीं आयेगा

भारत में एआई के भविष्य को आकार देने का प्रयास

> जैसे-जैसे एआई वैश्विक शक्ति गतिशीलता को पुनर्परिभाषित कर रही है, भारत इसके शासन और नवाचार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है।

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

प्रधानमंत्री मोदी की पेरिस और वाशिंगटन यात्रा, विकसित दुनिया के दो सबसे शक्तिशाली नेताओं के साथ बैठकें, भू-राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव के समय में हो रही हैं। इन दोनों उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय बैठकों के इर्द-गिर्द चर्चा का विषय था, एक ऐसी दुनिया में उच्च-स्तरीय प्रौद्योगिकी सहयोग, जो तेजी से विखंडित होती जा रही है। भारत मेजबान देश फ्रांस के साथ पेरिस में एआई एक्शन समिट का सह-अध्यक्ष था। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर तीसरा वैश्विक-स्तरीय आयोजन है, जो इसे फ्रांस में प्रौद्योगिकी नेताओं, नीति निर्माताओं, विशेषज्ञों, कॉरपोरेट्स और विश्व नेताओं का कुंभ बनाता है। विषय यह था कि इस लगभग दिमाग घुमाने वाली तकनीक की शक्ति का दोहन कैसे किया जाए, जिसके विकास की तुलना पहिये के आविष्कार और मनुष्यों द्वारा आग का सुरक्षित उपयोग करना सीखने से की गई है।

लगभग उसी समय, चीन ने जनरेटिव एआई टूल डीपसीक का एक फुर्तीला संस्करण जारी किया, जो वर्तमान में अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के एआई टूल और मानकों पर लगभग एकाधिकारवादी प्रभुत्व में निवेश किए गए अमेरिकी अरबों डॉलर के लिए एक बड़ी चुनौती है। अमेरिकी राष्ट्रपति बिडेन ने ओवल ऑफिस में अपने आखिरी सप्ताह में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डिफ्यूजन के लिए फ्रेमवर्क पर अंतरिम अंतिम नियम नामक एक कार्यकारी आदेश पारित किया था, जो अनिवार्य रूप से उन देशों में एआई विकास के लिए आवश्यक उच्च-स्तरीय सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर पर निर्यात नियंत्रण लगाता है, जिन्हें अमेरिकी हितों (यानी चीन) के साथ-साथ भारत जैसे करीबी सहयोगियों के लिए भी प्रतिकूल माना जा सकता है।

जबकि वैश्विक प्रौद्योगिकी उद्योग के हितधारकों ने नए राष्ट्रपति से अनुरोध किया है कि वे ट्रम्प प्रशासन के पहले बताए गए, विनियामक फ्रीज ऑर्डर के अनुरूप रहें, और एआई डिफ्यूजन नियम के कार्यान्वयन को तब तक के लिए निलंबित कर दें जब तक कि वाणिज्य सचिव और अन्य संबंधित अधिकारी नियम की उचित समीक्षा नहीं कर लेते और मजबूत हितधारक जुड़ाव को आगे नहीं बढ़ाते हैं ताकि नियम सरकार के उद्देश्यों को प्रतिबिंबित करें और यह सुनिश्चित करें कि कंपनियां प्रमुख अमेरिकी व्यापारिक भागीदारों के साथ जुड़ सकें। राष्ट्रपति ट्रम्प ने अभी तक अपने पूर्ववर्ती द्वारा हस्ताक्षरित कार्यकारी आदेश को रद्द नहीं किया है, भले ही उन्होंने 23 जनवरी को एक नए पर हस्ताक्षर किए हों, जो संभावित रूप से विराम का संकेत देता है। ओवल ऑफिस में तीन दिन के भीतर राष्ट्रपति ट्रम्प ने एआई विकास और तैनाती पर कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य यह था कि संयुक्त राज्य अमेरिका लंबे समय से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) नवाचार में सबसे आगे रहा है, जो हमारे मुक्त बाजारों, विश्व स्तरीय अनुसंधान संस्थानों और उद्यमशीलता की भावना की ताकत से प्रेरित है। इस नेतृत्व को बनाए रखने के लिए, हमें ऐसे एआई सिस्टम विकसित करने होंगे जो वैचारिक पूर्वाग्रह या इंजीनियर सामाजिक एजेंडा से मुक्त हों। सही सरकारी नीतियों के साथ, हम एआई में वैश्विक नेता के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत कर सकते हैं और सभी अमेरिकियों के लिए एक उज्जवल भविष्य सुरक्षित कर सकते हैं।

यह आदेश कुछ मौजूदा एआई नीतियों और निर्देशों को रद्द करता है जो अमेरिकी एआई नवाचार के लिए बाधाओं के रूप में कार्य करते हैं, जिससे संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता में वैश्विक नेतृत्व बनाए रखने के लिए निर्णायक रूप से कार्य करने का मार्ग साफ हो जाता है। मानव उत्कर्ष, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका के वैश्विक एआई प्रभुत्व को बनाए रखना और बढ़ाना संयुक्त राज्य अमेरिका की नीति है। भारत एआई शासन, नवाचार और विकास के वैश्विक उच्च तालिकाओं पर समान रूप से बोलने का लक्ष्य बना रहा है।

इसका अपना एक महत्वाकांक्षी एआई मिशन है, जो वर्तमान में अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों से उपलब्ध उच्च-स्तरीय चिप्स और ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू) पर बहुत अधिक निर्भर है। इन उच्च-स्तरीय प्रोसेसर तक पहुंच पर कोई भी प्रतिबंध भारत एआई मिशन के तहत परिकल्पित महत्वाकांक्षी लक्ष्य को बिगाड़ देगा। पेरिस में हुई बातचीत, दिल्ली में चौथे वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की भारत की घोषणा और इस सप्ताह राष्ट्रपति ट्रम्प और अन्य नेताओं के साथ बातचीत, सही दिशा में उठाए गए कदम हैं।

आप की बात

भगदड़ की घटनाएं

मौनी अमावस्या पर प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ के कारण हृदयविदारक हादसे की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि अब भारी भीड़ के कारण दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से हृदयविदारक हादसा होना बहुत ही दुखद व दर्दनाक है । सबसे ज्यादा गम तो इस बात का होता है कि बार-बार ऐसे ही एक जैसे हादसों की पुनरावृत्ति हो रही है, यानी वहीं चाल बेढंगी जारी है । दिल्ली रेलवे स्टेशन पर क्षमता से अधिक यात्रियों की भीड़ होना रेलवे प्रशासन की अदूरदर्शिता का प्रमाण है । जब यह मालूम था कि दो गाड़ी कैंसिल हो गई है तो इतनी टिकटें जारी नहीं करना थी ताकि इतनी भारी-भरकम भीड़ स्टेशन पर जमा नहीं हो सकें। रेलवे प्रशासन मौनी अमावस्या की भगदड़ को जेहन में रखकर इतना श्रद्धालूओं का सैलाब देखकर सावधान हो जाता तो निश्चित ही यह हादसा नहीं होता । हादसे - दर - हादसे कोई सबक व नसीहत नहीं ले रहा है । कहते हैं कि जान है तो जहान है। आस्था व श्रद्धा होना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन समय की नजाकत को देखते हुए लोगों को अपनी यात्रा करना चाहिए । वह आस्था व श्रद्धा भी क्या काम की जब जान व माल पर बन आए तथा उस आस्था व श्रद्धा के चलते हम गंगा मैया में डुबकी के लिए जीवित तक ना रहे। शासन व प्रशासन, रेलवे सभी को ऐसे मौकों पर दूरदर्शिता के साथ तात्कालिक फैसले लेने होंगे।

– **हेमा हरि उपाध्याय**, खाचरोद

मोदी की अमेरिका यात्रा

पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा के समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बांग्ला देश की स्थिति के सम्बन्ध में टिप्पणी का अर्थ स्पष्ट नहीं है यद्यपि जिहादी आतंक को स्पष्टतया इस्लामी आतंकवाद कहना ट्रम्प की वैचारिक स्पष्टता और उसे सटीक शब्दों में व्यक्त करने की वृत्ति का परिचायक है यदि बांग्ला देश में हो रहे हिन्दू नरसंहार को भारत द्वारा निपटने का संकेत है तो प्रश्न है कि कैसे? राजनयिक रूप से अथवा सामरिक रूप से? क्या इस्लाम की जिहादी वृत्ति को (वह भी दूसरे देश में) सामरिक शक्ति से रोका जा सकता है ? क्या अमेरिका अपने प्रभाव का प्रयोग करके भारत के किसी भी प्रकार के शक्ति प्रयोग का समर्थन करेगा? क्या भारत द्वारा बांग्ला देश पर किन्हीं आर्थिक प्रतिबंधों से बांग्ला देश में स्थिति को सुधारा जा सकता है ? अभी तो भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्ला देशियों को ही भारत सरकार निर्वासित नहीं कर पाई, यहां तक कि रोहिंग्या मुसलमान भी भारत के लिए जी का जंजाल बने हुए हैं। और तो और भारत का सुप्रीम कोर्ट रोहिंग्या बच्चों की भारत में शिक्षा के लिए चिन्तित है। भारत का लगभग समूचा विपक्ष अवैध मुस्लिम घुसपैठियों के साथ खड़ा है, ऐसे में मोदी कैसे निपटेंगे बांग्ला देश से?

– **डॉ जय प्रकाश गुप्ता**, अंबाला छावनी

बढ़ती दुर्घटनाएं

श्रद्धा और श्रद्धालुओं को नमन ! महाकुम्भ में करोड़ों श्रद्धालुओं ने गंगा-जमुना-सरस्वती की त्रिवेणी में डुबकी लगाकर पुण्य पाया. कोई हवाई जहाज से तो कोई रेल से, कोई बस से तो कोई निजी वाहनों से और कोई पदयात्रा करके प्रयागराज के महाकुम्भ रूपी कुम्भराज में पहुंचा. त्रिवेणी में डुबकी लगाई और पुण्य पाया अच्छी बात है. पर कुछ दुखद घटनाएं कुम्भ स्थल पर हुई तो कुछ वाहनों के दुर्घटना ग्रस्त होने से, कुछ भगदड़ से तो कुछ अनियंत्रित भीड़ के कारण. हाल ही में दिल्ली में रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में 18 यात्रियों की दुखद मृत्यु हो गई और 25 से अधिक घायल हो गए. कुम्भ के रास्ते बस टकराई और 10 लोग असमय काल के गाल में समा गए. कुंभ में आग लगने से टेंट के स्वाहा होने की घटनाएं भी घटीं। भगदड़,दुर्घटना आदि से श्रद्धालू कुम्भ पहुँचने से पूर्व या कुम्भ में अथवा कुम्भ स्नान से लौटते समय कुछ घटनाओं के कारण उसके शिकार हुए. परन्तु एक के बाद के बढ़ती दुर्घटनाएं चिंता का विषय भी बनती जा रही है. घटनाएं कुम्भा स्थल पर भगदड़ से सम्बंधित हो या सड़क अथवा रेलवे स्टेशन से सम्बंधित. सरकार की व्यवस्था में भी कमियों को नकारा नहीं जा सकता. हालांकि भीड़ को देखते हुए श्रद्धालुओं को भी संयम/धीरज बरतना चाहिए साथ ही अपनी सुरक्षा स्वयं करने की भी कोशिश करनी चाहिए।

– **शकुंतला महेश नेनावा**, इंदौर

सावधानी आवश्यक

अभी कुंभ में भारी भीड़ के चलते हुए भगदड़ के बाद दिल्ली स्टेशन पर कुंभ जाने वालों में भगदड़ के चलते 18 लोगों की मौत और 25 लोगों से अधिक के घायल होने के समाचार अत्यधिक विशाद जनक है। इस घटना को लेकर राजद नेता लालू प्रसाद यादव ने कहा फालतू है कुंभ। अब यदि यात्री और स्टेशन प्रशासन व्यवस्था में चूक रहे हैं तो इसमें कुंभ आयोजकों का क्या दोष है? धार्मिक आस्था के साथ-साथ अब सोशल मीडिया प्लेटफार्म से बड़ी संख्या में कुंभ का आकर्षण लोगों को लगातार अपनी ओर खींच रहा है! और लोग तकलीफ उठाकर भी कुंभ में जा रहे हैं और कुंभ कोई सेलिब्रेशन नहीं है! धर्म में आस्था वालों को कष्ट उठाने के लिए तैयार होना चाहिए !यदि वह 10 -20 किलोमीटर चलने की क्षमता रखते हैं तो ही कुंभ में जाने की सोचे खुद यूपी सरकार की सोच से अधिक लोग कुंभ में इकट्ठा हो गए है. सारी व्यवस्थाएं बौनी सिद्ध हो गई ऐसे में अब लोगों को कुछ समय रुक कर कुंभ का प्लान बनाना चाहिए!

– **विभुक्ति बुपक्या**, खाचरोद

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल pioneer.editorial@gmail.com पर भी भेज सकते है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुआ देर रात तक परिणाम वोटो की गिनती चली, अधिकृत घोषणा बेमेतरा में होगा

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का पहला चरण में बेमेतरा विकासखंड तथा नवागढ़ विकासखंड में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ और देर रात तक सभी मतदान केंद्रों में मतगणना का कार्य चला रहा और परिणाम की घोषणा अधिकृत रूप से बेमेतरा में जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत का किया जाएगा बेमेतरा जिला में त्रि-स्तरीय चुनाव पंचायत चुनाव का पहला चरण में बेमेतरा विकासखंड तथा नवागढ़ विकासखंड के अंतर्गत आने वाले पंच सरपंच जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत सदस्यों के लिए मतदान का कार्य सुबह 7:00 से प्रारंभ हो गया जो दोपहर निर्धारित समय 3:00 बजे तक कथा किंतु कुछ गांव में मतदाता की संख्या अधिक होने के कारण 3:00 बजे के बाद यद्यपि मतदान केंद्र के मुख्य द्वार बंद कर दिया गया, लेकिन जो मतदाता मतदान केंद्र के भीतर पहुंच गए थे वह देर शाम तक मतदान करते रहे। तदुपरांत कुछ देर के बाद मतदान स्थल पर ही पंच सरपंच जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत के वोटो की गिनती भी प्रारंभ हो गया जो देर रात तक की जारी रहा। यद्यपि चुनाव परिणाम के अधिकृत घोषणा विकासखंड स्तर पर जिला जनपद स्तर पर तथा जिला पंचायत स्तर पर किया जाएगा, लेकिन स्थानी पंच सरपंच के परिणाम के बारे में लोगों को वोट की गिनती के साथ ही पता चल गया। शुरुआती दौर पर मतदान 9:00 बजे तक के 12% मतदान हो गया था, वही 11:00 बजे तक लगभग साढे 29% तथा 1:00 बजे तक मतदान 48% हो गया था। इस चुनाव में युवा मतदाता से लेकर के बुजुर्ग मतदाता के साथ विकलांग मतदाता भी एवं अधिकारी कर्मचारी भी मतदान करने में भर चढ़कर हिस्सा लिया।

जिला बेमेतरा में मतदाताओं के लिए विशेष सुविधाएं-जिला बेमेतरा में चल रहे त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान मतदाताओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा मतदान केंद्रों पर पेयजल, छाँव, और व्हीलचेयर जैसी आवश्यक सुविधाओं की उचित व्यवस्था की गई है। यह प्रयास प्रशासन द्वारा चुनाव प्रक्रिया को सुगम और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। बाबा मोहतरा में आदर्श मतदान केंद्र बनाए गए थे। तेज धूप के मद्देनजर, मतदाताओं को धूप से बचाने के लिए छाँव की व्यवस्था भी की गई है। इसके साथ ही दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा हेतु व्हीलचेयर की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि वे बिना किसी कठिनाई के मतदान कर सकें। मतदान केंद्रों पर यह व्यवस्था देखकर मतदाता जिला प्रशासन से काफी संतुष्ट नजर आए। मतदान के बाद कई मतदाताओं ने जिला प्रशासन द्वारा की गई इन व्यवस्थाओं की सराहना की। एक मतदाता ने कहा, यह पहली बार है जब हमने मतदान केंद्र पर इतनी बेहतर सुविधाएं देखी हैं। हमें किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। प्रशासन ने सचमुच सराहनीय कार्य किया है। जिला प्रशासन का यह प्रयास मतदाताओं की सुविधा और चुनाव में अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से है। रणबीर शर्मा ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी बाधा के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। हमने हर वर्ग के मतदाताओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया करवाई हैं, ताकि मतदान प्रक्रिया सुगम और सहज हो। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से चल रही है, और प्रशासन द्वारा सभी व्यवस्थाओं पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

महाविद्यालय में आयोजित हुआ-स्टार्टअप्स एण्ड फ्यूचर करियर ऑपच्युरुनिटीज पर सेमिनार

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति द्वारा संचालित समाधान महाविद्यालय एवं आईटीआई में 'स्टार्टअप्स एण्ड फ्यूचर करियर ऑपच्युरुनिटीज' विषय पर सेमिनार आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में फूड्ग्राह इंटरनेशनल के फाउंडर व सीईओ एवं फूड्ग्राह प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर दुर्गेश गंजीर रायपुर से रहें। उन्होंने विचारों को साझा करते हुए कहा कि वातावरण की समस्या को पहचाने व उसका समाधान खोज कर स्टार्टअप प्रारंभ करें। करियर बनाने के लिए अपने रुचि व जुनून पर ध्यान दें। उसके पश्चात अपनी काबिलियत को प्रमाणित करें। इसके लिए सर्वप्रथम स्वयं से प्रश्न पूछे हैं कि मैं कौन हूं? तत्पश्चात् कार्य करने के यूनिक स्किल को खोजें और दुनिया को ग्लोबल विलेज की तरह देखें, तभी सही मायने में स्टार्टअप प्रारंभ कर पाएंगे। महोदय ने विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे ,जैसे-स्टार्टअप व बिजनेस में क्या अंतर हैं?, आपके पास कार्य करने के यूनिक स्किल कौन-सी हैं?, कार्य की चुनौतियों को आप किस प्रकार संभालेंगे? इन सभी प्रश्नों का उत्तर विद्यार्थियों ने सूझबूझ के साथ दिया। विद्यार्थी सेमिनार से प्रसन्न हुए तथा भविष्य में भी इस प्रकार के सेमिनार आयोजित कराने का सुझाव दिया। मंच का संचालन व सेमिनार की भूमिका को सहायक प्राध्यापक योगेश्वर सिन्हा ने रखा। अतिथि को महाविद्यालय के डायरी से सम्मानित किया गया। शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में राजेश गजपाल व गायत्री राजपूत रहें। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी उमेश सिंह राजपूत, आईटीआई की प्राचार्या आशा झा एवं समस्त सहायक प्राध्यापक निधि तिवारी, संगीता अग्रवाल, विनीता अग्रवाल, रूपेंद्र डहरिया, नंदिनी वर्मा, राजेश यादव, राजेंद्र वर्मा, श्रद्धा राजपूत, अंशु दत्ता, पूजा वर्मा, प्रणय सिंह राजपूत, रेशमा पटेल, शुभम गजभिये, हुतेन्द्र कुमार सिन्हा, होरीलाल देवांगन, कमलेश साहू व धर्मपाल नोन्हारे सहित समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थें।

ऑफिसर्स एसोसिएशन कार्यालय दल्ली राजहरा का उद्घाटन

पायनियर संवाददाता ◀ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

सिटीजन क्लब परिसर में ऑफिसर्स एसोसिएशन के नवनिर्मित कार्यालय का उद्घाटन 8 फरवरी को संपन्न हुआ। इस उद्घाटन समारोह में विपिन कुमार गिरी कार्यपालक निर्देशक, भिलाई इस्पात संयंत्र, आर बी गहरवार मुख्य महाप्रबंधक राजहरा खदान समूह, नरेंद्र कुमार बनछोर सेफी अध्यक्ष एवं नितेश छत्री उपाध्यक्ष खदान ऑफिसर एसोसिएशन के द्वारा संपन्न हुआ। नितेश छत्री ने बताया कि दल्लीराजहरा में ऑफिसर्स एसोसिएशन का कार्यालय नहीं होने से बैठक एवं अन्य कार्य हेतु समस्या का सामना करना पड़ता था। जिसके लिए अधिकारियों के द्वारा काफी लम्बे समय से ऑफिसर्स एसोसिएशन कार्यालय की मांग की जा रही थी द्य सेल प्रबंधन ने की जा रही मांग को उचित मानते हुए इसके लिए मंजूरी दी द्य मंजूरी मिलते ही दो वर्ष पूर्व इसकी नीव रखी गई थी। भवन निर्मित होने के उपरांत 8 फरवरी 2025 को ऑफिसर्स एसोसिएशन कार्यालय का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण उपरांत प्रथम बैठक ऑफिसर्स एसोसिएशन के नव निर्मित कार्यालय में रखी गई द्य जहां ऑफिसर्स एसोसिएशन डायरी 2025 का विमोचन किया गया। इस अवसर पर ऑफिसर्स एसोसिएशन अन्य सदस्यों जिनमे व्ही जी देवांगन, परविंदर सिंह, अंकुर मिश्रा, अखिलेश मिश्रा, तुषार सिंह, जेपी शर्मा, अमित, एसपी सिंह, शिरीष शुक्ला, मंगेश सेलकर समीर कुमार चौबे रमेश हेडऊ, एस एस रघुवंशी एवं अन्य अधिकारी गण भी उपस्थित थे।

अपने वैवाहिक वर्षगांठ पर नवाचारी शिक्षिका प्रतीक ने बच्चों के साथ मनाई खुशियाँ

काटा केक, बांटी मिठाई एवं उपहार में बच्चों को दिया पेन एवं ज्वेलरी सेट

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

साजा विकास खण्ड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रानो की नवाचारी शिक्षिका प्रतीक जैन ने अपने तेरहवीं वैवाहिक वर्षगांठ शाला में बच्चों के बीच मनाई। और इस अवसर को यादगार बनाने के लिए अपनी संस्था में एक छोटा सा आयोजन भी किया। इस अवसर पर दो अन्य बालिकाओं किरण वर्मा और ईशा साहू का जन्मदिन भी मनाया गया। तीनों ने मिलकर केक काटा तथा सभी बच्चों में केक एवं मिठाई वितरित किया गया। नवाचारी शिक्षिका ने इस अवसर पर कक्षा 6 एवं 7 के सभी बच्चों को पेन उपहार स्वरुप प्रदान किया तथा नृत्य में विशेष रूचि रखने वाले दस बच्चों को चेन एवं टॉप्स भी प्रदान किये। इस आयोजन से बच्चे काफी खुश और उत्साहित हुए। नवाचारी शिक्षिका प्रतीक जैन इस तरह का आयोजन अपने विद्यालय में लगातार करती रहती हैं तथा अपने जन्मदिन पर भी उन्होंने अपनी संस्था को साउंड सिस्टम एवं बच्चों को पेन प्रदान किया था। इसके अतिरिक्त नवाचारी शिक्षिका प्रतीक जैन, समाज में जागरूकता लाने के लिए भी आत्महत्या एवं दिव्यांगता जैसे गंभीर मुद्दों पर भी अनवरत कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका कनकलता सरसुधे और शिक्षक व संकुल समन्वयक सरोज कुमार यदु सहित सभी बच्चे उपस्थित थे।

विजय प्राप्त करने के पश्चात् मीना वर्मा नवनिर्वाचित पालिकाध्यक्षा ने निकाली आभार रैली

पायनियर संवाददाता ◀ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

नगरपालिका परिषद कुम्हारी के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की आशातीत सफलता से नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। नगरपालिका की नवनिर्वाचित अध्यक्ष मीना वर्मा ने आभार रैली निकालकर नगर के लोगों का आभार व्यक्त किया। प्रातः 10.30 बजे अध्यक्ष मीना वर्मा ने कांजी हाउस के हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना कर वार्ड क्रमांक 01 से रैली की शुरुआत की, खुली जीप में बैठकर उन्होंने सभी वार्डों के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया एवं इस जीत का श्रेय सभी नगरवासियों को देते हुए सभी का आभार माना रैली के दौरान उन्होंने कहा कि आपने मुझे अपना अमूल्य मत देकर जीत दिलाई है उसके लिए मैं सदैव आपकी ऋणी रहूंगी मैं सदैव आपकी सेवा में तत्पर रहूंगी और आप सभी के विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करूंगी। कुम्हारी के तमाम वार्डों के अलावा रामपुर चोरहा, जजंगिरी, कुगदा एवं परसदा पहुंचकर सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया इस बीच उन्होंने वार्ड क्रमांक 18 के खारुन ग्रीन्स कॉलोनी स्थित कुबेरेशर धाम मंदिर में पूजा अर्चना की। इस आभार रैली में उनके साथ खिलावन साहू, योगेश साहू, राकेश पाण्डेय, मिथलेश यादव, तृप्ति चन्द्राकर, रामाधार शर्मा, रीता पाण्डेय एवं अमरजीत सिंह गिल सहित नवनिर्वाचित पार्षदों में लोकेश साहू, अश्वनी देशलहरे, आर. प्रवीण राव, हरिदास वैष्णव, डिकेश पटेल, उमाकांत साहू, रितिका मिथलेश यादव, उमेश्वरी साहू, लता पुनेश साहू, हेमलता धीवर एवं ममता साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावः जिला बेमेतरा में मतदाताओं के लिए विशेष सुविधाएं

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

जिला बेमेतरा में चल रहे त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान मतदाताओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा मतदान केंद्रों पर पेयजल, छाँव, और व्हीलचेयर जैसी आवश्यक सुविधाओं की उचित व्यवस्था की गई है। यह प्रयास प्रशासन द्वारा चुनाव प्रक्रिया को सुगम और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया कि प्रत्येक केंद्र पर पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो। तेज धूप के मद्देनजर, मतदाताओं को धूप से बचाने के लिए छाँव की व्यवस्था भी की गई है। इसके साथ ही दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा हेतु व्हीलचेयर की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि वे बिना किसी कठिनाई के मतदान कर सकें। मतदान केंद्रों पर यह व्यवस्था देखकर मतदाता जिला प्रशासन से काफी संतुष्ट नजर आए। मतदान के बाद कई मतदाताओं ने जिला प्रशासन द्वारा की गई इन व्यवस्थाओं की सराहना की। एक मतदाता ने कहा, ÷यह पहली बार है जब हमने मतदान केंद्र पर इतनी बेहतर सुविधाएं देखी हैं। हमें किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। प्रशासन ने सचमुच सराहनीय कार्य किया है। जिला प्रशासन का यह प्रयास मतदाताओं की सुविधा और चुनाव में अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से है। रणबीर शर्मा ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी बाधा के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। हमने हर वर्ग के मतदाताओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया करवाई हैं।

ग्राम गुनरबोड में एडीएम डॉ. अनिल वाजपेयी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अंकिता गर्ग एवं एसडीएम दिव्या पोटाई ने किया मताधिकार का प्रयोग

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के अंतर्गत ग्राम गुनरबोड में शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित मतदान की प्रक्रिया संपन्न हुई। इस मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए आम जनता को अपने लोकतांत्रिक कर्तव्यों के प्रति प्रेरित किया। एडीएम डॉ. अनिल वाजपेयी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अंकिता गर्ग, और एसडीएम दिव्या पोटाई ने ग्राम गुनरबोड के मतदान केंद्र पर पहुँचकर लाइन में खड़े होकर अपने वोट डाले। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए खुद मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लिया और मतदाताओं से शांतिपूर्ण मतदान की अपील की। मतदान के दौरान केंद्र पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। जिला प्रशासन द्वारा चुनाव को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। अधिकारियों ने मतदान केंद्र का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और चुनाव कार्यकर्ताओं से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अंकिता गर्ग ने कहा, लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर मतदाता का योगदान आवश्यक है, और सभी को बिना किसी भय के अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। एसडीएम दिव्या पोटाई ने भी मतदाताओं से अपील की कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अपने अधिकार का उपयोग करें। मतदान के दौरान सुरक्षा बल तैनात रहे और प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। अधिकारियों के इस कदम ने स्थानीय नागरिकों में आत्मविश्वास जगाया और चुनाव प्रक्रिया में जनता की भागीदारी को बढ़ावा दिया। त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के अंतर्गत, बेमेतरा जिले में मतदाताओं ने भारी संख्या में मतदान किया और लोकतांत्रिक प्रणाली में अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

आंदू में दिव्यांग लछनी निषाद ने व्हीलचेयर पर बैठकर किया मतदान, बनी प्रेरणा का स्रोत

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के अंतर्गत ग्राम पंचायत आंदू में लोकतंत्र के प्रति उत्साह और कर्तव्यनिष्ठा का एक अनुकरणीय उदाहरण देखने को मिला। यहां की निवासी लछनी निषाद, जो शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं, ने व्हीलचेयर पर बैठकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया और लोकतंत्र के प्रति अपनी निष्ठा को दर्शाया। लछनी निषाद की मतदान के प्रति प्रतिबद्धता और संकल्प ने न केवल वहां मौजूद लोगों को बल्कि पूरे समाज को प्रेरित किया। उनका मतदान केंद्र तक पहुंचना और वोट डालना इस बात का उदाहरण है कि शारीरिक अक्षम्यता भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी की राह में बाधा नहीं बन सकती। लछनी ने अन्य मतदाताओं को यह संदेश दिया कि अपने अधिकारों का प्रयोग करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है, चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों। मतदान केंद्र पर प्रशासन ने विशेष रूप से लछनी निषाद के लिए सुविधाजनक इंतजाम किए थे, ताकि वे बिना किसी असुविधा के अपना वोट डाल सकें। व्हीलचेयर की व्यवस्था और मतदान केंद्र पर रैंप की सुविधा ने उन्हें आरामदायक और सुरक्षित मतदान प्रक्रिया का अनुभव कराया। लछनी निषाद ने मतदान के बाद कहा, चुनाव में भाग लेना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं चाहती हूँ कि सभी लोग, चाहे वो किसी भी स्थिति में हों, अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। यह हमारा अधिकार है और इसे निभाना हमारी जिम्मेदारी। उनके इस कदम ने स्थानीय नागरिकों में जागरूकता और प्रेरणा का संचार किया। वहां मौजूद अधिकारियों और मतदानकर्मियों ने भी लछनी निषाद के जज़्बे की सराहना की। यह घटना उन लोगों के लिए एक प्रेरणा है, जो विभिन्न कारणों से मतदान में भाग लेने से हिचकिचाते हैं। ग्राम पंचायत आंदू में त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ, जिसमें सभी वर्गों के मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लछनी निषाद जैसी प्रेरणादायक व्यक्तियों ने लोकतंत्र के महत्त्व को और भी गहरा कर दिया, जो आने वाले समय में सभी के लिए एक मिसाल के रूप में कायम रहेगी।

निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर दी अहम निर्देश

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने किया विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

बेमेतरा और नवागढ़ ब्लॉक में त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के अंतर्गत प्रथम चरण का चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस दौरान, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा ने जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और चुनाव व्यवस्था को लेकर अधिकारियों से जरूरी निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत ढोलिया, चारभाटा, अंधीयारखोर और नवागढ़ के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा, स्वच्छता, मतदान की प्रक्रिया और अन्य व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी अंकिता गर्ग, एडीएम अनिल वाजपेयी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर रणबीर शर्मा के द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान, उन्होंने चुनाव की प्रक्रिया को शांतिपूर्वक और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किसी भी मतदाता को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने सेक्टर अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि मतदान केंद्रों पर पर्याप्त मतदान सुविधाएं उपलब्ध रहें और किसी भी प्रकार की व्यवधान की स्थिति उत्पन्न न हो। कलेक्टर ने अपने दौरे के दौरान विभिन्न मतदान केंद्रों पर मौजूद मतदान अधिकारियों से मतदान प्रक्रिया की स्थिति के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही, उन्होंने मतदाताओं से भी संवाद किया और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। कलेक्टर ने यह भी सुनिश्चित किया कि मतदाता कतार में खड़े होकर शांतिपूर्वक मतदान करें और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। उन्होंने चुनाव कर्मचारियों से कहा कि वे मतदान प्रक्रिया के दौरान पूरी सतर्कता और ईमानदारी से काम करें ताकि चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्वक संपन्न हो। इसी दौरान, कलेक्टर ने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से भी बातचीत की और मतदान केंद्रों की सुरक्षा पर जोर दिया। कलेक्टर ने कहा कि चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए सभी जरूरी कदम उठाए गए हैं, ताकि मतदाता बिना किसी भय के मतदान कर सकें और चुनाव प्रक्रिया में कोई अव्यवस्था न हो। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने मतदान एजेंटों से भी बातचीत की और उन्हें शांति से चुनाव कराने का संदेश दिया। उन्होंने मतदान एजेंटों को इस बात की हिदायत दी कि वे अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया को सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने ने चुनाव कार्य में लगे सभी कर्मचारियों का हौसला बढ़ाया और उन्हें प्रेरित किया कि वे अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से निभाएं। कलेक्टर ने कहा कि यह चुनाव लोकतंत्र की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है और हमें इसे पूरी ईमानदारी से संपन्न करना है। उन्होंने कहा, हमारा मुख्य उद्देश्य यह है कि इस चुनाव में हर मतदाता बिना किसी परेशानी के अपना मतदान कर सके और चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष और शांति से संपन्न हो।

सम्मान समारोह का आयोजन

दल्लीराजहरा। तहसील साहू संघ दल्ली राजहरा ने नवनिर्वाचित नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा के अध्यक्ष तोरण लाल साहू का सम्मान समारोह का आयोजन स्थानीय साहू सदन में किया गया। दल्लीराजहरा तहसील साहू संघ में पन्द्रह परिक्षेत्र के अध्यक्षगणों एवं समस्त पदाधिकारियों के द्वारा क्रमवार गुलदस्ता भेंटकर सम्मान किया गया। तहसील साहू संघ, महिला प्रकोष्ठ, न्याय प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ के द्वारा सम्मान किया गया। तोरण लाल साहू के कहा मैं तहसील साहू संघ के अध्यक्ष के पद का निर्वाह कर चुका हूँ, मुझे समाज से बहुत लगाव है। आप सभी लोगों का सहयोग हमेशा मुझे मिला है। विजय मिला वह दल्लीराजहरा के मतदाताओं का है। समाज के लिए जो कार्य हो मैं करने को हमेशा तैयार हूँ। स्वागत भाषण तहसील साहू संघ अध्यक्ष युवराज साहू ने दिया पूर्व विधायक विरेन्द्र साहू, पूर्व विधायक प्रीतम साहू विशेष अतिथि थे। मंच संचालन रेखू राम साहू ने किया। आभार घना राम साहू ने किया। आयोजन में अंजू साहू, द्रौपती साहू,सत्या साहू, रूप लाल साहू अजीत साहू, पीयूष साहू, किशन सूदर्शन साहू, छन्नू साहू, मनोहर साहू, पुरुषोत्तम साहू, पूर्णिमा साहू, खूब लाल साहू, राधा साहू, विमला साहू, शीतल साहू, दामिनी साहू, गायत्री साहू, नवीन साहू, निर्मल साहू, गजेंद्र साहू सहित सैकड़ों की संख्या में साहू समाज के लोग उपस्थित थे।

पहले चरण के मतदान में डौंडी और डौंडीलोहारा ब्लॉक में 71.39 फीसदी मतदान

कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने विभिन्न मतदान केन्द्रों में पहुँचकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

■ **बालोद जिले में त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन के अंतर्गत पहले चरण का मतदान सफलतापूर्वक संपन्न-**

पायनियर संवाददाता ◀ बालोद
www.dailypioneer.com

त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन के अंतर्गत जिले में सोमवार को पहले चरण का मतदान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पहले चरण के अंतर्गत जिले के डौंडीलोहारा एवं डौंडी ब्लॉक के सभी मतदान केन्द्रों में बिना किसी अवरोध के शांतिपूर्ण ढंग से एवं निर्विघ्न रूप से मतदान संपन्न हुआ। दोपहर तीन बजे तक मतदान का कुल प्रतिशत 71.39 फीसदी रहा। वही पुरूष मतदाता की अपेक्षा महिला मतदाताओं ने बढ़चढ़कर वोट डाले। उक्त दोनों ब्लाकों के सभी मतदान केन्द्रों के निर्धारित समय सुबह 7 बजे से मतदान प्रारंभ हो गया था। मतदान अधिकारियों के द्वारा निर्वाचन अभिकर्ताओं की उपस्थिति में मतदान का कार्य नियत समय में आरंभ कर दिया गया था। पहले चरण के अंतर्गत जिले के डौंडीलोहारा एवं डौंडी विकासखंड में संपन्न मतदान के दौरान सभी वर्ग के मतदाताओं ने लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर कर हिस्सा लेते हुए पूरे जोश एवं उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान केन्द्रों में पुरूष एवं महिला मतदाताओं के अलावा बुजुर्ग, दिव्यांग, युवा आदि सभी वर्ग के मतदाताओं ने आज सुबह से ही उपस्थित होकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वही मतदान दिन के पूर्व रविवार को धोतिमटोला में हुए विवाद में बाद दारुटोला में मतदान केंद्र को शिफ्ट किया गया था, जहां सोमवार को 371 मतदाता के मुकाबले 49 मत पड़े।

कलेक्टर व सीईओ ने मतदान केंद्र का किया अवलोकन-इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने डौण्डी ब्लॉक के मतदान केन्द्र पथराटोला में पहुँचकर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने पीठासीन अधिकारी एवं मौके पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों से आवश्यक जानकारी भी ली। इंद्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने मतदान केन्द्र में उपस्थित मतदाताओं से भी मतदान केन्द्र के व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। इसके साथ ही जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं रिटर्निंग अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने डौंडी ब्लॉक के मतदान केन्द्र अड़जाल, कोटागांव, गुजरा, कुसमुकसा, कुमुड़कट्टा आदि मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

युवा मतदाताओं ने भी किया बढ़ चढ़कर हिस्सा-सोमवार को हुए संपन्न मतदान के दौरान युवा मतदाताओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला। इसके अंतर्गत ग्राम दानीटोला के मतदान केन्द्र क्रमांक 21 में युवा मतदाता सुधा, लालिमा ठाकुर, मीनाक्षी मंडावी, दामिनी एवं कीर्ति आदि युवा महिला मतदाता एक साथ मतदान केन्द्र में पहुँचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि उन्हें पहली बार त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन के अंतर्गत अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। इन सभी युवा मतदाताओं ने इस पल को अपने लिए अविस्मरणीय बताते हुए जिले के सभी मतदाताओं से अनिवार्य रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। इसी तरह दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाता भी आज अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए पीछे नही रहे। इसी कड़ी में ग्राम दानीटोला के मतदान केन्द्र क्रमांक 22 में बुजुर्ग दिव्यांग मतदाता रमेश कुमार रावटे ने अपने शारीरिक असमर्थता के बावजूद अपने परिजनों के साथ मतदान केन्द्र में पहुँचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग कर देश के लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए।

की गई थी बैठक एवं छांव की व्यवस्था- बकलीटोला के मतदान केन्द्र क्रमांक 17 में मतदान करने पहुँचे मतदाताओं ने मतदान केन्द्र की बेहतर व्यवस्था की भूरी-भूरी सराहना की। उल्लेखनीय है कि मतदान केन्द्र बकलीटोला में मतदाताओं के लिए बैठक एवं छांव इत्यादि की समुचित व्यवस्था की गई थी। जिसमें मतदाताओं ने छांव में विश्राम कर अपनी बारी आने पर क्रमशः अपने मताधिकार का प्रयोग किया। बकलीटोला मतदान केन्द्र की सराहना वहाँ उपस्थित बुजुर्ग मतदाता रतन लाल, युवा मतदाता शेखर कुमार एवं महिला मतदाता वंदना एवं नीलम ने करते हुए यहाँ की व्यवस्था को बहुत ही सराहनीय बताया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल के निर्देशानुसार उप जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्रकांत कौशिक सहित सभी रिटर्निंग अधिकारी, नोडल अधिकारी, मास्टर ट्रेनर्स एवं पुलिस के आला अधिकारी ने मतदान केन्द्रों का लगातार दौरा कर मतदान को सफ्लतापूर्वक संपन्न कराने हेतु व्यवस्थाओं का निरंतर मॉनिटरिंग करते रहे। सभी मतदान केन्द्रों में मतदान समाप्ति के पश्चात् मतदान अधिकारियों के द्वारा निर्धारित प्रक्रिया को पूरी करने के पश्चात् निर्वाचन अभिकर्ताओं की उपस्थिति में मतगणना के कार्य को आरंभ कर दिया गया।

महिलाओं में दिखाई जागरूकता-पुरूष मतदाता की अपेक्षा महिला मतदाताओं ने जागरूकता दिखाते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। डौंडी जनपद अंतर्गत 25 हजार 560 पुरूष और 27 हजार 769 महिला मतदाता तथा डौंडीलोहारा जनपद अंतर्गत 56 हजार 928 पुरुष मतदाता और 61 हजार 293 महिला मतदाताओं ने मत डाले है। बता दे कि डौंडी में 39 हजार 87 पुरूष व 41 हजार 978 महिला एवं डौंडीलोहारा में 79 हजार पुरूष व 80 हजार 232 महिला मतदाता हैं।

मतदान प्रतिशत

9 बजे तक मतदान- 16.19 प्रतिशत
11 बजे तक मतदान- 34.41 प्रतिशत
1 बजे तक मतदान- 54.29 प्रतिशत
3 बजे तक मतदान- 71.39 प्रतिशत

फैक्ट फाइल- डाले गए मत

जनपद	पुरुष	महिला	प्रतिशत
डौंडीलोहारा	56928	61293	74.24
डौंडी	25560	27769	65.78

कौन बनेगा उपाध्यक्ष, सक्ती जिले के नगरीय निकायों में उपाध्यक्ष को लेकर जोड़-तोड़ शुरू

पायनियर संवाददाता ◀ सक्ती
www.dailypioneer.com

नगरीय निकाय निर्वाचन 2025 अंतर्गत् सुबह 9 बजे से जिले के 6 नगरीय निकायों का मतगणना कार्य सम्पन्न हुआ। उप जिला निर्वाचन अधिकारी के एस पैकरा से प्राप्त जानकारी अनुसार नगर पालिका परिषद सक्ती में निर्दलीय प्रत्याशी श्यामसुन्दर अग्रवाल ने अध्यक्ष पद के लिए जीत हासिल की। इसी तरह नगर पंचायत डभरा में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी दीपक कंवलधर प्रसाद साहू ने अध्यक्ष पद के लिए जीत हासिल की, नगर पंचायत नया बाराद्वार में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी नारायण कुर्रे ने अध्यक्ष पद के लिए जीत हासिल की, नगर पंचायत अड़भार में इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी कृष्णा रात्रे ने अध्यक्ष पद के लिए जीत हासिल की, नगर पंचायत चंद्रपुर में प्रत्याशी ओम प्रकाश देवांगन ने अध्यक्ष पद के लिए जीत हासिल की और नगर पंचायत जैजैपुर में निर्दलीय प्रत्याशी बलराम चंद्रा ने अध्यक्ष पद के लिए जीत हासिल की है।

उपाध्यक्ष चुनाव को लेकर जोड़-तोड़ शुरू

पायनियर संवाददाता ◀ सक्ती
www.dailypioneer.com

सक्ती- निकायों के अध्यक्ष निर्वाचन संपन्न होने के बाद अब सभी स्थानों पर उपाध्यक्ष को लेकर भी जोड़ तोड़ शुरू हो गई है,प्रत्येक नगरीय निकायों में उपाध्यक्ष का चुनाव पार्षदों द्वारा किया जाएगा एवं निकायों में पार्षदों के बहुमत के आधार पर उपाध्यक्ष चुना जाता है किंतु वर्तमान में देखा जाए तो शक्ति जिले की सभी 6 नगरीय निकायों में स्थितियां समझ से बाहर है, तथा कौन सी राजनीतिक पार्टी अपना उपाध्यक्ष बनने में कामयाब हो पाएगी या की उपाध्यक्ष पद पर भी निर्दलीय पार्षदों का कब्जा रहेगा इसे लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है।

सरायपाली के सभी ग्राम पंचायत में शांतिपूर्ण मतदान, मतदाताओं में काफी उत्साह

पायनियर संवाददाता ◀ सरायपाली
www.dailypioneer.com

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत विकास खंड के सभी ग्राम पंचायतों में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। लोकतंत्र के इस महापर्व में हर उम्र के मतदाता पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। जनपद पंचायत सरायपाली अंतर्गत जनपद पंचायत सदस्यों की संख्या 25, सरपंचों की संख्या 107 एवं पंचों की संख्या 1391 है। जिसमें से 1058 पंच निर्विरोध निर्वाचित हुए है। वहीं सरपंच के 13 पद एवं जनपद सदस्य एक निर्विरोध निर्वाचित हुए है। निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों में पंच के 730, सरपंच 337, जनपद सदस्य के 92 अभ्यर्थी मैदान में थे। वहीं जनपद पंचायत अंतर्गत 107 ग्राम पंचायतों में एक लाख 41 हजार 618 मतदाताओं में से कुल 83 हजार 883 (59.23 प्रतिशत) मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग करते हुए अपनी भागीदारी निभाई। जिसमें पुरुष मतदाता 52.94 प्रतिशत व महिला मतदाता 65.44 प्रतिशत शामिल है। ग्राम पंचायत कुटेला की मिथीला साहू 84 वर्ष, नवागढ़ की एरमशाही 75 वर्षीय ने उम्र के इस पड़ाव में भी मतदान केंद्र तक पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र में अपनी जिम्मेदारी निभाई। इसी प्रकार सराईपाली के ग्राम जंगलबेड़ा की निवासी बिनोदिनी प्रधान ने शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, जंगलबेड़ा में बने मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया। मतदान करने के बाद उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक की भागीदारी बेहद जरूरी है, और यह अनुभव उनके लिए खास रहा। उन्होंने अन्य युवाओं से भी अपील की कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करें और देश के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत बनाएं। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। लोग शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे और प्रशासन द्वारा की गई बेहतरीन व्यवस्था से मतदान प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो रही है। चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए है।

प्रचंड जनादेश पर उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन बोलेः एक साल के विकास पर जनता ने लगाई अटल विश्वास की मुहर

कोरबा जिले के 5 नगरीय निकाय में भाजपा की एतिहासिक जीत पर सभी नव निर्वाचित महापौर व अध्यक्ष,भाजपा के जिलाध्यक्ष की प्रेसवार्ता

पायनियर संवाददाता ◀ कोरबा
www.dailypioneer.com

कोरबा नगर पालिक निगम और कोरबा जिले के अन्य 4 नगरीय निकायों में भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत के बाद प्रेस क्लब तिलक भवन में मीडिया से चर्चा करते हुए मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि ये जीत कोरबा शहर के एक-एक नागरिक की है। कांग्रेस बीते 10 साल से लोगों को सिर्फछलावा करती रही, बीते निगम चुनाव में भी जनता ने कांग्रेस को सबक सिखाया था, लेकिन खरीद परोख्त कर निगम में कांग्रेस ने अपनी सरकार बना ली थी। कांग्रेस के कार्यकाल में मूलभूत समस्याओं के लिए जनता ने समस्या झेली। भाजपा की विष्णु सरकार आने के बाद कोरबा नगर निगम क्षेत्र में रुके कार्यों में तेज़ी आई। एक साल में 400 करोड़ के कार्यों की स्वीकृति मिली, सभी कार्यों की आधारशिला रखी गई। मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन में हर वर्ग में खुशहाली आई है। एक साल के विकास पर जनता ने अटल विश्वास की मुहर लगाई है। मंत्री देवांगन ने कहा कि यह चुनाव माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी और संगठन के शीर्ष नेतृत्व में यह प्रचंड जीत मिली है। मंत्री देवांगन ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद हमारी ताकत दोगुनी हुई है। शासन से अधिक फंड अब कोरबा निगम को मिलेगा, जिससे विकास कार्यों को रफ्तार मिलेगी।

मंत्री देवांगन ने कोरबा जिले में नए उद्योग लगाने को लेकर सवाल पर कहा की माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में बनी नई औद्योगिक नीति की चर्चा और सराहना आज देश भर में है। हमारा प्रयास है कि कोरबा के साथ-साथ पूरे प्रदेश में नए उद्योगों की स्थापना हो। कोरबा में एल्युमिनियम पार्क की जल स्थापना के लिए तेजी से कार्य किया जा रहे हैं। जमीन आबंटन के लिए पत्र लिखा गया है। इस अवसर पर राजेंद्र राजपूत नवनिर्वाचित अध्यक्ष, नगर पालिका दीपका,सोनी झा नवनिर्वाचित अध्यक्ष, नगर पालिका बांकीमोंगरा, पदमिनी देवांगन नवनिर्वाचित अध्यक्ष, नगर पंचायत छुरीकला, अजय जायसवाल नवनिर्वाचित अध्यक्ष, नगर पंचायत पाली, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रफु ल्ल तिवारी, वार्ड क्रमांक 18 के पार्षद नरेंद्र देवांगन समेत अन्य उपस्थित रहे।

हर जन अपेक्षाएं होंगी पूरीः महापौर संजू देवी राजपूत

नवनिर्वाचित महापौर मती संजू देवी राजपूत ने कहा कि नगर निगम से जितनी भी जन अपेक्षाएं हैं, उन सभी को पूरा करने के लिए ग्रीन संकल्पित होकर कार्य किया जाएगा। नगर निगम को जन सेवा का मंदिर मानकर काम किया जाएगा। हमारे प्रयास होगा कि शहर के सभी 67 वार्डो का विकास कार्य एक साथ हो।

जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा ने जताया आभार

भाजपा के जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा ने मीडिया के माध्यम से कोरबा समेत सभी पांच निकायों में मिली ऐतिहासिक जीत के लिए जनता और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस प्रत्याशी सुमन गोस्वामी ने बेमेतरा नगर की जनता का आभार व्यक्त किया

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

नगर पालिका चुनाव में कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद प्रत्याशी रहे सुमन गोस्वामी ने नगर पालिका चुनाव में कांग्रेस पार्टी को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्हें जनता का जनादेश स्वीकार है,जनता का भरपूर आशीर्वाद उन्हें और पार्टी को मिला है । कांग्रेस पार्टी पूर्व विधायक एवं कार्यकारी जिलाध्यक्ष आशीष छाबड़ा के नेतृत्व मे एकजुट होकर चुनाव लड़ी,जनता ने कांग्रेस को विपक्ष का जो जनादेश दिया है हम पूरी निष्ठा से उसे निभाएंगे। बेमेतरा में विकास के लिए कांग्रेस सकारात्मक विपक्ष की भूमिका का निर्वहन करेगी, जनहित के मुद्दों पर कांग्रेस एक सशक्त विपक्ष की भूमिका में नजर आएगी। नगर पालिका अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे सुमन गोस्वामी ने सभी विजयी उम्मीदवारों को अपनी ओर से बधाई देते हुए कहा है कि उन्हें उम्मीद है भाजपा द्वारा नगरी निकाय चुनाव में जो घोषणा पत्र जारी किया गया है उसे वह जल्द पूरा करेगी ।बेमेतरा नगर पालिका क्षेत्र में हुई हार की समीक्षा की जाएगी तथा आवश्यक जो भी कदम उठाने होंगे वह उठाए जाएंगे।

ग्राम बालसमुंद के राजाराम साहू ने किया मतदान, बने समाज के प्रेरणास्त्रोत

बेमेतरा। ग्राम बालसमुंद के निवासी 82 वर्षीय राजाराम साहू ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में मतदान कर समाज को एक प्रेरणास्त्रोत प्रस्तुत किया है। अपनी उम्र के इस पड़ाव पर भी उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया और युवाओं के लिए एक आदर्श प्रस्तुत किया। राजाराम साहू ने मतदान के महत्व को समझते हुए यह संदेश दिया कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर नागरिक का योगदान आवश्यक है।

कुसमी नगर पंचायत अध्यक्ष के विजय रैली में शामिल हुए पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा कुसमी नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर कांग्रेस प्रत्याशी चंद्र प्रकाश साहू एवं पार्षदों के विजय होने पर निकले गए विजय रैली में शामिल हुए पूर्व विधायक ने कुसमी नगर पंचायत की आम जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ नगर पंचायत में कांग्रेस को चुना है उनका विश्वास कायम रखना कांग्रेस की जिम्मेदारी है पूर्व विधायक ने आम जनता को विश्वास दिलाया कि उन्होंने जिस विश्वास के साथ चंद्र प्रकाश साहू को कुसमी नगर पंचायत का अध्यक्ष चुना है उसे वह सही साबित करके दिखाएंगे जनहित के लिए जो भी करना पड़ेगा वह सभी कदम उठाएंगे कुसमी नगर की जनता ने आज यह बता दिया कि कांग्रेस ने कुसमी ग्राम पंचायत को नगर पंचायत बनाया था कुसमी का विकास किया था और इस विकास के बदले में जनता ने नगर पंचायत की बागडोर कांग्रेस प्रत्याशी को सौंप है जो इस बात को दर्शाता है कि जनता का विश्वास कांग्रेस के साथ है इस दौरान भारी संख्या में कुसमी नगर वासी तथा कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे कार्यक्रम में मुख्य रूप से विजय पारख पर्यवेक्षक नगर पंचायत कुसमी चंद्र प्रकाश साहू अध्यक्ष नगर पंचायत कुसमी ललित विश्वकर्मा प्रभारी महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा राधेश्याम देवांगन पार्षद रमशिला साहू पार्षद राजकुमारी साहू पार्षद स्वतंत्र कुमार साहू पार्षद नागेंद्र साहू पार्षद शेष कुमारी साहू धनुष बारले पुनीत राम साहू संतोष साहू तखत राम साहू सरोजिनी साहू रमाकांत साहू नवीन कुमार साहू होमलाल साहू तिजुराम साहू भोगबाई साहू उमाशंकर साहू चंद्रशेखर दुबे गिरधर साहू वीरेंद्र साहू मंगल जैन सहित कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत जेवरी और पथर्रा में शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्नः संवेदनशील क्षेत्र में भी मतदान का उत्साह

पायनियर संवाददाता ◀ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

बेमेतरा जिले में त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव शांति और सुव्यवस्था के बीच संपन्न हो रहा है। इस क्रम में ग्राम पंचायत जेवरी और पथर्रा, जो संवेदनशील क्षेत्र के रूप में चिन्हित हैं, में भी शांतिपूर्ण रूप से मतदान प्रक्रिया चल रही है। दो अलग-अलग स्थानों पर चुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा किया गया था बाद में सभी ने मतदान किया प्रशासन द्वारा इन क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतते हुए मतदान के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन ने इन क्षेत्रों में किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी और विशेष निगरानी दल के द्वारा पूरे मतदान प्रक्रिया की देखरेख की जा रही है। जिला प्रशासन ने मतदाताओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा है। मतदान केंद्रों पर पानी, छाया, और बुजुर्गों तथा दिव्यांगों के लिए सहायता की भी उचित व्यवस्था की गई है। ग्राम पंचायत जेवरी और पथर्रा में मतदाताओं के बीच मतदान को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। सुबह से ही लोग लंबी कतारों में खड़े होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। युवा, बुजुर्ग, महिलाएं और दिव्यांग सभी इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। ग्राम पंचायत जेवरी के मतदान केंद्र के प्रभारी ने बताया कि अब तक मतदान शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से चल रहा है, और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। पथर्रा के केंद्र प्रभारी ने भी कहा कि मतदाता पूरी जागरूकता और जिम्मेदारी से मतदान कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे बिना किसी भय के अपने मताधिकार का प्रयोग करें और चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने में सहयोग दें। जिला कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा ने बताया कि प्रशासन की ओर से सुरक्षा और सुविधा के सारे प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकार, संवेदनशील माने जाने वाले जेवरी और पथर्रा में भी लोकतंत्र का पर्व शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो रहा है।

विकलांग विवाह के अंतर्गत शादीशुदा विकलांग जोड़ों को सम्मानित किया गया

15 वां राज्य स्तरीय नि :शुल्क विकलांग सामूहिक विवाह, 31 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

पायनियर संवाददाता ◀ सक्ती
www.dailypioneer.com

अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद छत्तीसगढ़ प्रांत, रायपुर सेंट्रल मारवाड़ी युवा मंच, कान्यकुब्ज सभा व शिक्षा मंडल एवं सीनियर सिटीजन वेलफेयर फोरम रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में राज्य स्तरीय विकलांग युवक युवती सामूहिक विवाह के इस आयोजन में 31 जोड़ों का विवाह आशीर्वाद भवन बैरन बाजार रायपुर में रविवार को संपन्न हुआ लगातार 15 वीं बार आयोजित सामूहिक विवाह में 31 जोड़ों का विवाह कराया गया,संयोजक वीरेंद्र पांडे, छत्तीसगढ़ प्रांत विकलांग चेतना परिषद के अध्यक्ष सत्येंद्र अग्रवाल एवं कार्यक्रम संयोजक घनश्याम पोद्दार ने बताया कि इस निशुल्क सामूहिक के मुख्य अतिथि के रूप मे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, कार्यक्रम अध्यक्ष पूर्वमंत्री बृजमोहन अग्रवाल सांसद रायपुर, समारोह भूषण डॉ विनय पाठक राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विकलांग चेतना परिषद एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी चतुर्भुज अग्रवाल, के अलावा कार्यक्रम संयोजक वीरेंद्र पांडे कान्यकुब्ज सभा एवं शिक्षा मंडल के अध्यक्ष अरुण शुक्ला, सचिव सुरेश मिश्रा, विकलांग चेतना परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष सत्येन्द्र अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री संतोष तिवारी, राष्ट्रीय महामंत्री मदन मोहन अग्रवाल, कार्यक्रम के सहसंयोजक एवम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुराधा दुबे, सीनियर सिटीजन के अध्यक्ष प्रकाश सुराधनवार, मारवाड़ी युवा मंच के सचिव त्रिपद जैन उपस्थित थे। इससे पूर्व आर्य समाज के छत्तीसगढ़ प्रमुख आचार्य जगबंधु, द्वारा अपने 25 सह आचार्य के सहित वैदिक रीति रिवाजों व पूरे पारंपरिक परिधान में सजे विकलांग विवाह युवक-युवतियों का सामूहिक विवाह संपन्न करायागया, समारोह में अंतरजातीय विवाह भी हुए मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं पूर्व मंत्री एवम रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि विकलांगों को समाज की मुख्यधारा में जोड़कर विकलांग चेतना परिषद ने सराहनीय कार्य किया है विकलांगों की सेवा ही सबसे बड़ी मानव सेवा है,इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के समक्ष कोपलवाडी के मुख बधिर बच्चों द्वारा अपनी बहुत सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया मुख्यमंत्री ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए उनके साथ फोटो भी लिया। मुख्यमंत्री ने सभी 31 विवाहित जोड़ों को अपने हाथ से संस्था द्वारा दिए गए 50000 की सामग्री एवं प्रत्येक जोड़े को एक गिफ्ट अलग से प्रदान कियागया।इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुराधा दुबे नेविकलांगों को हर संभव सहायता देने के साथ ही सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि अतिशिग्रह प्रदान करने की घोषणा की। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ विनय पाठक ने संस्था द्वारा देशभर में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए बधाई दी, इस अवसर पर संस्था के प्रांतीय अध्यक्ष सत्येंद्रअग्रवाल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए संपूर्ण कार्यक्रम की सारगर्भित जानकारी प्रदान की कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में राष्ट्रीय महामंत्री मदन मोहन अग्रवाल,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, कार्यक्रम के संयोजक वीरेंद्र पांडे एवं समाजसेवी चतुर्भुज अग्रवाल भी शामिल थे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बलौदाबाजार जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

// उद्घोषणा //

31-2/2024-25
ग्राम बलौदाबाजार प.ह.नं. 15 तह. बलौदाबाजार
जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका किरन बाला सोनी पति श्री विजय कुमार सोनी निवासी बलौदाबाजार तहसील बलौदाबाजार जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि ग्राम बलौदाबाजार प.ह.नं.-15 तहसील बलौदाबाजार में स्थित भूमि खसरा नंबर 3/8 रकबा 0.3840 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि में से रकबा 0.1010 हे. भूमि को आवेदिका द्वारा आवासीय प्रयोजन के लिये छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 59 (2) के तहत कर पुनर्निर्धारण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु कर पुनर्निर्धारण करने में जिस किसी व्यक्ति या कोई संस्था को दावा/आपत्तियां यदि कोई हो तो वे दिनांक 28/02/2025 को मेरे न्यायालय में स्वतः उपस्थित होकर या अपने वैध प्रतिनिधि के माध्यम से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/02/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बलौदाबाजार

नाम परिवर्तन

मैं मो. रहीयान खान पिता श्री मोहम्मद अहमद खान, आयु 22 वर्ष निवासी इंदिरा पारा भिलाई -3, तह. भिलाई जिला दुर्ग, छ.ग. मेरा आधार क्रमांक 2376 1837 5781 है। जिसमें मेरा नाम MD. RHIYAN KHAN दर्ज है । मेरे पास पोर्ट में मेरा नाम KHAN RAHIYAN नं. जी 1147675 है। MD. RHIYAN KHAN व KHAN RAHIYAN नाम एक ही व्यक्ति का नाम है वो मैं स्वयं हूँ। ये दोनों मेरे नाम के संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था, निकाय को कोई दावा या आपत्ति होती है तो उसके लिए मैं स्वयं जिम्मेदार/जवाबदार रहूंगा। उक्त दोनों नाम को M.D. RHIYAN KHAN पढ़ा, लिखा व जाना जाय।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योंकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारत्मक उर्जा का संचार होता है।

तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाई ओर रखें क्योंकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।

कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर

यहां राम ने ब्रह्महत्या का पाप धोया था

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुन: साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने ß पहुंचे, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

मंत्र जपने के चमत्कारिक फायदे

मंत्रयोग या जपयोग के चमत्कार के संबंध में शास्त्रों में ढेर सारे उल्लेख मिलते हैं। वेदों में उल्लेख है कि विशेष प्रकार के मंत्रों से विशेष तरह की शक्ति उत्पन्न होती है। अनेक परिक्षणों से यह सिद्ध हो गया है कि मंत्रों में प्रयोग होने वाले शब्दों में भी शक्ति होती है। मंत्रों में प्रयोग होने वाले कुछ ऐसे शब्द हैं, जिन्हे 'अल्फा वेव्स' कहते हैं। मंत्र का यह शब्द 8 से 13 साइकल प्रति सैकेंड में होता है और यह ध्वनि तरंग व्यक्ति की एकाग्रता में भी उत्पन्न होती है। इन शब्दों से जो बनता है, उसे मंत्र कहते हें। मंत्रों के जप करने से व्यक्ति के भीतर जो ध्वनि तरंग वाली शक्ति उत्पन्न होती है, उसे ही जपयोग या मंत्र योग कहते हैं। शास्त्र अनुसार 'ज' का अर्थ जन्म का रुक जाना और 'प' का अर्थ पाप का नष्ट हो जाना। किसी भी मंत्र को बार बार जपने से कई तरह के चमत्कारि घटित होते हैं। आओ जानते हैं 5 चमत्कारिक फायदे।

बढ़ती एकाग्रता मानसिक - शक्ति : मंत्र का अर्थ होता है मन को एक तंत्र में बांधना। जब मन एक तंत्र में बंध जाता है तो व्यक्ति मानसिक रूप से शक्तिशाली बन जाता है और इससे एकाग्रता भी बढ़ जाती है। अच्छे विचार, मंत्र और भगवान का बार-बार जप करने या ध्यान करते रहने से व्यक्ति की मानसिक शक्ति बढ़ती जाती है। मानसिक शक्ति के बल पर ही व्यक्ति सफल, स्वस्थ और शक्तिशाली महसूस कर सकता है। मंत्र के द्वारा हम खुद के मन या मस्तिष्क को बुरे विचारों से दूर रखकर उसे नए और अच्छे विचारों में बदल सकते हैं। लगातार अच्छी भावना और विचारों में रत रहने से जीवन में हो रही बुरी घटनाएं रुक जाती है और अच्छी घटनाएं होने लगती है।

देवताओं से जुड़ता संबंध - अपने ईष्ट या किसी शक्तिशाली मंत्र का निरंतर जप करने से व्यक्ति ईधर माध्यम की सकारात्मक ऊर्जा और शक्तियों से जुड़ जाता है। मंत्र से किसी देवी या देवता को साधा जाता है, मंत्र से किसी भूत या पिशाच को भी साधा जाता है और मंत्र से किसी यक्षिणी और यक्ष को भी साधा जाता है। 'मंत्र साधना' भौतिक बाधाओं का आध्यात्मिक उपचार है। यदि आपके जीवन में किसी भी प्रकार की समस्या या बाधा है तो उस समस्या को मंत्र जप के माध्यम से हल कर सकते हैं।

प्राप्त होती सिद्धि -किसी भी मंत्र को प्रातिदिन निरंतर जपते रहने से सिद्धियों का द्वार खुल जाता है। जागृत, स्वप्न और सुषुप्ति तीनों ही अवस्था में व्यक्ति जागा हुआ हो जाता है। जपयोग व्यक्ति के अवचेतन को जाग्रत कर उसे दिव्य दृष्टि प्रदान करता है। ऐसा व्यक्ति स्वयं को किसी भी रूप में स्थापित करने में सक्षम हो जाता है। इससे व्यक्ति टेलीपैथिक और परा मनोविज्ञान में पारंगत हो सकता है।

सूक्ष्म शरीर को सक्रिय करते हैं मंत्र -निरंतर मंत्र जप करने से ध्वनि तरंग उत्पन्न होती है, उससे शरीर के स्थूल व सूक्ष्म अंग तक कंपित होते हैं। इसके कारण व्यक्ति का सूक्ष्म शरीर सक्रिय होकर शक्तिशाली परिणाम देना प्रारंभ कर देता है।

मिटते हैं शोक- जब व्यक्ति बहुत व्यग्र या चिंतित रहता है तो तरह-तरह के नकारात्मक विचारों से घिर जाता है और पहले की अपेक्षा परिस्थितियों को और संकटपूर्ण बना लेता है। ढेर सारे विचारों से बचने के लिए किसी भी मंत्र का जप करते रहने से मन में विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। इससे शोक और संताप मिट जाता है। यह व्यक्ति को मानसिक रूप से शांत कर देता है। यदि आप सात्विक रूप से निश्चित समय और निश्चित स्थान पर बैठक मंत्र प्रतिदिन मंत्र का जप करते हैं तो आपके मन में आत्मविश्वास बढ़ता है साथ ही आपमें आशावादी दृष्टिकोण भी विकसित होता है जो कि जीवन के लिए जरूरी है।

पाखंड और अंधविश्वास से बचा सकती है ऐसी सोच

आप किसी भी शहर में हों, आपको सुनने को मिलेगा कि कोई अलौकिक बाबा, योगपुरुष या फकीर का आगमन इस शहर में हो रहा है। उनके दर्शन या स्पर्श मात्र से असाध्य से असाध्य बीमारियां पलक झपकते ही गायब हो जाती हैं। इच्छुक व्यक्ति के मिलने के लिए बाबाओं के सारे अते-पते के पैंफ्लेट शहर की दीवारों पर चिपके मिलते हैं। बाबाओं को मालूम है कि हमारे यहां समस्याग्रस्त लोगों की कमी नहीं है। एक ढूंढो, लाख मिल जाते हैं।एक बार मैं भी आजमाने के खयाल से मुंबई में एक बाबा से मिलने चला गया। लेकिन वह मुझसे नाराज इसलिए हो गए क्योंकि मैंने उन्हीं की बात को दोहराते हुए कह दिया कि जब ईश्वरीय इच्छा से सब कुछ होना है तो फिर लोग आपके पास क्यों आएं वे खुद भगवान से अपने अच्छे दिन के लिए प्रार्थना करेंगे। अनेक असाध्य रोगियों से उन्हें कहते हुए सुना कि यह केस वे नहीं ले सकते क्योंकि ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध जाना होगा। इसका सीधा मतलब है कि उनका पाखंड जहां चल जाता है, वे वहां अपना धंधा करने में कामयाब हो जाते हैं। असाध्य रोगियों पर ईश्वर की इच्छा लाद देते हैं। यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि हमारे देश में होने वाली घटनाओं की लंबी शृंखला की एक कड़ी है।कहीं भभूति, कहीं स्पर्श मात्र से तो कहीं मंत्र से शुद्ध किया हुआ पानी पिलाने से समस्याओं और रोगों को ठीक करने की गारंटी कब से दी जाती रही है। आजकल योग-ध्यान का विज्ञापन भी इसी सस्ती भूमिका पर उतर आया है। कोई यह सोचने के लिए तैयार नहीं है कि भारत में जब इतने महात्मा, बाबा और योगीजन बीमारियों से मुक्त करने का दावा कर रहे हैं तो बड़े-बड़े अस्पतालों, डॉक्टरों और इन पर होने वाले भारी भरकम खर्च की क्या जरूरत है लेकिन जब हम इनके जीवन के भीतर झांकते हैं तो तस्वीर का एक दूसरा बड़ा ही दयनीय और निराशाजनक पहलू सामने आता है। दूसरों को रोगमुक्त करने वाला खुद डॉक्टरों की शरण में होता है।आज शरीर-शास्त्री तथा चिकित्सा-विज्ञान के पंडित इस तथ्य से सहमत हैं कि अधिकांश रोगों का कारण हमारा मन है। मानसिक आवेग और उद्वेग बहुत प्रकार के रोगों को जन्म देते हैं। कुछ रोग आज के व्यस्तता बहुल वातावरण से उत्पन्न दबावों और तनावों की वजह से होते हैं। ये रोग मनोवैज्ञानिक हैं, इसलिए इनका इलाज भी उसी भूमिका पर होना आवश्यक होता है। इसी का फायदा बाबा उठा लेते हैं। आस्थाशील लोग एक मनो-विभ्रम से निकलकर दूसरे मनो-विभ्रम में पड़ जाते हैं। चूंकि यह सुखद विभ्रम होता है इसलिए साधारण आदमी के लिए यह चमत्कार बन जाता है। एक कथित चमत्कारिक घटना को आधार बनाकर दस नई कथाओं को खड़ा करने में भक्त लोग माहिर होते हैं। इस तरह यह सिलसिला आगे चलता रहता है।सुशिक्षित, बुद्धिमान लोग भी इनकी गिरफ्त में आ जाते हैं। लेकिन आज इस स्थिति का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण होना आवश्यक है। तभी पाखंडों और अंधविश्वासों को पनपने से रोका जा सकता है। श्रद्धा का शोषण शताब्दियों से किया जाता रहा है और आज भी हो रहा है। इन स्थितियों को समझने के साथ-साथ मनो-विभ्रम से भी निकलना बहुत जरूरी है।

इस मंदिर में मूर्तियों से निकलती हैं आवाजें

कहते हैं कि पत्थर में भी जान होती है। निश्चित ही मूर्ति एक पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है। ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपको दुर्गा शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती है। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से आज तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई तेती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगड़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां बंगलामुखी माता, दत्तात्रेय भैरव, बटुक भैरव, अन्नपूर्णा भैरव, काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी है।

तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट है। कहा जाता है कि यहां किसी के नहीं होने पर भी कई तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस मंदिर के परिसर में कुछ शब्द गूंजते रहते हैं। यहां पर वैज्ञानिकों की एक टीम भी गई थी, जिन्होंने रिसर्च करने के बाद कहा कि यहां पर कोई आदमी नहीं है। इस कारण यहां पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानो या न मानो यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती है जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं। मुगलों ने देश के कई मंदिरों को ध्वस्त किया लेकिन वे इन शक्तिपीठों को कभी खंडित नहीं कर पाए। ऐसा दुस्साहस करने वाले काल के मुख में समा गए हैं। उदाहरणार्थ माता हिंगलाज और माता ज्वालादेवी का शक्तिपीठ।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन : पहले चरण के निर्वाचन में विकासखंड कवर्धा और सहसपुर लोहारा के मतदाताओं में भारी उत्साह

पायनियर संवाददाता ◄ कवर्धा
www.dailypioneer.com

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम अनुसार कबीरधाम जिले के दो विकासखंड कवर्धा और सहसपुर लोहारा में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग संपन्न हुआ। कबीरधाम जिले के विकासखंड कवर्धा और सहसपुर लोहारा में जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, सरपंच और पंच के चुनाव के लिए बुजुर्ग, दिव्यांग, महिला एवं युवा मतदाताओं में उत्साह देखा गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गोपाल के मार्गदर्शन में जिले के दोनो विकासखंड में दोपहर 03 बजे तक 74.34 प्रतिशत मतदान हुआ। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के पहले चरण के निर्वाचन में विकासखंड कवर्धा और सहसपुर लोहारा के मतदाताओं में भारी उत्साह देखा गया। कवर्धा विकासखण्ड का मतदान प्रतिशत 73.41 प्रतिशत, पुरुष 68.15 प्रतिशत, महिला 78.76 प्रतिशत, सहसपुर लोहारा विकासखण्ड का मतदान प्रतिशत 75.39 प्रतिशत पुरुष 72.43 प्रतिशत, महिला 78.53 प्रतिशत मतदान हुआ। जिले पहले चरण के निर्वाचन में कुल 1 लाख 94 हजार 216 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसमें पुरूष 91 हजार 699 और महिला मतदाता 1 लाख 02 हजार 516 और 01 तृतीय लिंग शामिल है। कवर्धा विकासखंड में कुल 01 लाख 02 हजार 346 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसमें पुरूष 47 हजार 871 और महिला मतदाता 54 हजार 475 शामिल है। सहसपुर लोहारा में कुल 91 हजार 870 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसमें पुरूष 43 हजार 828, महिला मतदाता 48 हजार 41 और तृतीय लिंग के 01 मतदाता शामिल है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्मा ने बताया कि सुबह 09 बजे की स्थिति में कवर्धा विकासखण्ड का मतदान प्रतिशत 16.15 प्रतिशत, पुरुष 16.40 प्रतिशत, महिला 15.09 प्रतिशत, सहसपुर लोहारा विकासखण्ड का मतदान प्रतिशत 15.12 प्रतिशत पुरुष 15.41 प्रतिशत, महिला 14.82 प्रतिशत मतदान हुआ। 11 बजे की स्थिति में कवर्धा विकासखण्ड का मतदान प्रतिशत 32.34 प्रतिशत, पुरुष 33.20 प्रतिशत, महिला-31.46 प्रतिशत, सहसपुर लोहारा विकासखण्ड का मतदान प्रतिशत 34.58 प्रतिशत पुरुष 33. 42 प्रतिशत, महिला 35.73 प्रतिशत मतदान हुआ। दोनों विकासखंड का मतदान प्रतिशत 33.39 प्रतिशत रहा। दोपहर 01 बजे की स्थिति में कवर्धा विकासखण्ड का मतदान प्रतिशत 53.84 प्रतिशत, पुरुष 54.22 प्रतिशत, महिला 53.46 प्रतिशत, सहसपुर लोहारा विकासखण्ड का मतदान प्रतिशत 55.74 प्रतिशत पुरुष 52.24 प्रतिशत, महिला 59.22 प्रतिशत मतदान हुआ। दोनों विकासखंड का मतदान प्रतिशत 54.73 प्रतिशत रहा। दोपहर 03 बजे की स्थिति में कवर्धा विकासखण्ड का मतदान प्रतिशत 73.41 प्रतिशत, पुरुष 68.15 प्रतिशत, महिला 78.76 प्रतिशत, सहसपुर लोहारा विकासखण्ड का मतदान प्रतिशत 75.39 प्रतिशत पुरुष 72.43 प्रतिशत, महिला 78.53 प्रतिशत मतदान हुआ। दोनों विकासखंड का मतदान प्रतिशत 74.34 प्रतिशत रहा। रिपोर्ट आने तक कवर्धा एवं सहसपुर लोहारा विकासखण्ड क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों में मतदान चल रहा है। लाइन लगी गई है, पर परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार को बंद कर दिया गया है। निर्धारित 3 बजे तक अंदर आने वाले सभी मतदाताओं को मतदान कराया जा रहा है। इसके बाद अंतिम रिपोर्ट मतदान की देर रात तक आने की संभवना है।

नगरीय निकायों में सकारात्मक मतदान से भाजपा के ऐतिहासिक जीत : अरुण साव

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत को उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने ऐतिहासिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की यह जीत जनता के विश्वास और सरकार के सकारात्मक कार्यों का परिणाम है। उप मुख्यमंत्री साव ने भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रदेश के सभी 10 नगर निगमों में भाजपा को बड़ी बढ़त मिली है। 49 में से 35 नगरपालिकाओं और 114 नगर पंचायतों में से 81 नगर पंचायतों में भाजपा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 13-14 महीनों में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने विकास कार्यों को प्राथमिकता दी है। साव ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली में कांग्रेस शून्य पर रही, छत्तीसगढ़ के नगर निगमों में भी शून्य पर रही और अब कांग्रेस लगातार शून्य की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जनता के हित में कई योजनाएं चलाईं, जिनमें 7,500 करोड़ रुपए की राशि नगरीय निकायों को जारी करना, जनसमस्या निवारण पखवाड़े का आयोजन, स्वच्छता पखवाड़ा और अनुकंपा नियुक्तियों का शीघ्र निपटारा शामिल है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश के 25 लाख किसानों को प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रु. प्रति क्विंटल की दर से खरीदा, 12 लाख किसानों को बकाया बोनस का भुगतान किया, 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत हर माह 1,000 रु. सीधे खातों में जमा किए, और तेन्दूपत्ता संग्राहकों को बढ़ी हुई दर पर भुगतान किया। साव ने बताया कि भाजपा को पिछले विधानसभा चुनाव में 46% वोट, लोकसभा चुनाव में 52% वोट, और अब नगरीय निकाय चुनाव में 55.41% वोट प्राप्त हुए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले पंचायत चुनावों में भी भाजपा को बड़ी सफलता मिलेगी। पत्रकार वार्ता में भाजपा के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा, अजजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम, सुरेंद्र पाटनी और पैनलिस्ट डॉ. किरण बघेल भी उपस्थित रहे।

नवनिर्वाचित महापौर मीनल चौबे से मिलकर नगर निगम कर्मचारी एकता संघ के पदाधिकारियों, निगम अधिकारियों ने दी हार्दिक बधाई

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

राजधानी शहर रायपुर की नवनिर्वाचित महापौर मीनल चौबे से मिलकर उन्हें जनता द्वारा महापौर पद पर निर्वाचित किये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रायपुर नगर निगम कर्मचारी एकता संघ के कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद जाघव, उपाध्यक्ष मोहित दर्रो, श्याम सोनी, पदाधिकारी बमशंकर गुप्ता, आनंद ताम्रकार, जितेन्द्र नियाल, राजश्री श्रीवास सहित पदाधिकारियों, निगम कर्मचारियों ने बुके प्रदत्त कर उन्हें हार्दिक बधाईयां दी। नगर निगम रायपुर के अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, कृष्णा खटीक, निगम सचिव सूर्यकांत श्रीवास्तव, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही, सेवानिवृत्त अभियंता संविदा बद्री चंद्राकर सहित निगम अधिकारियों ने नवनिर्वाचित महापौर मीनल चैबे को बुके देकर राजधानी शहर का प्रथम नागरिक महापौर जनता द्वारा निर्वाचित किये जाने पर हार्दिक शुभकामनाएं दी। नगर पालिक निगम रायपुर की नवनिर्वाचित महापौर मीनल चौबे से उनके चंगोराभाठा बाजार चौक वसुंधरा नगर स्थित निजी आवास में नगर के गणमान्यजनों, आमजनों, नगर निगम रायपुर के नवनिर्वाचित पार्षदों द्वारा मिलकर उन्हें महापौर निर्वाचित होने पर बुके देकर बधाईयों का सिलसिला दिन भर चलता रहा। नवनिर्वाचित महापौर मीनल चौबे से मिलकर उन्हें महापौर पद पर जनता द्वारा निर्वाचित किये जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए नगर निगम के नवनिर्वाचित पार्षद सूर्यकांत राठौड़, मुरली शर्मा, पूर्व पार्षद कामिनी पुरूषोत्तम देवांगन, सुशीला धीवर, सामाजिक कार्यकर्ता संजू नारायण सिंह ठाकुर, पत्रकार शषांक खरे, श्रवण यदु, छायाकार नगेन्द्र वर्मा सहित नगर के गणमान्यजनों, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों, आमजनों, वार्डवासियों ने मिलकर बुके देकर नवनिर्वाचित महापौर को हार्दिक बधाईयां दी।

मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कुम्हारी में विश्व कैंसर दिवस कार्यक्रम का आयोजन

पायनियर संवाददाता ◄ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

मदर टेरेसा कॉलेज ऑफनर्सिंग, कुम्हारी में कैंपस डायरेक्टर डॉ. प्रीति गुरानी और प्रिंसिपल नर्सिंग कॉलेज डॉ. वार्निश कुमार मैम के मार्गदर्शन में विश्व कैंसर दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। वर्ष 2025 के लिए निर्धारित थीम "UNITED BY UNIQUE" के तहत यह आयोजन किया गया। वयस्क स्वास्थ्य नर्सिंग (एडल्ट हेल्थ नर्सिंग) विभाग द्वारा इस कार्यक्रम की शुरुआत थीम के उद्घाटन के साथ की गई। इस अवसर पर कैंपस डायरेक्टर, प्रिंसिपल और अतिथि वक्ता ने विषय को प्रस्तुत किया। इसके बाद, डॉ. फिबिना चिलेटे (एचओडी, एएचएन विभाग, एसोसिएट प्रोफेसर), महेश बाबू सहायक प्रोफेसर, गोविंदा, लेक्चरर व हितेश्वरी साहू (लेक्चरर) द्वारा कैंसर की जानकारी, उसके प्रकार, लक्षण, घटनाएं और प्रबंधन पर स्लाइड प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई। कैंपस डायरेक्टर डॉ. प्रीति गुरानी ने अपने प्रेरणादायक विचारों को साझा किया, जिससे उपस्थित सभी लोगों को कैंसर के प्रति जागरूकता और बचाव के महत्व को समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम की शुरुआत जोशीले एंकरिंग से हुई, जिसके बाद बीएससी नर्सिंग के द्वितीय, तृतीय और पंचम सेमेस्टर के छात्रों द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता और नारे प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम को और प्रभावशाली बनाने के लिए मुख्य अतिथि डॉ. देबर्शी कर महापात्र (एसोसिएट प्रोफेसर, फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री एवं हेड ऑफ रिसर्च एंड डेवलपमेंट, श्री रावतपुरा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, कुम्हारी) ने महिला और कैंसर : भ्रांतियों का सत्य के साथ निराकरण विषय पर अपना ज्ञानवर्धक एवं विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया। यह सत्र कैंसर से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और वास्तविक तथ्यों पर प्रकाश डालने के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा। इसके साथ ही, इस कार्यक्रम के माध्यम से नर्सों की कैंसर देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। अंत में, महेश बाबू ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जिससे इस सार्थक आयोजन का समापन हुआ। यह कार्यक्रम कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसके रोकथाम के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

सामाग्री वितरण में अनुपस्थित रहने वाले 17 अधिकारी-कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस जारी

पायनियर संवाददाता ◄ कवर्धा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गोपाल वर्मा के निर्देश पर त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 के तहत मतदान सामाग्री वितरण में अनुपस्थित रहने वाले 17 अधिकारी-कर्मचारियों को जनपद पंचायत कवर्धा के रिटर्निंग अधिकारी ने कारण बताओं नोटिस जारी किया है। यह कृत्य छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन नियम 1995 के नियम 24 एवं 25 का उल्लंघन माना गया है। सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 1, 2 एवं 3 के साथ-साथ छ.ग. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) 1966 के नियम 9 में प्रदत शक्तिजयों के तहत अनुशासत्मक कार्यवाही की गई है। जारी आदेश में बताया गया है कि निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए अधिकारी-कर्मचारियों को 16 फरवरी 2025 को सुबह 7 बजे आदर्श कृषि उपज मंडी समिति, बिलासपुर रोड, कवर्धा में मतदान सामाग्री लेने उपस्थित होना था, लेकिन निर्धारित तिथि पर वे अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित नहीं हुए। इस अनुपस्थिति के कारण निर्वाचन कार्य में अवरोध उत्पन्न हुआ, जो छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन नियम 1995 के नियम 24 एवं 25 का उल्लंघन माना गया है। जिसके तहत शिक्षक गोपीचंद वर्मा, भूधर चंद्रवंशी, राजकुमार साहू, बंशीलाल बैगा, भगतराम धुर्वे, बीरशंकर सिंह, निर्मल कुमार ध्रुव, सगनुराम धुर्वे, अमरलाल धुर्वे, प्रेमलता बिसेन, सुमेरी सिंह तिलगाम, धनुकलाल वर्मा, रघुनाथ चंद्रवंशी, राजु कुमार पाटिल, आजुराम बैगा, गेंदलाल बघेल, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी धर्मराज चंद्रवंशी को को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है।

देह व्यापार में 17 दलाल गिरफ्तार, विदेशी युवतियों को बुलाकर संचालित करते थे व्यापार

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

पुलिस ने देह व्यापार से जुड़े एक बड़े रैकेट का खुलासा किया है। पुलिस ने अब तक 17 दलालों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 2 महिला दलाल भी शामिल हैं। पुलिस ने इस मामले में जुगल कुमार राय को पश्चिम बंगाल के 24 परगना से गिरफ्तार किया, जो इस रैकेट का मास्टरमाइंड था। पुलिस ने बताया कि आरोपी जुगल कुमार ने विभिन्न राज्यों और विदेशी युवतियों को रायपुर बुलाकर देह व्यापार चलाने का काम किया था। इसके लिए आरोपियों ने लोकेंटो ऐप का इस्तेमाल करते हुए युवतियों के फोटो और रेट ग्राहकों के बीच शेयर किए थे। आरोपियों से पूछताछ में यह भी पता चला कि वह अन्य देशों से युवतियों को बुलाकर उन्हें देह व्यापार के लिए रायपुर में ले आते थे। इस पूरे मामले में पुलिस ने रायपुर, कवर्धा, भिलाई, जगदलपुर, अम्बिकापुर, महासमुंद और अन्य शहरों में कार्रवाई की और कुल 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें से कुछ आरोपी रायपुर के विभिन्न इलाकों से हैं, जबकि कुछ अन्य जिलों से भी हैं। आरोपी रवि ठाकरे और जागेन्द्र उके उर्फमोहन ने पुलिस को बताया कि वे देह व्यापार रैकेट में शामिल थे और ग्राहकों को युवतियों की फोटो व रेट प्रदान करते थे। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने इस रैकेट का पर्दाफश किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफअनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है और उनकी गिरफ्तारी के लिए जांच जारी है। इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान की गई है, और पुलिस ने उनका नाम सार्वजनिक किया है। गिरफ्तार आरोपियों से आगे की पूछताछ जारी है और मामले में और गिरफ्तारियां की जा सकती हैं।

लोकतंत्र का संगम : एक बूथ, चार धर्म, एक संकल्प

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

कबीरधाम जिले के कवर्धा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत केसली के मतदान केंद्र क्रमांक 11 पर लोकतंत्र की एक अनूठी और प्रेरणादायक तस्वीर देखने को मिली, जहां चार अलग-अलग धर्मों के अधिकारी संजय कुमार यादव (हिंदू), अब्दुल सईद खान (मुस्लिम), चरणजीत सिंह पाहुजा (सिख) और एल्विना विल्सन (ईसाई) एक साथ मतदान प्रक्रिया का संचालन कर रहे हैं। यह दृश्य भारत की गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी सौहार्द और भाईचारे का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। लोकतंत्र की इस महायात्रा में जब अलग-अलग पृष्ठभूमियों से आए लोग एकजुट होकर निष्पक्ष और सुचारू मतदान कराने के लिए तत्पर हैं, तो यह संदेश जाता है कि भारत की असली ताकत इसकी विविधता में एकता है। विशेष रूप से, इस दल में शामिल अब्दुल सईद खान, जो पूर्व सैनिक भी हैं। भूतपूर्व सैनिक से शासकीय शिक्षक बने अब्दुल सईद खान अपने राष्ट्रप्रेम और कर्तव्यनिष्ठा की भावना को आगे बढ़ाते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया में योगदान दे रहे हैं। यह उदाहरण न केवल चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को दर्शाता है, बल्कि यह भी सिद्ध करता है कि जब बात लोकतंत्र और देश की सेवा की हो, तो सभी मतभेद पीछे छूट जाते हैं और केवल एक पहचान रह जाती है.....हम भारतवासी हैं।

अनएकेडमी: जेईई मेन 2025 सेशन 1 के नतीजों ने फिर रचा इतिहास

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

अनएकेडमी, भारत का प्रमुख एडटेक प्लेटफॉर्म, ने जेईई मेन सेशन-1 2025 के नतीजों के साथ एक बार फिर नए कीर्तिमान स्थापित किया हैं। अनएकेडमी के 920+ छात्रों ने 99 परसेंटाइल से ऊपर स्कोर किया है, जो इसकी ऑनलाइन और ऑफलाइन शिक्षा को जोड़ने वाले हाइब्रिड लर्निंग मॉडल की प्रभावशीलता को दर्शाता है। अनएकेडमी के सह-संस्थापक सुमित जैन ने इन शानदार परिणामों पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हमारे छात्रों ने एक बार फिर अपनी क्षमता और दृढ़ संकल्प को साबित किया है। ये परिणाम हमारे शिक्षकों की प्रतिबद्धता, हमारी अध्ययन सामग्री की गुणवत्ता और हमारे हाइब्रिड लर्निंग मॉडल के प्रभाव को दर्शाते हैं। हमें पूरा विश्वास है कि यह सिर्फ शुरुआत है और हमारे छात्र जेईई, नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में नए रिकॉर्ड बनाते रहेंगे। शीर्ष स्कोररों में, सौरव ने 100 परसेंटाइल हासिल किया, उनके बाद उज्ज्वल केसरी (99.999%), समुद्र सरकार (99.992%), सृजन अग्रवाल (99.98%), यश कुमार (99.98%) और कई अन्य प्रतिभाशाली छात्रों ने अपनी मेहनत और लगन का प्रदर्शन किया। उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, अनएकेडमी लगातार अपने विस्तार को जारी रखते हुए अब भारत के 50 से अधिक शहरों में 75 से अधिक केंद्रों के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। यह प्लेटफॉर्म छात्रों को उत्कृष्ट संसाधनों, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और व्यापक शैक्षणिक सहयोग प्रदान करने के अपने मिशन पर दृढ़ बना हुआ है, जिससे वे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में शीर्ष रैंक प्राप्त करने के अपने सपने को साकार कर सकें।

जूदेव स्मृति गोल्ड कप फुटबाल प्रतियोगिता

बक्सर को 3-1 से हराकर बैंगलूरू की टीम ग्रुप से फायनल में पहुंची

पायनियर संवाददाता ◄ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

8 फरवरी से शहर के रणजीता स्टेडियम में खेले जा रहे स्व. दिलीप सिंह जूदेव स्मृति अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबाल प्रतियोगिता में सोमवार को प्रतियोगिता का पहला सेमीफायनल और 10वां मैच मां कामाख्या स्पोर्ट्स क्लब बक्सर बिहार और मद्रास इंजीनियरिंग ग्रुप एमईजी बैंगलूरू की टीमों के बीच खेला गया। पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह, पूर्व खिलाड़ी महावीर सिंह, गोपाल राय, रमेश राम, मुनेश्वर रवानी, सुधीर पाठक, सुनिल अग्रवाल कुनकुरी ने दोनो टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और मैच आरंभ कराया। इस प्रतियोगिता का पहला सेमीफायनल मैच मद्रास इंजीनियरिंग ग्रुप, एमईजी बेंगलुरु और मां कामाख्या स्पोर्टिंग क्लब बक्सर की टीमों के बीच खेला गया। कांटे की टक्कर वाले इस मैच में, मैच के शुरू होते ही दोनों टीमों ने आक्रामक फुटबॉल का प्रदर्शन किया। पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ी आक्रामक अंदाज में अटैक करते भी दिखे, कई बार खिलाडियों को येलो और रेड कार्ड भी दिखाए गए। इस सब के बीच मैच का पहला गोल एमईजी बेंगलुरु की ओर से उसके जर्सी नंबर 10 गोगो ने किया। इसके कुछ क्षणों के बाद ही बेंगलुरु के डी में उसके खिलाड़ी का हैंडबॉल हुआ, जिससे बक्सर की टीम को पेनल्टी शूट का मौका मिला। बक्सर की ओर से उसके फॉरवर्ड जर्सी नंबर 10 मोंटी ने पेनाल्टी शूट किया, जिसका बेंगलुरु के गोलकीपर ने शानदार बचाव किया, लेकिन फिर रिबाउंड में मोंटी ने गोल दागकर मैच को एक-एक की बराबरी पर ला दिया। पहला हाफ एक-एक की बराबरी पर खत्म हुआ। मैच के दूसरे हाफमें बेंगलुरु की ओर से जर्सी नंबर 4 आयुष ने फ्री किक पर शॉट मारा जिसे क्लियर करने के लिए बक्सर के रक्षा पंक्ति के खिलाड़ी ने हेड किया लेकिन यह हेडर बक्सर की टीम के लिए आत्मघाती गोल साबित हुआ और गेंद गोल में जा घुसी। इसके कुछ ही देर के अंतराल में एमईजी बेंगलुरु के फारवर्ड जर्सी नंबर 10 गोगो ने एक और शानदार गोल कर बेंगलुरु को 3-1 की बढ़त दिला दी, जो मैच के अंत तक कायम रही। मैच में दो गोल करने वाले एमईजी बेंगलुरु के फारवर्ड जर्सी नंबर 10 गोगो को मैच का मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। जशपुर के पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने मां कामाख्या स्पोर्टिंग क्लब बक्सर की टीम को अच्छे खेल के लिए 11 हजार रुपए का नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान किया गया।

आज एसईसी रेलवे नागपुर और गैंगटॉक सिसिक्कम के बीच मैच

आयोजन समिति के जनरल सेक्रेटरी सरफराज आलम ने बताया कि, प्रतियोगिता में मंगलवार को साउथ ईस्टर्न सेंट्रल रेलवे नागपुर और गैंगटॉक फुटबॉल क्लब सिक्किम के बीच खेला जाएगा। मैच में सेंट्रल रैफरी की भूमिका में रविन्द्र राजवाड़े तथा सहायक रैफरी के रूप में लालकेश्वर राजवाड़े और आकाश साहनी, फोर्थ ऑफिशियल दया यादव तथा पोस्टिंग इंचार्ज के रूप में मुकेश भगत ने अपनी भूमिका निभाई। मैच कमिश्नर थे विश्वजीत भट्टाचार्य।

श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट, रायपुर बना इसरो का नोडल सेंटर

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर के श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी को भारत सरकार के स्पेस डिपार्टमेंट की प्रतिष्ठित इसरो के नोडल सेंटर के रूप में चुना गया है, इसमें इसरो और इंडियन इंटीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग देहरादून के द्वारा ऑनलाइन कोर्स का लाभ कॉलेज के स्टूडेंट्स को मिलेगा। इस कोर्स के तहत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म यानी लाइव और इंटरैक्टिव मोड और ई-लर्निंग मोड का उपयोग करके रिमोट सेंसिंग, भौगोलिक सूचना प्रणाली, नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम और संबंधित टेक्नोलोजी के सर्टिफिकेशन कोर्स बिना किसी फीस के किए जाएंगे। रायपुर शंकराचार्य इंस्टीट्यूट के चेयरमैन (बीजी) निशांत त्रिपाठी ने कहा कि इसरो के इस प्रोग्राम में साझेदारी से कॉलेज के स्टूडेंट्स नया इतिहास लिखेंगे और हम अपने स्टूडेंट्स को टेक्नोलोजी के नए क्षेत्रों में प्रशिक्षित करने के प्रति संकल्पित हैं. कॉलेज की ओर से प्रिंसिपल डॉ आलोक जैन सेंटर कोऑर्डिनेटर बनाए गए हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी को अपने ही वार्ड में नही मिली लीड, अपने ही प्रत्याशी के वार्ड में हारी कांग्रेस

बेहतर रणनीतिकार बनकर उभरे यज्ञदत्त शर्मा, चुनाव संचालक का जिम्मा निभा भाजपा की सुनामी में बहा दिया कांग्रेस को

पायनियर संवाददाता ◄ बालोद
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ नगर निकाय चुनाव के नतीजे बीते शनिवार को आए। बालोद नगर पालिका चुनाव में बीजेपी ने शानदार जीत दर्ज की है। वोट काउंटिंग की शुरुआत से ही भाजपा ने अपनी बढ़त बना ली। वहीं, कांग्रेस पिछड़ती गई। नतीजा यह हुआ है कि बालोद पालिका के सभी 20 वार्डों पर भाजपा की अध्यक्ष प्रत्याशी एकतरफा चुनाव जीत गई। वहीं, कांग्रेस पालिका के किसी भी वार्ड में आगे नही बढ़ पाई। ज्ञात रहे इस बार भाजपा राज्य संगठन के निर्देश व बारिक निगाह पर बालोद में जहां बुथ स्तर से लेकर बड़े नेताओं तक ने एकजुटता से चुनाव लड़ा, वहीं कांग्रेस बुरी तरह विभाजित रही। यहां पहले निर्वाचित अध्यक्ष भाजपा नेता स्व. नारायण राव पवार रहे हैं। बाद में कांग्रेस ने यहां मोहन पटेल के नेतृत्व में अच्छी पकड़ बना ली थी। नगर पंचायत में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामजी भाई पटेल 1994 से 99 तक अध्यक्ष रहे।

90 के दशक से फिर से बड़ा भाजपा का जनाधार-बालोद में भाजपा ने 90 के दशक से फिर से जनाधार बढ़ाने का गंभीर प्रयास शुरू किया और सन 2000 के प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली चुनाव में तात्कालीन दुर्ग जिला भाजपा महामंत्री भाजपा नेता यज्ञदत्त शर्मा ने तात्कालिक नगर पंचायत अध्यक्ष कांग्रेस रामजी भाई पटेल सहित दिग्गज कांग्रेसी नेता मोहन पटेल को हरा दिया था। इस चुनाव में कांग्रेस तीसरे स्थान पर चली गई थी। मुख्य मुकाबला यज्ञदत्त शर्मा व यशवंत जैन के बीच हुआ था। यज्ञदत्त शर्मा 29 वोट से चुनाव जीते थे। यदि दोनों को प्राप्त मत जोड़ दें तो कांग्रेस 2500 वोटों से पीछे रही।

2004 के चुनाव में तीसरे स्थान पर रही कांग्रेस-2004 के चुनाव में भी भाजपा नेता राकेश यादव अध्यक्ष बने मुख्य मुकाबला वरिष्ठ भाजपा नेता रहे निर्दलीय प्रत्याशी विनोद कौशिक के मध्य रहा। जिसमें राकेश यादव 129 वोटों से जीते। कांग्रेस इस बार भी तीसरे स्थान पर चली गई। यदि दोनों के वोट जोड़ दें तो कांग्रेस 7500 वोट से पिछे रही। 2009 के चुनाव में भाजपा से लीला शर्मा अध्यक्ष बनीं। उन्होंने अपनी जेठानी संगीता शर्मा को 1300 वोटों से हराया। ऐसा अंतर पहली बार रहा था।

2009 के चुनाव में देवरानी जेठानी के मध्य हाथ मुकाबला- यह बालोद नगर पालिका चुनाव का बहुत रोचक मोड़ था, जब दोनों राष्ट्रीय दलों भाजपा कांग्रेस ने एक ही परिवार में देवरानी जेठानी को टिकट थी। जन चर्चा के अनुसार ऐसा यज्ञदत्त शर्मा की पत्नी रंजना शर्मा चुनाव न लड़ सके इसलिए किया गया था। क्योंकि 2004 के चुनाव में यज्ञदत्त शर्मा के नाम ओर नेतृत्व में विनोद कौशिक ने दोनों राष्ट्रीय दलों को तगड़ी टक्कर थी। भाजपा ने कुटनीतिक दृष्टि से निर्णय लेकर यज्ञदत्त शर्मा को आगे रखकर चचेरी बहु लीला शर्मा को चुनाव लड़ाया तो कांग्रेस ने भी उनकी चचेरी भाभी तात्कालिक कांग्रेसी पार्षद संगीता शर्मा को प्रत्याशी बनाकर यज्ञदत्त शर्मा को धर्म संकट में डाल दिया था।

आपसी लड़ाई का फायदा उठाकर विकाश चोपड़ा बने अध्यक्ष-यहीं से बालोद शहर के इस स्थापित व प्रतिष्ठित परिवार की पारिवारिक एकता में आंतरिक राजनैतिक संघर्ष शुरू हुआ। जन चर्चा के अनुसार तब यज्ञदत्त शर्मा ने परिवार में आग्रह किया था कि कोई एक दल की टिकट वापस कर दें पर ऐसा नहीं हो पाया। 2015 के चुनाव में भाजपा से यज्ञदत्त शर्मा राज्य संगठन के बड़े नेताओं की इच्छा के विपरीत टिकट लाने में सफल रहे। कांग्रेस में शर्मा के खिलाफ कोई चुनाव लडने तैयार नहीं था और यहीं से तब तात्कालिक कांग्रेसी विधायक भैय्याराम सिन्हा ने बहुत सीधी हुई रणनीति के तहत भाजपा नेताओं की आपसी खुली लड़ाई व पारिवारिक एकता के अभाव का फायदा उठाकर कांग्रेस के विकास चोपड़ा को प्रत्याशी बनने तैयार किया। भैय्याराम सिन्हा की रणनीति व मेहनत से कांग्रेस यहां 15 साल के अंतराल बाद 348 वोटों से चुनाव जीत पाई थी। यज्ञदत्त शर्मा जिन्होंने 15 साल पहले कांग्रेस से यह सीट छीनी थी उनसे ही कांग्रेस ने सीट वापस छीन कर बदला ले लिया था।

यज्ञदत्त शर्मा ने लिया अपने हार का बदला-2019 के चुनाव में जिसमें पार्षदों को अध्यक्ष चुनना था फिर से विकास चौपड़ा 2 मतों से अध्यक्ष बने। इस बार भी पार्षद बन कर सदन में पहुंचे यज्ञदत्त शर्मा भाजपा प्रत्याशी थे। पुरे राज्य में एक मात्र बालोद में भाजपा कांग्रेसी पार्षदों में सेंध लगाने में सफल रही थी। भाजपा के सिर्फ 6 पार्षद जीते थे। जबकि भाजपा प्रत्याशी यज्ञदत्त शर्मा को 9 वोट मिले थे। जन चर्चा के अनुसार भाजपा के 4 पार्षदों ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया था तो कांग्रेस के पार्षदों को भाजपा अपने पक्ष में लाने में सफ्ल रही थी। अभी प्रतिभा चौधरी आज तक के सबसे बड़े अंतर से चुनाव जीती हैं। यज्ञदत्त शर्मा इस बार चुनाव संचालक थे उन्होंने भी अपनी हार का बदला ले लिया है।

इस बार तो अपने प्रत्याशी के वार्ड में हारी कांग्रेस-बालोद नगर पालिका में भाजपा ने रिकॉर्ड जीत दर्ज की है, जिसने राजनीतिक पंडितों और चुनाव विशेषज्ञों को चौंका दिया है। भाजपा प्रत्याशी प्रतिभा चौधरी ने कांग्रेस प्रत्याशी पद्मनी साहू को 3,474 वोटों से हराया है। जिस वार्ड क्रमांक 12 में पद्मनी साहू रहती है, वहां भी उन्हें लीड नहीं मिल पाई। एकतरफा चुनाव था जिसमें भाजपा कांग्रेस से 22.48 प्रतिशत वोट शेयर से आगे रही। भाजपा ने 60.09 प्रतिशत वोट हासिल किया, जबकि कांग्रेस को महज 37.61 प्रतिशत वोट मिले।

वार्ड 10 में बीजेपी की सुनामी-अब हम बात उन वार्डो की करेंगे जहां हाल के चुनाव में प्रतिभा चौधरी के जीत का अंतर बहुत बड़ा है। इसमें सबसे ऊपर सुभाष वार्ड क्रमांक 10 रहा। यहां प्रतिभा को कुल मतदान में सर्वाधिक 75.09 प्रतिशत वोट यानी 431 मत मिले जबकि प्रतिद्वंदी रही कांग्रेस की पद्मनी साहू को महज को 22.29 फीसद यानी 128 वोट ही मिले। दोनों के बीच वोट शेयर में 52.8 प्रतिशत का अंतर है, जो यह दिखाता है कि वार्ड 10 के माइक्रो मैनेजमेंट में भाजपा अपने प्रतिद्वंद्वी से कोसों आगे निकल गई। यह चुनाव संचालक यज्ञदत्त शर्मा का वार्ड है। जीत के प्रतिशत में दूसरे नंबर पर वार्ड 04 रहा यहां प्रतिभा चौधरी का निवास है। प्रत्याशी को कुल मतदान का 69.31 प्रतिशत वोट मिले। यहां प्रतिभा चौधरी को स्थानीय होने व संपर्क का लाभ भी मिला। तीसरे नंबर पर संजय नगर वार्ड 02 से प्रतिभा चौधरी को 66.94 फीसदी वोट के साथ जीत मिली। परंतु अभी मत संख्या की दृष्टि से यहां सबसे बड़ी जीत मिली है। यह भाजपा नेता यशवंत जैन का निवास स्थान है। यहां भाजपा नेता कमलेश सोनी, अमित चोपड़ा, मनोहर नाहटा का भी निवास है। इस साल के पालिका चुनाव में भाजपा ने 60.09 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया और 10 वार्डों पर पार्टी के पार्षद प्रत्याशियों ने भी जीत दर्ज की।

यादव महासम्मेलन 16 फरवरी को हुआ संपन्न

आदर्श विवाह, युवक-युवती परिचय सम्मेलन खर्चीली शादी को त्यागने आदर्श विवाह कराने पर दिया जोर

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज पंजीयन क्र. 5066 रायपुर से संबद्ध महानगर इकाई एवं जिला तथा महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय सामाजिक सम्मेलन, आदर्श सामूहिक विवाह, युवक-युवती परिचय सम्मेलन, सामाजिक विभूतियों का सम्मान मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, निःशुल्क 11 जोड़ो का आदर्श विवाह, परिचय सम्मेलन में 368 युवती 106 युवकों ने अपना परिचय दिया 9 छात्रों को प्रतिभा सम्मान दिया गया 14 सामाजिक क्षेत्र में समाज बंधुओं को सम्मान किया गया। प्रधान कार्यालय, महादेव घाट रायपुरा में 16 फरवरी 2025 दिन रविवार, सुबह 11:00 बजे से दो पाली में यादव सामाजिक भवन महादेव घाट रायपुरा रायपुर में रखा गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष जगनिक यादव अध्यक्षता सुंदर लाल यादव, विशेष अतिथि समाज के संरक्षक आर. डी. यादव, जगत राम यादव, जी. आर यादव, मनोज यादव, ठाकुर राम यादव जिला अध्यक्ष दुर्ग गरीब राम यादव, सुदेश यादव राजनांदगांव प्रेस विज्ञप्ति में समाज के प्रदेश सचिव एवं शहर जिला अध्यक्ष सुन्दरलाल यादव छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज ने बताया कि 16 फरवरी 2025 को होने वाले कार्यक्रम में झेरिया यादव समाज की एकता को सशक्त शक्तिशाली बनाने समाज की आर्थिक, शैक्षणिक तथा सामाजिक विकास के पथ पर शासन द्वारा चलाये जा रहे विकास योजना के क्रियान्वयन द्वारा रचनात्मक दिशा प्रदान करने समाज को पूर्ण रूप से साक्षर बनाने छत्तीसगढ़ स्तर पर संगठन को सशक्त एवं मजबूत बनाने समाज में व्याप्त मधपान की प्रवृत्ति को खत्म करने देवी संस्कारों को अपनाने तथा आसुरी संस्कारों को छोड़ने रूढ़ि प्रथा को समाप्त कर नवीन तथा रचनात्मक प्रथा का सृजन करने तथा समाज को अधिक से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रदान करवाने, गौ तथा दुग्ध व्यवसाय के लिए ऋण में यादवों को प्राथमिकता प्रदान करने 50 प्रतिशत ऋणों में शासकीय अनुदान देने, प्रत्येक जिला, ब्लॉक में आदर्श विवाह एव युवक-युवती परिचय सम्मेलन आदि उद्देशयों की पुर्ति के लिए उपरोक्त सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

अल्ट्राटेक कम्युनिटी वेलफेअर फाउंडेशन बैकुंठ सीमेंट वर्क्स द्वारा मिलन संगी तिहार (उत्सव खेल रंगों का) कार्यक्रम का भव्य आयोजन

पायनियर संवाददाता ◄ तिल्दा नेवर
www.dailypioneer.com

तिल्दा नेवर अल्ट्राटेक कम्युनिटी वेलफेअर फाउंडेशन बैकुंठ सीमेंट वर्क्स के तहत सी.एस.आर. डिपार्टमेंट की मिलन संगी इस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। मंत्रमुग्ध कर देने वालें लोकनृत्य और मनोरम भाषण से लेकर रोमांचकारी खेलों तक का यह सफर गांव की महिलाओं के लिए यादगार साबित हुआ। कार्यक्रम में कबड्डी खो-खो, रस्साकसी, बोरा दौड़, लिम्बू चमचा के साथ 100 मीटर की दौड़ जैसे एकल खेल एवं सामूहिक खेल स्पर्धाओं को सम्मिलित किया गया। इस खेल स्पर्धा में खरोरा, कुंदरु, जलसों, नकटी, टंडवा, तुलसी नेवरा, किरना एवं बहेसर गांव की महिलाओं ने भाग लिया। यह स्पर्धा अपने आप में काफी अद्भुत और रोमांचकारी रही, क्योंकि इसमें सिर्फ गांव की विवाहित महिलाओं को प्राथमिकता दी गई बच्चों युवाओं तथा पुरुषों के बीच हमने अवसर खेल स्पर्धा देखा है मगर इस तरह की खेल स्पर्धा का अनुभव बेहद अनोखा था जो महिलाएं शादी होने के बाद अपने घर को ही दुनिया मान चुकी थी, जिन्होंने अपने आप को समझ लिया था कि परिवार की खुशी हमारी खुशी है, ऐसे गांव की सखियों को प्रांगण तक ले आना आसान नहीं था क्योंकि गांव की महिलाओं के लिए अपने बारे में निर्णय लेना किसी संघर्ष से काम नहीं होता। पहला संघर्ष उन्हें अपने आप से करना पड़ता है उसके बाद परिवार के लोगों से फिर समाज से इन संघर्षों के बाद सीएसआर टीम के अथक परिश्रम से पूरे 2 महीने के बाद इस कार्यक्रम को वास्तविक रूप देना संभव हुआ है। यह कार्यक्रम अपने आप में महिला सशक्तिकरण का जीता जागता उदाहरण बन गया है। इस कार्यक्रम का आयोजन देबाशिष राय चौधरी फंक्शन हेड एचआर की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में कराया गया। कार्यक्रम के में मुख्य अतिथि के रूप में शिव संतरा सीएसआर हेड उपस्थित थे। विनोद श्रीवास्तव क्लस्टर हेड सीएसआर रावण सीमेंट, वैभव त्रिपाठी सीएसआर प्रमुख हिरमी सीमेंट दीपांकर खूंटिया स्टेट हेड शाही संस्था, आनंद भारद्वाज छत्तीसगढ़ स्टेट ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान आदि मुख्य तौर पर उपस्थित रहे।साथ ही अशोक कुमार सिन्हा फंक्शन हेड माइंस, सुनंदा बासु फं क्शन हेड फाईनान्स, उदय शंकर लाल एचओडी पर्सनल एडमिन और अजीत कुमार एचओडी आईटी डिपार्टमेंट, पवन कुमार ढोणे परचेस डिपार्टमेंट, कुलदीप साहू एचओडी सिविल डिपार्टमेंट, वीरेंद्र कुमार मिश्रा स्ट्रेटजी एंड मैनेजमेंट, शिखा राठी एचओडी एचआर के साथ अपरूपा राय चौधरी अध्यक्ष स्वयं सिद्धा लेडीज क्लब बैकुंठ सीमेंट वर्क्स के साथ एग्जीक्यूटिव मेंबर सिन्हा और अतुला बासु इनकी विशेष तौर पर उपस्थित थी। इस कार्यक्रम का उद्घाटन शिव संतरा ने ध्वजारोहन तथा मशाल जलाकर किया गया। उसके बाद उपस्थित नारी शक्ति स्वरूपा अपरूपा राय चौधरी, सिन्हा और शिखा राठी ने सभी टीमों से मिलकर उनकी हौसला औपजाही के साथ कबड्डी और खो-खो मैच के लिए टॉस के बाद इन खेल स्पर्धाओं के संपूर्ण संचालन की जिम्मेदारी गोपाल प्रसाद शर्मा प्राचार्य सीजी बोर्ड स्कूल बैकुंठ इन्होंने संभाली बतौर रेफरी के तौर पर एस.वाय कुरैशी, मीना रॉय, आशिष शुक्ला,अतुल मोहरे आदि ने उनका साथ दिया।

इज्तिमा में जुटे हजारों, की गई अमन व सलामती की दुआएं

पायनियर संवाददाता ◄ भिलाई
www.dailypioneer.com

दावत-ए-इस्लामी का एक रोज का इज्तिमा 15 फरवरी की शाम सेक्टर-6 जामा मस्जिद में हुआ। इस दौरान अहले सुन्नत वल जमाअत के उलेमाओ ने अपनी तकरीर में पैगम्बर हजरत मुहम्मद सलल्लाहो अलैहि वसल्लम के बताए रास्ते पर अमल करने और जिंदगी बसर करने की तालीम दी। उलेमाओं ने पैगम्बर मुहम्मद के अमन व भाईचारे के पैगाम को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की भी बात कही। इस इज्तिमा में 2000 से ज्यादा लोगों ने अपनी भागीदारी दी और जिक्र-अजकार के बाद दुआओं में शामिल हुए। आखिर में मुल्क में अमन व सलामती की दुआएं की गई। सेक्टर-6 जामा मस्जिद के इमाम इकबाल अंजुम हैदर, भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के सदर मिर्जा आसिम बेग व अरकीन ए कमेटी, दावते इस्लामी के कार्यकर्ता मुहम्मद यूसुफ अत्तारी, इज्जत अली, मिस्बाहुद्दीन, साहिल, नासिर, मुनव्वर सईद, रफीक और एजाज सहित अनेक लोगों की इस इज्तिमा को सफल बनाने में भागीदारी रही।

15 पार्षदों को जीत दिलाने के लिए नगर की जनता का आभार व्यक्त किया

पायनियर संवाददाता ◄ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश सदस्य मुश्ताक अहमद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दल्लीराजहरा नगर पालिका चुनाव में भाजपा अध्यक्ष तोरण लाल साहू और 15 पार्षदों को जीत दिलाने के लिए नगर की जनता का आभार व्यक्त किया और कहा कि भाजपा की यह जीत कार्यकर्ताओं की अटूट मेहनत और भाजपा जिलाध्यक्ष चेमन देशमुख का कुशल नेतृत्व का परिणाम है। जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख के नेतृत्व में पूरे जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं में एकजुटता दिखाई दी और वह परिणाम में भी बदला, एक तरफ देश में मोदी की गारंटी थी जिसपर जनता को पूरा विश्वास है और दूसरी तरफ प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव का सुशासन है जिस पर जनता ने अपना विश्वास दिखाया और भाजपा को एक तरफा मतदान किया जिसके फलस्वरूप आज सिर्फ दल्ली राजहरा ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश से कांग्रेस का सूपड़ा साफ हों गया है। आज भाजपा ट्रीपल ईजन की सरकार बनाने में सफल हो गई हैं। जनता ने भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास जताया है। दूसरी तरफ कांग्रेस दल्ली राजहरा में पिछले 05 सालों में सिर्फ भ्रष्टाचार तक सिमट कर रह गई जनता ने कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ मतदान किया है दल्ली राजहरा की जनता को अच्छी तरह से याद है पिछले 05 सालों में नगरपालिका अध्यक्ष द्वारा बोर तो कराया गया मगर उसमें न तो हेंडल लगाया गया न ही पंप सिर्फ बिल निकालकर जनता को ठगा गया कि बोर हो गया है जिसमें पानी नहीं निकलता है ऐसे बहुत से उदाहरण है। जानबूझकर ग़रीब जनता को मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसाया गया सिर्फ और सिर्फ घटिया निर्माण कार्य किए गए जहां आवश्यकता नहीं है वहां शासन के पैसों का खुलेआम दुरुपयोग जिसका जीवंत उदाहरण मां काली मंदिर में बनाया गया पार्किंग स्थल ऐसा लगता है सिर्फ बिल निकालनें के लिए उसे बनाया गया है जनता तो उसका उपयोग कर नहीं सकतीं, और एक 02 स्कूल के सामने पुलीया निर्माण जो आम जनता के लिए जानलेवा बना हुआ है मगर सिर्फ बिल निकाल कर शासन के पैसों का बंदरबांट किया गया ऐसे बहुत से उदाहरण है जिनमें वार्ड क्रमांक 24 का टाउनहॉल है जिसे अपने लाभ के लिए बिना शासन की अनुमति के तोड़ दिया गया और लाखों का मलबा कहां गया आज भी जांच चल रही है, बिना निर्माण कार्य के नाली का बिल निकाल लिया गया, पिछले 05 सालों में कांग्रेस ने भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड बना दिया था है जनता ने दिखा दिया कि भ्रष्टाचार का अंत कैसे करना है और अपना साथ, अपना विश्वास भारतीय जनता पार्टी पर दिखाया और सरल मिलनसार तोरण लाल साहू को अध्यक्ष पद पर एकतरफा जीत दिला दिया और साथ ही पूर्ण बहुमत के साथ 15 पार्षदों को भी अपना आशीर्वाद दिया है।

कलेक्टर के निर्देश पर जिला प्रशासन की टीम ने एक दिन में रुकवाये दो बाल विवाह

पायनियर संवाददाता ◄ लवन
www.dailypioneer.com

कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर जिला कार्यक्रम अधिकारी टी जाटवर के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग के बाल संरक्षण इकाई जिले में बाल विवाह रोकने हेतु सक्रिय है। सूचना मिलते ही टीम तुरंत मौके पर जा कर छानबीन करती है और सूचना सही पाये जाने पर समझाईस की कार्यवाही की जाती है। पलारी विकासखंड के ग्राम दतान एवं कौवाडीह में बाल विवाह हो रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी के त्वरित कार्यवाही के निर्देश पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी प्रकाश दास के नेतृत्व में जिला बाल संरक्षण इकाई, चाईल्ड लाईन, एकीकृत बाल विकास परियोजना एवं पुलिस थाना पलारी की संयुक्त टीम गांव गई जहॉं मौके पर शैक्षणिक दस्तावेजो का निरीक्षण करने पर शिकायत सही पाई गई। मौके पर विवाह के कार्यक्रम किये जा रहे थे जिसे संयुक्त टीम ने रुकवाया। टीम ने दोनो गांव में होने वाले विवाहों की जांच की जिसमें गांव दतान में एक 19 वर्षीय बालक तथा ग्राम कौवाडीह में 20 वर्षीय बालक का बाल विवाह होते पाया गया। सभी के यहॉं कथन पंचनामा तैयार किया गया। टीम ने अभिभावको का कथन शपथ पत्र लेकर बालकों का उम्र 21 वर्ष पूर्ण हो जाने पर ही विवाह किये जाने समझाईश दी। बाल विवाह करने पर बाल विवाह प्रतिशेध अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही किये जाने की जानकारी परिजनो समेत ग्रामीणों को दी गई। विवाह होने पर दो वर्ष का कारावास और 1 लाख रुपये का अर्थदण्ड की कार्यवाही होने की बात बताई गई। बाल विवाह प्रतिशेध अधिनियम में विवाह करने वाले, अनुमति देने वाले, सहयोग करने वाले एवं शामील होने वाले सभी के ऊपर कार्यवाही के प्रावधान होने की जानकारी दी गई है। टीम में जिला बाल संरक्षण इकाई, चाईल्ड लाईन, एकीकृत बाल विकास परियोजना पलारी एवं पुलिस विभाग की टीम शामिल थे।

मर्यादा का पालन करने वाले ही भगवान को प्रिय होते है

मनुष्य का श्रेष्ठ गुण है मर्यादा का पालन : आचार्य नंदकुमार शर्मा

पायनियर संवाददाता ◄ तिल्दा नेवरा
www.dailypioneer.com

संसार रूपी गाड़ी को धर्म के पहिये ही मंजिल तक पहुंचाते है और धर्म की रक्षा करना मानव का परम कर्तव्य है। परंतु मानव माया में उलझकर नारायण की भक्ति भूल जाते हैं। उक्त बातें निनवा वाले आचार्य पंडित नंदकुमार शर्मा ने ग्राम कचलोन मे चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवे दिन शनिवार को भागवत कथा के दौरान कही. उन्होंने कहा कि मानव को धर्म की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। संस्कृति के इतिहास में धर्म विरोधियों का कोई महत्व नहीं है। सनातन धर्म की नीति है सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया। अर्थात सभी सुखी रहें, किसी को कोई तकलीफ न हो। उन्होंने कहा कि विष ही विष की औषधि है। दया के अंदर धर्म, पराक्रम, मन, ज्ञान, और सौंदर्य सभी समाहित हैं। इसी कारण दया का महत्व है। आचार्य जी भगवान राम के जन्म की कथा बताते हुए कहा कि महराज दशरथ की तीन रानियों कौशल्या, केकयी और सुमित्रा के गर्भ से क्रमशः राम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न जी का अवतार होता है. दशरथ ही वेद का रूप है और तीनों रानियाँ उपासना कांड, ज्ञान कांड और कर्म कांड है. उन्होंने बताया कि राम जी ने अवतार लेकर धरती मे धर्म, और मर्यादा का पूर्ण रूपेण प्रतिपालन किया. इस कारण उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है. जो मर्यादा का पालन करते हैं वे भगवान को प्रिय होते हैं। खुद भगवान राम ने ऐसा कहा है। हमें अपने पूर्वजों की परंपरा को नहीं तोड़ना चाहिए। माता पिता, गुरु का अनादर नहीं करना चाहिए। भगवान राम को पता था कि वे राज पद ठुकराकर वन जा रहे हैं उन्हें कठिन से कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। यह सबकुछ जानते हुए भी प्रभु ने हंसते हुए वन जाना स्वीकार किया, क्योंकि वे अपने पिता की आज्ञा का उल्लंघन करने का पाप नहीं करना चाहते थे। हमें भी अपने बच्चों को यही सीख देने की आवश्यकता है। जो मर्यादा का पालन करते हैं वे भगवान को प्रिय होते हैं। खुद भगवान राम ने ऐसा कहा है। हमें अपने पूर्वजों की परंपरा को नहीं तोड़ना चाहिए। माता पिता, गुरु का अनादर नहीं करना चाहिए। भगवान राम को पता था कि वे राज पद ठुकराकर वन जा रहे हैं उन्हें कठिन से कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। यह सबकुछ जानते हुए भी प्रभु ने हंसते हुए वन जाना स्वीकार किया, क्योंकि वे अपने पिता की आज्ञा का उल्लंघन करने का पाप नहीं करना चाहते थे। हमें भी अपने बच्चों को यही सीख देने की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि श्रीराम चरित मानस हमारे जीवन की आचार संहिता है। भगवान राम का चरित्र हमें जीवन कैसे जीना है यह सिखाता है। कठिन परिस्थितियों में भी भगवान राम ने कभी भी मर्यादा का उल्लंघन नहीं किया यहां तक कि युद्ध के मैदान में भी। आज जब हम किसी से नाराज होते हैं तो भूल जाते हैं हमारी मर्यादा क्या है। लालच, क्रोध, मोह, माया के वश में होते ही हम मर्यादा छोड़ देते हैं जो कि उचित नहीं है। जब हम भगवान राम को मानते हैं उनकी पूजा करते हैं तो फिर उनके द्वारा स्थापित मर्यादा का पालन करने में हर्ज कहां है। हमें हर हाल में भगवान द्वारा स्थापित मर्यादा का पालन करना है यदि हम ऐसा करेंगे तो निश्चित रूप से भगवान को प्रिय होंगे। भगवान को छ्ल, कपट, प्रपंच करने वाला प्रिय नहीं होता है। जब हम मर्यादा का उल्लंघन करते हैं तो अपने यश और श्री को नष्ट कर लेते हैं। ऐसा करने से पाप के भागी बनते हैं। जब कोई व्यक्ति अपनी मर्यादा की सीमा रेखा को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है तभी विवाद और क्लेश उत्पन्न होता है। आचार्य जी ने कहा जब कोई व्यक्ति अपनी मर्यादा की सीमा रेखा को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है तभी विवाद और क्लेश उत्पन्न होता है।मर्यादा का उल्लंघन करने वाला और मर्यादा का हनन होने वाला दोनों ही अपमानित होता है। जब कोई किसी के साथ अमर्यादित व्यवहार करता है तो उसे भी अर्मायादित व्यवहार ही प्राप्त होता है। आगे आचार्य जी कृष्ण जन्म की कथा बतायी जिसे सुनकर सभी श्रोता गदगद और रोमांचित हो उठे. उन्होंने बताया कि द्वापर युग मे जब कंस का अत्याचार बढ़ने लगा तब ईश्वर ने माता देवकी के गर्भ से कंस के कारागृह मे अष्टम पुत्र के रूप मे अवतार लिया और माधुर्य बाल लीला को पूर्ण करते हुए कंस का वध किया. आचार्य जी ने कहा कि जब जब धरती मे धर्म की हानि होने लगती है, अत्याचार, पाप जब अत्याधिक बढ़ने लगता है तब तब ईश्वर का अवतार किसी ना किसी रूप मे होता है और धरती से अधर्म, और पाप को मिटाकर धर्म को स्थापित करते है. कथा सुनने श्रद्धालुओं की अपार भीड़ बढ़ती जा रही है।

श्रीमद् भागवत कथा : 5वें दिन भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं कंस वध का किया गया वर्णन

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

श्रीबालाजी हॉस्पिटल परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पांचवे दिन सोमवार को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला, माखन चोरी तथा गोवर्धन पूजा की कथा श्रद्धालुओं को सुनाई। आचार्य श्री बाँके बिहारी महाराज के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का वर्णन किया जा रहा है। आचार्य ने कहा श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं में माखन चोरी की लीला सुप्रसिद्ध है। वैसे तो कान्हा ग्वालिनों के घरो में जाकर माखन चुराकर खाया करते थे। लेकिन उन्होंने अपने ही घर में माखन चोरी की और यशोदा मैया ने उन्हें देख लिया।

सूरदासजी ने श्रीकृष्ण की चतुराई का जिस प्रकार वर्णन किया है वैसा कही नहीं मिलता। महाराज ने कहा कि भगवान की लीलाएं मानव जीवन के लिए प्रेरणादायक हैं। भगवान कृष्ण ने बचपन में अनेक लीलाएं की। बाल कृष्ण सभी का मन मोह लिया करते थे। नटखट स्वभाव के चलते यशोदा मां के पास उनकी हर रोज शिकायत आती थी। मां उन्हें कहती थी कि प्रतिदिन तुम माखन चुरा के खाया करते हो, तो वह तुरंत मुंह खोलकर मां को दिखा दिया करते थे कि मैंने माखन नहीं खाया। महाराज ने श्रोताओं से कहा कि लीला और क्रिया में अंतर होती है। अभिमान तथा सुखी रहने की इच्छा प्रक्रिया कहलाती है। इसे ना तो कर्तव्य का अभिमान है और ना ही सुखी रहने की इच्छा, बल्कि दूसरों को सुखी रखने की इच्छा को लीला कहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने यही लीला की, जिससे समस्त गोकुलवासी सुखी और संपन्न थे। उन्होंने कहा कि माखन चोरी करने का आशय मन की चोरी से है। कन्हैया ने भक्तों के मन की चोरी की। उन्होंने तमाम बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए उपस्थित श्रोताओं को वात्सल्य प्रेम में सराबोर कर दिया। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण के जन्म लेने पर कंस उनकी मृत्यु के लिए राज्य की सबसे बलवान राक्षसी पूतना को भेजता है। राक्षसी पूतना भेष बदलकर भगवान कृष्ण को अपने स्तन से जहरीला दूध पिलाने का प्रयास करती है, परंतु भगवान उसका वध कर देते हैं। इसी प्रकार कार्तिक माह में ब्रजवासी भगवान इंद्र को प्रसन्न करने के लिए पूजन कार्यक्रम की तैयारी करते हैं, परंतु भगवान कृष्ण उनको इंद्र की पूजा करने से मना कर देते हैं और गोवर्धन की पूजा करने के लिए कहते हैं। यह बात सुनकर भगवान इंद्र नाराज हो जाते हैं और गोकुल को बहाने के लिए भारी वर्षा करते हैं। इसे देखकर समस्त ब्रजवासी परेशान हो जाते हैं। भारी वर्षा को देखकर भगवान कृष्ण कनिष्ठ अंगुली पर गोवर्धन पर्वत को उठाकर सभी लोगों को उसके नीचे छिपा लेते हैं। भगवान द्वारा गोवर्धन पर्वत को उठाकर लोगों को बचाने से इंद्र का घमंड चकनाचूर हो गया। मथुरा को कंस के आतंक से बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने कंस का वध किया।

बजट प्रस्ताव पर मंत्री स्तरीय चर्चा : मंत्री केदार कश्यप के विभागों के बजट पर हुई चर्चा

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

वर्ष 2025-26 के मुख्य बजट एवं नवीन मद प्रस्ताव पर मंत्री स्तरीय चर्चा में मंत्री केदार कश्यप के विभागों के बजट प्रस्ताव पर व्यापक चर्चा हुई। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने मंत्रालय महानदी भवन में वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप के साथ विभागीय बजट प्रस्ताव पर विचार विमर्श किया। बजट चर्चा में अपर मुख्य सचिव द्वय ऋचा शर्मा एवं सुब्रत साहू, वित्त विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल, सहकारिता विभाग के सचिव सी.आर. प्रसन्ना, जल संसाधन विभाग के सचिव राजेश सुकुमार टोप्पो, कौशल विकास सचिव एस.भारतीदासन सहित वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता सहित अन्य विभागीय अधिकारी शामिल हुए।

राजिम कुंभ कल्प में मीना बाजार रहा गुलजार : लोगों की उमड़ी जबरदस्त भीड़, देर रात तक लोगों ने उठाया लुत्फ

पायनियर संवाददाता ‹ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

धर्म नगरी राजिम में 12 फरवरी से 26 फरवरी तक राजिम कुंभ कल्प मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेला में प्रतिदिन लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है। मेला के पाँचवे दिन रविवार होने के कारण कुंभ मेला के नवीन मेला मैदान में लगे मीना बाजार में भी लोगों की जबरदस्त भीड़ उमड़ी। मीना बाजार में घरेलू जरूरत के सामानों के स्टॉलों के साथ मनोरंजन के भरपूर साधन है। यहां खासकर युवक-युवितयों, महिलाओं की भीड़ ज्यादा देखने को मिली। मेले में खरीदारी के साथ-साथ लोगों ने झूले जिसमें स्क्रीन टावर, सुनामी, हथौड़ा, जलपरी, इंटरनेशनल एसी फिश टनल, रोबोटिक एनिमल शो, जाईट फ्रीसबी, ब्रेकडांस, टोरा-टोरा, आकाश झूला, मौत-कुआं जैसे अनेक मनोरंजन के साधनों का भी लुत्फ उठाया। मीना बाजार में युवतियां, महिलाओं के लिए सौन्दर्य की सामग्री बिक रही है, जिसमें कॉस्मेटिक, चूड़ी, कंगन, बिंदी, हार, झुमके, पायल की खरीददारी कर रही है। वहीं आइसक्रीम, भेल, गुपचुप, चाउमिन, मोमोज, पकौड़े का भी जमकर आनंद उठाया। मीना बाजार में एनीमेशन झांकी लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। राजिम में चारों तरफ खुशियों का मेला लगा हुआ है जिसमें चारों दिशाओं से लोग पहुँच रहे है। मेला क्षेत्र में सैकड़ों दुकानें भी बनाई गई हैं। जिसमें खान-पान के लिए अलग से फूड जोन बनाया गया है। जहां विभिन्न प्रकार के व्यंजन, छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजन ठेठरी, खुर्मी, नमकीन, चीला, फरा, पकौड़ा, अरसा आदि गढ़ कलेवा में मिल रहा है, जहां लोग बड़े चाव से इसका स्वाद ले रहे हैं। इसके अलावा श्रृंगार सामग्री, खेल सामग्री और तरह-तरह के घरेलू जरूरत के समानों के स्टॉलों पर अच्छी भीड़ जुट रही है। लोगों ने मसाला, कास्मेटिक, रेडीमेड कपड़े, खिलौने सहित रोजमर्रा की सभी वस्तुओं की जमकर खरीदारी की।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2024-26, दूरभाष नंबर 0771-2972403